वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 214 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली बुधवार 21 अक्टूबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

प्रधानमंत्री ने चेताया, लॉकडाउन भले खत्म हो गया, कोरोना नहीं

राष्ट के नाम संदेश: कठिन समय से निकलकर आगे बढ़ रहे हैं, थोड़ी सी लापरवाही गति को रोक देगी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को एक बार फिर कोरोना वायरस संक्रमण के मंडरा रहे खतरे के प्रति आगाह किया। साथ ही कहा कि लॉकडाउन भले खत्म हो गया है, लेकिन कोरोना वायरस खत्म नहीं हुआ है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संदेश में मंगलवार को यहां कहा कि देशवासियों ने जनता कर्फ्यू से लेकर अब तक लंबा सफर तय किया है। समय के साथ आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ रही है। अधिकांश लोग फिर से जीवन को गति देने के लिए घरों के बाहर निकल रहे हैं और त्यौहारों के मौसम में रौनक लौ रही है। लेकिन हमें नहीं भूलना है कि लॉकडाउन भले चला गया हो लेकिन वायरस अभी गया नहीं है। बीते सातआठ महीनों में प्रत्येक भारतीय के प्रयास से देश जिस संभली हुई स्थिति में है उसे बिगडऩे नहीं देना है। उसमें सुधार करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक कठिन समय से निकलकर हम आगे बढ़ रहे हैं, थोड़ी सी लापरवाही हमारी गति को रोक सकती है। जीवन की जिम्मेदारियों को निभाना और सतर्कता बरतना ये दोनों साथ चलेंगे तभी जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। याद रखिए जब तक दवाई नहीं तब तक ढिलाई नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को आगाह करते कहा कि यह समय लापरवाह होने या यह मान लेने का नहीं है कि कोरोना से कोई खतरा नहीं है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि जब तक कोरोना के खिलाफ लड़ाई में देश को सफलता नहीं मिल जाती तब लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। थोड़ी सी लापरवाही हमारी खुशियों को धूमिल कर सकती है। उन्होंने आग्रह किया कि जब तक इस महामारी का टीका नहीं आ जाता तब तक कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई को कमजोर नहीं पडऩे देना है। प्रधानमंत्री का संबोधन ऐसे समय में हुआ है जब बिहार में विधानसभा चुनाव सहित कई राज्यों में उपचुनाव हो रहे हैं और साथ ही दुर्गापूजा, दीवाली और छठ जैसे त्योहार सामने हैं। उन्होंने कहा, दो गज की दूरी, समयसमय पर साबुन से हाथ धुलना और मास्क लगाना इसका ध्यान रखिए। मैं आपको सुरक्षित देखना चाहता हूं, आपके परिवार को सुखी देखना चाहता हूं। ये त्योहार आपके जीवन में उत्साह और उमंग बढ़े ऐसा वातावरण चाहता हूं और इसलिए मैं

बारबार हर देशवासी से आग्रह करता हूं। उन्होंने लोगों का याद दिलाया कि कैसे अमेरिका और यूरोप के दूसरे देशों में कोरोना के मामले कम होने के बाद अचानक से फिर बढऩे लगे। प्रधानमंत्री ने हाल के दिनों में विभिन्न माध्यमों से आई तस्वीरों और कुछ वीडियो का जिक्र करते हुए कहा कि कई लोगों ने अब सावधानी बरतना बंद कर दिया है। ये ठीक नहीं है। अगर आप लापरवाही बरत रहे हैं, बिना मास्क के बाहर निकल रहे हैं तो आप अपने आप को, अपने परिवार को, अपने परिवार के बच्चों को, बुजुर्गों को उतने ही बड़े संकट में डाल रहे हैं।

भारत दुनिया की तुलना में ज्यादा नागरिकों की जीवन बचाने में सफल

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज देश में कोरोना से ठीक होने की दर अच्छी है, इससे होने वाली मौतों की दर कम है। भारत में जहां प्रति दस लाख जनसंख्या पर करीब 5500 लोगों को कोरोना हुआ है, वहीं अमेरिका और ब्राज़ील जैसे देशों में ये आंकड़ा 25 हजार के करीब है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में प्रति दस लाख लोगों में मृत्युदर 83 है, जबकि अमेरिका, ब्राज़ील, स्पेन, ब्रिटेन जैसे अनेक देशों में ये आंकड़ा 600 के पार है। उन्होंने कहा दुनिया के साधनसंपन्न देशों की तुलना में भारत अपने ज्यादा से ज्यादा नागरिकों का जीवन बचाने में सफल हो रहा है।

देश में कोरोना से लडऩे की सुविधा उपलब्ध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश में कोरोना मरीजों के लिए 90 लाख से ज्यादा बेड्स की सुविधा उपलब्ध है। 12,000 पृथकवास केंद्र हैं। कोरोना जांच की करीब 2000 जांच केंद्र काम रहे हैं। देश में टेस्ट की संख्या जल्द ही 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगी। कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई में टेस्ट की बढ़ती संख्या हमारी एक बड़ी ताकत रही है। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि सेवा परमो धर्म' के मंत्र पर चलते हुए डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी इतनी बड़ी आबादी की निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं ।

भारत में कोरोना की दवा बनाने में तेजी से काम

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बरसों बाद हम ऐसा होता देख रहे हैं कि मानवता को बचाने के लिए युद्धस्तर पर काम हो रहा है और अनेक देश इसके लिए काम कर रहे हैं। देश के वैज्ञानिक भी टीके के लिए जीजान से जुटे हैं। भारत में अभी कोरोना की कई टीकों पर काम चल रहा है। इनमें से कुछ एडवान्स स्टेज पर हैं। कोरोना का टीका जब भी आएगा, वो जल्द से जल्द प्रत्येक भारतीय तक कैसे पहुंचे इसके लिए भी सरकार की तैयारी जारी है। एकएक नागरिक तक यह पहुंचे, इसके लिए तेजी से काम हो रहा है।

महिला नेत्री को आइटम कहने पर कांग्रेस नेता से राहुल गांधी नाराज, कमलनाथ बोले-मैं क्यों माफी मांगूंगा

(विशेष संवाददाता)

भोपाल । मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ के बीजेपी नेता इमरती देवी को लेकर अपमानजनक शब्द बोलने पर मामला गर्माने पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने भी कमलनाथ की आलोचना की है। राहुल ने कहा कि जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कमलनाथ ने किया, वह उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं। राहुल ने इस वाकये को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। राहुल गांधी ने आगे कहा, सामान्य तौर पर, मुझे लगता देश में महिलाओं के प्रति हर स्तर पर हमारे व्यवहार को सुधार की जरूरत है। चाहे वह लॉ ऍंड ऑर्डर हो, बेसिक रेस्पेक्ट हो, सरकार, बिजनस या किसी दूसरी फील्ड उनके स्पेस को लेकर हो। हमारी महिलाएं हमारा गौरव हैं और उनकी रक्षा होनी चाहिए। उधर, मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने आइटम शब्द को लेकर मचे बवाल के बीच आज साफ शब्दों में कहा कि वे इस मामले को लेकर माफी क्यों मांगेंगे। कमलनाथ ने यहां मीडिया के सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उनसे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के आइटम संबंधी विवाद को लेकर आए ताजा बयान के बारे में पूछा गया था। कमलनाथ ने कहा कि वो राहुल गांधी की राय है और उनको जो समझाया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर स्थिति साफ कर दी है। अब और कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि उन्होंने बता दिया है कि उनका लक्ष्य किसी का अपमान नहीं था। यदि कोई अपमानित महसूस करता है, तो वे खेद कल ही व्यक्त कर चुके हैं। अब मैं माफी क्यों मांगूंगा। चौहान की इस मामले में माफी मांगने संबंधी मांग के बारे में पूछे जाने पर कमलनाथ ने कहा कि चौहान को जनता के बीच जाकर माफी मांगना चाहिए। कमलनाथ ने ग्वालियर जिले के डबरा में रविवार को चुनावी सभा में भाजपा प्रत्याशी एवं राज्य की मंत्री इमरतीदेवी को लक्ष्य करते हुए कुछ टिप्पणियां की थीं। इसी दौरान उनके मुख से निकले आइटम शब्द को लेकर बवाल मच गया है। इसके बाद से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा नेता आक्रामक अंदाज में कमलनाथ पर लगातार हमले बोल रहे हैं।

पंजाब में लागू नहीं होगा मोदी सरकार के तीनों कृषि कानून

कैप्टन ने किया खारिज, कृषि कानून औपचारिक तौर पर रद्द करके पंजाब मुल्क का पहला राज्य बना

(विशेष संवाददाता)

चंडीगढ़ । केंद्र के काले खेती कानूनों को आज औपचारिक तौर पर रद्द कर देने के साथ पंजाब मुल्क में पहला राज्य बन कर उभरा है। पंजाब विधानसभा ने आज खेती कानूनों और प्रस्तावित बिजली संशोधन बिल को रद्द कर देने का प्रस्ताव सर्वसम्मति के साथ पास करके इनको तुरंत ख़ारिज करने और न्युनतम समर्थन मूल्य की सुरक्षा के लिए नया अध्यादेश लाने और भारत सरकार द्वारा निरंतर ख़रीद को यकीनी बनाने की माँग की गई है।

सदन ने ढाई एकड़ तक की ज़मीन की कुर्की से किसानों को राहत देने के लिए सी.पी.सी. में संशोधन करने के अलावा तीन खेती संशोधन बिलों को जुबानी वोटों से पास कर दिया। यह बिल मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह द्वारा पेश किए गए थे। भाजपा के दो विधायकों जो विधान सभा के विशेष सत्र के दौरान अनुपस्थित रहे, को छोड़ कर बाकी सभी विधायकों ने प्रस्ताव और बिलों के हक में सर्वसम्मति से वोट दिया।

मुख्यमंत्री ने सदन को बताया

कि भारत के राष्ट्रपति के पास खेती कानूनों संबंधी पंजाब के किसानों की चिंताएं ज़ाहिर करने और किसानों की सुरक्षा के लिए दख़ल देने के लिए उनसे भी समय माँगा गया है। बाद में मुख्यमंत्री सभी विधायकों को पंजाब राज भवन में सदन द्वारा पास किए गए प्रस्ताव को राज्यपाल वी.पी. एस. बदनौर को सौंपने के लिए गए। प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए सभी विधायकों का धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे किसानों में सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने किसानों को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया और साथ ही प्रण लिया कि वह किसी भी कीमत पर पंजाब के शांतमई माहौल को ख़राब नहीं होने देंगे।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने किसान यूनियनों को कोयला, युरिया और अनाज की ढुलाई के लिए रेलों की यातायात की इजाज़त देने की फिर से अपील करते हुए कहा कि राज्य सरकार को रेल रोकने के कारण पहले ही 40 हज़ार करोड़ का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि कृषि सैक्टर की तरह राज्य का उद्योग और कारोबारी सैक्टर भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसानों की लड़ाई पंजाब के विरुद्ध नहीं बल्कि दिल्ली के विरुद्ध है। उन्होंने उम्मीद ज़ाहिर की कि किसान जत्थेबंदियाँ उनकी अपील को सकारात्मक स्वीकृति देगी।

इससे पहले, विरोधी पक्ष के नेता हरपाल सिंह चीमा द्वारा राज्य सरकार द्वारा एम.एस.पी. की गारंटी लेने संबंधी दिए सुझाव का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने 'आप' नेता को पूछा कि क्या वह ऐसे कदम के साथ पडऩे वाले वित्तीय प्रभाव से अवगत हैं? उन्होंने आप नेता द्वारा दिए गए सुझाव को अनुचित बताते हुए कहा कि यदि इस तरह उपज की खरीद की जाती है तो राज्य उपज कहाँ बेचेगा। राज्य के संशोधन बिलों के भविष्य के बारे में अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में, कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि बिल राज्यपाल के पास जाएंगे, जो उनको मंजूर या नामंजूर कर सकते हैं। इसके उपरांत, उनको भारत के राष्ट्रपति के पास जाने की ज़रूरत होगी, जो इन बिलों को मंजूर या नामंजूर कर सकते हैं। हालाँकि, उन्होंने कहा कि 'पंजाब टर्मीनेशन ऑफ वॉटर एग्रीमैंट्स एक्ट' के मामले की तरह ही राज्य सरकार केंद्रीय कानूनों के विरुद्ध अपनी जंग को कानूनी तौर पर लडऩा जारी रखेगी, जिसके लिए वकीलों और माहिरों की एक टीम तैयार है।

पंजाब विधान सभा की तरफ से केंद्रीय कानूनों के नतीजे के तौर पर किसानी भाईचारे को हुए नुकसान के ज़ाहिर किए गए ।

टीआरपी स्कैम: यूपी सरकार की सिफारिश पर सीबीआई ने शुरू की जांच, दर्ज किया केस

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने मंगलवार को टेलीविजन रेटिंग पॉइंट (टीआरपी) में कथित गड़बड़ी को लेकर एफआईआर दर्ज करते हुए जांच शुरू की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उत्तर प्रदेश सरकार की सिफारिश पर लखनऊ पुलिस से जांच को अपने हाथ मे लिया। कमल शर्मा नाम के शख्स की शिकायत पर लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज केस को सीबीआई को ट्रांसफर किया गया। एफआईआर अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई है। आरोपों में कहा गया है कि जाली साधनों के लिए टीआरपी में छेड़छाड़ की गई। कथित स्कैम को इसी महीने मुंबई पुलिस सामने लाई, जिसने

पहला केस दर्ज किया। रिपब्लिक टीवी उन चार चैनलों में से एक है जिनके खिलाफ जांच की जा रही है। पुलिस ने इस स्कैम के सिलसिले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कथिततौर पर वे घर भी शामिल हैं जो सैंपल सेट के रूप में काम करते हैं, जिनके टीवी देखने को यह सुनिश्चित करने के लिए मॉनिटर किया जाता था कि कुछ निश्चित चैनलों को अधिक रेटिंग मिले। रेटिंग विज्ञापन प्राप्त करने के लिए अहम कारक है। रिपब्लिक टीवी के स्वामित्व वाली कंपनी एआरजी आउटलाइर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और इसके एडिटर इन चीफ अर्नब गोस्वामी पिछले सप्ताह बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचे और चैनल के खिलाफ मुंबई पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की।

मुजफ्फरपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस की दो बोगी पटरी से उतरी, भगदड़ में कई जख्मी

(विशेष संवाददाता)

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर से समस्तीपुर की ओर जा रही पूर्वांचल एक्सप्रेस की दो बोगी पटरी से उतर गई। इससे यात्रियों में भगदड़ मच गई जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए। सूचना मिलने पर आधा दर्जन एंबुलेंस को शहर से वहां भेजा गया है।

वहीं रेलवे व जिला प्रशासन के अधिकारी भी घटनास्थल की ओर रवाना हो गए हैं। बताया गया कि गोरखपुर से कोलकाता जाने वाली 5048 पूर्वांचल एक्सप्रेस ट्रेन मुजफ्फरपुर जंक्शन से छह बजे समस्तीपुर की ओर रवाना हुई। इसके करीब 20 मिनट बाद सिलौत स्टेशन से आगे गुमटी नंबर 90 बी के पास ट्रेन से अचानक तेज आवाज आने लगी और दो बोगी पटरी से उतर गई। पूर्वांचल एक्सप्रेस की टंकी टूट गई जो सिलौत स्टेशन के सामने आकर ब्लास्ट कर गई।

इससे स्टेशन पर ट्रेन को झंडी दिखा रहे स्टेशन मास्टर प्रेम कुमार भी जख्मी हो गए। इससे ट्रेन पर सवार यात्रियों में अफरातफरी मच गई। इस क्रम में आधा दर्जन यात्रियों के जख्मी होने की सूचना है। ट्रेन हादसे की जानकारी होने पर डीआरएम, एडीआरएम, सीनियर डीएसओ, एसईई समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे व राहत व बचाव कार्य का जायजा लिया। घायलों को तुरंत सरकारी एंबुलेंस से अस्पताल भेज दिया गया।

देश में कुल 76 लाख संक्रमित, 24 घंटे में 46 हजार नए मरीज आए, 69 हजार हुए ठीक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना से मौत का आंकड़ा 600 से कम हो गया है, लेकिन फिर भी ये संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। पिछले 24 घंटे में 46,790 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं और 587 कोरोना संक्रमितों ने अपनी जान गंवाई है। देश में रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या भी नए मामलों से ज्यादा आ रही है। बीते दिन 69,720 मरीज ठीक हो गए।

स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 75 लाख 97 हजार तक पहुंच गई है। इनमें से एक लाख 15 हजार 197 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं रिकवरी मामलों की संख्या 67 लाख 33 हजार तक पहुंच गई है और एक्टिव केस की संख्या घटकर 7 लाख 48 हजार पर आ गई है।

संक्रमण के एक्टिव केस की संख्या की तुलना में रिकवर हुए लोगों की संख्या आठ गुना ज्यादा है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में कोरोना वायरस के एक्टिव केस, मृत्यु दर और रिकवरी रेट का प्रतिशत सबसे ज्यादा है। 19 अक्टूबर तक कोरोना वायरस के कुल 9 करोड़ 61 लाख सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं, जिनमें से 10 लाख सैंपल की टेस्टिंग कल की गई। पॉजिटिविटी रेट करीब सात फीसदी है। देश के एक्टिव केस 6 हफ्ते के बाद 8 लाख से नीचे आए हैं। 22 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में 20,000 से कम एक्टिव केस हैं। केवल केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 50,000 से ज्यादा एक्टिव मामले रिपोर्ट हो रहे हैं। सबसे ज्यादा एक्टिव केस महाराष्ट्र में हैं। एक्टिव केस मामले में दुनिया में भारत का दूसरा स्थान है। कोरोना संक्रमितों की संख्या के हिसाब से भारत दुनिया का दूसरा सबसे प्रभावित देश है। मौत के मामले में अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत का नंबर है। राहत की बात है कि मृत्यु दर और एक्टिव केस रेट में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मृत्यु दर गिरकर 1।51% हो गई।

अलगाववादी राजनीति का कारण है भ्रष्टाचार: मनोज सिन्हा

(सचिन बुधौलिया)

श्रीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में अलगाववादी राजनीति के विरुद्ध एक अनूठी सोशल एंड डेवेलपमेंट इंजीनियरिंग वाली राजनीति से मुकाबला शुरू किया है और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा इसका तानाबाना बहुत खामोशी और उतनी ही बारीकी से बिछा रहे हैं। इस तानेबाने में सामाजिक आर्थिक विकास के साथ ही भ्रष्टाचार पर कठोर प्रहार शामिल है।

करीब ढाई महीने पहले इस केन्द्र शासित प्रदेश की कमान संभालने वाले सिन्हा ने अपनी राजनीतिक पहल का फोकस बनाया है कश्मीरी युवाओं को जिनके लिए जम्मू कश्मीर खास कर कश्मीर घाटी में खेलकूद का बेहतरीन और देश का सबसे उम्दा खेलों की ढांचागत सुविधाएं खड़ी की जा रही है। क्रिकेट, फुटबाल, हाकी, रग्बी के आउटडोर खेलों के साथ इनडोर गेम्स, वाटर स्पोर्ट्स, बर्फ में खेले जाने वाले विंटर गेम्स के क्षेत्र में जम्मू कश्मीर आने वाले दिनों में ना केवल देश बल्कि दुनिया का अहम केन्द्र होगा। केन्द्र शासित प्रदेश में तेजी से सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उपयोग करने में जम्मू कश्मीर पूरे देश में अव्वल है। कारगिल से लेह को जोड़ने वाली सड़क पर देश की सबसे लंबी 14 किलोमीटर की जोजीला सुरंग का निर्माण शुरू हो चुका है। बैक टू विलेज, तहसील दिवस और माई टाउन माई प्राइड यानी मेरा कस्बा मेरा गौरव अभियानों ने हर जिले में प्रशासन को सक्रिय किया है और लोगों में बेहतरीन जनजीवन की आस जगायी है। राजभवन ने जनशिकायत निवारण केन्द्र खोला है। सेना द्वारा मुठभेड़ में मारे गये राजौरी के तीन युवकों के घर उपराज्यपाल का चार किलोमीटर पैदल चल कर जाना और न्याय का भरोसा दिलाना स्थानीय आबादी के टूटे मन पर मरहम जैसा रहा।

सिन्हा ने विशेष बातचीत में कहा कि राजभवन के दरवाजे जनता के लिए खुले हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार के दो हेलीकॉप्टरों को आपात स्थिति में जनता की सेवा के लिए उपलब्ध कराने का फैसला लिया है। सभी जिलों में रविवार और बुधवार को छोड़ कर सुबह साढ़े दस बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक जिला उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को आम जनता से मिलने का निर्देश दिया गया है। इसी तरह मंडल आयुक्त और पुलिस महानिरीक्षक सप्ताह में दो दिन जनता से मिलेंगे। कार्यक्रम के दो चरणों में ढांचागत सुविधाओं पर फोकस रहा जिससे ज़मीनी स्थिति में बहुत फर्क नहीं आया लेकिन तीसरे चरण में सामाजिक सुरक्षा पर जोर दिया गया और 21 दिन तक चले इस अभियान

में सभी जिलों को 100 प्रतिशत का लक्ष्य दिया गया जिस पर अधिकतर जिलों में 80 से 90 प्रतिशत तक काम हुआ। जो जिले पिछड़े, उनमें 70 प्रतिशत तक लक्ष्य पूरा हुआ।

केंद्र शासित प्रदेश में तहसील दिवस मनाया गया जिसमें जिला उपायुक्त ने पेंशन आदि प्रमाणपत्रों का वितरण किया। इससे फर्क नज़र आया है। गांवों में पंचायतों के माध्यम से विकास को गति देने के बारे में सिन्हा बताते हैं कि उन्होंने गांवों में विकास के लिए पुख्ता इंतजाम किया है। उन्होंने कहा कि बैक टू विलेज कार्यक्रम में हर गांव में दस लाख रुपए आवंटित किये गये। वित्त आयोग और मनरेगा के तहत अतिरिक्त आवंटन किया गया। इस प्रकार से हर पंचायत को 50 लाख रुपए से 1.25 करोड़ रुपए दिये गये। पंच सरपंच को काम तय करने का अधिकार दिया गया है। तीन लाख रुपए तक का काम बिना टेंडर के करने की अनुमति दी गयी है।

उन्होंने कहा कि हर गांव में दो युवाओं को चिह्नित करके उन्हें कौशल एवं उद्यमिता का प्रशिक्षण देकर ऋष्ण देने का कार्यक्रम बनाया गया है। इसके लिए 8500 युवाओं को ऋष्ण देने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन दस हजार से अधिक आवेदन आये हैं। इन कार्यक्रमों में प्रशासन की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर सिन्हा ने कहा कि शोपियां एवं अनंतनाग के जिला उपायुक्तों ने कुछ नवाचार किये हैं। शोपियां में पंचायतों को जोड़ कर एक ऐप बनाया गया है जिस कार्य के लिए कितना आवंटन हुआ और कितना व्यय हुआ। कार्य की अद्यतन प्रगति का विवरण सहित सभी जानकारी ऐप पर उपलब्ध है। अनंतनाग में जिला उपायुक्त ने युवाओं के कौशल की मैपिंग यानी स्किल मैपिंग करायी है।

विशेष इंटरव्यू

कृषि एवं उद्यानिकी के नये कार्यक्रम तैयार किये हैं जिनसे रोजगार बढ़े।

जम्मू कश्मीर में खेलों के सुविधाओं लिए हर जिले में इनडोर एवं आउटडोर खेलों की सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत करीब दो सौ करोड़ रुपए व्यय करके स्टेडियम बनाये जा रहा है। अगले साल तक प्रदेश में खेल के इतने मैदान हो जाएंगे कि करीब डेढ़ लाख युवा एक वक्त पर खेल सकेंगे। उन्होंने कहा कि सर्दियों में गुलमर्ग में विंटर गेम्स आयोजित किये जाएंगे जिनमें 1200 युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा और ये विंटर ओलंपिक में भाग लेंगे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी एवं अन्य स्थानीय दलों के नेताओं के अलगाव वादी एजेंडे और गुपकार घोषणा को कितनी बड़ी चुनौती मानते हैं, इस सवाल पर पूरे आत्मविश्वास के साथ सिन्हा ने कहा कि जनता का इन नेताओं को अब वैसा समर्थन नहीं है। जनता के जीवन में बदलाव आ रहा है। और उनकी आकांक्षाओं एवं इच्छाओं को इन नेताओं ने दबाये रखा। अब हालात बदल रहे हैं। ऐसे में विशेष दर्जे की मांग एवं अलगाववादी राजनीति की जम्मू कश्मीर में कोई जगह नहीं रह गयी है। उन्होंने माना कि इस विशेष दर्जे और अलगाववाद की राजनीति के पीछे असली कारण भ्रष्टाचार है।

एक नजर

विप्रो का फोर्टम के साथ पांच साल का करार

नई दिल्ली। विप्रो लि. को फोर्टम से ऐप्लिकेशन प्रबंधन (एएमएस) तथा सेवा एकीकरण एवं प्रबंधन (एसआईएम) का पांच साल का अनुबंध मिला है। फिनलैंड मुख्यालय वाली फोर्टम दुनिया की प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा कंपनियों में से है। विप्रो ने मंगलवार को बयान में कहा कि पांच साल के अनुबंध के तहत वह 18 देशों में 11,500 प्रयोगकर्ताओं के लिए फोर्टम के ऐप्लिकेशन पोर्टफोलियो का प्रबंधन करेगी। इसके अलावा वह कारोबार की दृष्टि से महत्वपूर्ण ऐप के लिए चैबीसों घंटे समर्थन उपलब्ध कराएगी। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने कहा कि वह अपने कृत्रिम मेधा (एआई) तथा ऑटोमेशन मंच 'विप्रो होल्म्स' के जरिये प्रोसेस ऑटोमेशन से अंतिम प्रयोगकर्ताओं के लिए अनुभव को बेहतर बनाएगी। इस करार के वित्तीय पक्ष का खुलासा नहीं किया गया है। फोर्टम के उपाध्यक्ष (परिचालन, सेवा, कारोबार प्रौद्योगिकी) तुओमास सलोसारी ने कहा, ''हमने विप्रो के लचीले और दक्ष समाधान उपलब्ध कराने के अनुभव और क्षमता को देखते हुए उसे अपना भागीदारी चुना है।''

सैनी इंडिया ने उद्योग में की नई शुरुआत

नई दिल्ली। निर्माण उपकरण और हैवी मशीनरी के निर्माता सैनी इंडिया ने उद्योग में एक शुरुआत करते हुए अपने सहयोगियों को आसानी से कोरोना महामारी से पार पाने में मदद करने के लिए कई उपाय लागू किए हैं। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि सैनी इंडिया ने डीलर पार्टनरों के लिए नकदी प्रवाह को बनाए रखने और बेहतर बनाने के लिए कई नई पहल लागू करके अपने सभी 35 डीलरों को चुनौतीपूर्ण दौर में मदद की। इसमें इस महामारी के दौरान निर्माण उपकरण और उसके स्पेयर पार्ट की आपूर्ति, ग्राहकों को विस्तारित वारंटी समर्थन और लगभग 1100 से अधिक कर्मचारियों के लिए वेतन सहायता के साथ भारत और दक्षिण एशिया में डीलर के भुगतान की भूमिका के लिए सभी प्राप्तियों पर ऋृण अवधि का विस्तार शामिल था। सैनी इंडिया द्वारा समय पर वित्तीय समर्थन के परिणामस्वरूप उनके डीलरों पर तीनआयामी प्रभाव पड़ा, वो अपने व्यवसाय को बनाए रखने में सक्षम हुए, अपनी श्रमशक्ति को साथ बनाए रखा ।

दिल्ली मुंबई में 5जी के लिए 187 अरब रुपये निवेश की जरूरत

नई दिल्ली। देश में पांचवी पीढ़ी की दूरसंचार सेवा 5जी शुरू करने के लिए राष्टीय स्तर पर 2.3 लाख करोड़ रुपये की पूंजी निवेश की जरूरत होगी और राष्टीय राजधानी दिल्ली एवं आर्थिक राजधानी मुंबई में इस सेवा को शुरू करने के लिए 187 अरब रुपये की जरूरत है। बाजार अध्ययन करने वाली कंपनी मोतीलाल ओसवाल फायनेंशियल सर्विसेस ने दूरसंचार नियामक ट्राई द्वारा हाल में जारी आरक्षित मूल्य के आधार प अपनी एक ताजी रिपोर्ट में यह आंकलन किया है। उसने कहा कि मुंबई में 5 जी सेवा के लिए 100 अरब रुपये और दिल्ली के लिए 87 अरब रुपये के पूंजी निवेश का अनुमान है। उसने कहा कि अखिल भारतीय स्तर पर मिड बैंड में 5 जी सेवा शुरू करने के लिए 2.3लाख करोड़ रुपये की और लो बैंड स्पेक्ट्रम के लिए 1.3 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। उसने कहा कि मुंबई में 100 मेगाहर्ट्ज मिड बैंड स्पेक्ट्रम प्राप्त करने के लिए 84 अरब रुपये की आवश्यकता होगी जो कि आधार मूल्य से अधिक बोली लगाने पर बढ़ सकता है। इसके लिए मुंबई में नौ हजार टावर लगाने होंगे जिसपर 18 अरब रुपये का निवेश करना होगा।

दिल्ली के स्कूलों का जलवा: जेईई एडवांस में 53 और एनईईटी में 569 बच्चे सफल

जेईई एडवांस में 53 और एनईईटी में 569 बच्चे सफल, यमुना विहार के 24 छात्र और नूर नगर के 23 छात्रों ने परीक्षा पास

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जेईई मेंस और एनईईटी में शानदार सफलता हासिल करने पर दिल्ली सरकार के स्कूलों के छात्रों को बधाई दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह सभी बच्चे, दूसरे बच्चों के लिए प्रेरणा दायक हैं। दिल्ली सरकार के स्कूलों में क्रांतिकारी बदलाव की वजह से जेईई मेंस में 443 और एनईईटी में 569 बच्चों ने सफलता हासिल की है। दिल्ली सरकार के स्कूलों के 99 फीसदी परिणाम के बाद इन छात्रों ने एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। 379 छात्राओं ने एनईईटी की परीक्षा पास की है। दिल्ली सरकार के स्कूल मोलरबंद के 29 छात्रों ने एनईईटी की परीक्षा पास की है, जबकि यमुना विहार के 24 छात्र और नूर नगर के 23 छात्रों ने परीक्षा पास की है। जेईई मेन की परीक्षा पास करने वाले 443 छात्रों में 53 ने जेईई एडवांस की परीक्षा में सफल हुए हैं। पश्चिम विहार के स्कूल के 5 छात्रों ने जेईई एडवांस की परीक्षा पास की है। वहीं, डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूलों के छात्र जेईई एडवांस और एनईईटी के क्वालिफाइंग परिणामों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए दिल्ली को गौरवांवित किया है। दिल्ली सरकार के स्कूलों के कई छात्र डॉक्टर और इंजीनियर बनने वाले अपने परिवार के पहले सदस्य होंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के स्कूलों के बच्चों द्वारा जेईई मेंस और एनईईटी की परीक्षा में बड़ी सफलता हासिल करने को लेकर एक डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस की। सीएम अरविंद केजरीवाल ने सभी सफल बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि आज आपके लिए एक खुशखबरी है। पिछले कई दिनों से कोरोना और प्रदूषण की वजह से रोज

तनाव की खबरें आती हैं। इसी महामारी के दौरान और इतने मुश्किल दौर में दिल्ली सरकार के स्कूलों के बच्चों के शानदार नतीजे आए हैं। पूरे देश में डॉक्टर बनने और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए जो एनईईटी की परीक्षा होती है, उसमें दिल्ली सरकार के स्कूलों के 569 बच्चों ने सफलता हासिल की है। इन 569 बच्चों में से 379 लड़कियां हैं यानि 67 फीसदी लड़कियां हैं और लड़कियों ने बड़ा शानदार प्रदर्शन किया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रतिभा पैसे का मोहताज नहीं होती है। गरीबों के बच्चों को भी अगर अच्छी शिक्षा दी जाए, अगर बराबरी की शिक्षा दी जाए, तो वो भी बहुत बढ़िया शानदार प्रदर्शन करके दिखा सकते हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इंजीनियरिंग में जो सबसे मुश्किल परीक्षा होती है, उसको जेईई कहते हैं, जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन के जरिए बच्चों को आईआईटी और जो सबसे बेहतरीन इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश मिलता है। इस बार दिल्ली सरकार के स्कूलों के हमारे 443 बच्चों ने जेईई मेंस पास किया है। इनमें से 53 बच्चों ने जेईई एडवांस पास किया है। यानि इन 53 बच्चों को सीधे आईआईटी में प्रवेश मिलेगा और बाकी बच्चों का कहीं ना कहीं दूसरे इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिला होगा। 53 बच्चों ने जेईई एडवांस पास किया है। एक ही स्कूल आरपीवीवी पश्चिम विहार के 5 बच्चों का आईआईटी में एडमिशन हो गया है। उस स्कूल में 68 बच्चे हैं जिनमें से 5 बच्चों का आईआईटी में सीधा एडमिशन हो गया है।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जेईई और एनईईटी परीक्षा में सफल हुए सभी बच्चों और उनके मातापिता को मेरी तरफ से बहुतबहुत बधाई। मैने यह सारी बातें इसलिए बताई कि किस तरह से दिल्ली के स्कूलों में क्रांतिकारी परिवर्तन आ रहे हैं। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले हमारे गरीबों के बच्चे अब आगे बढ़ रहे हैं। मैं हमेशा कहता था कि अगर हमें अपने देश से गरीबी दूर करनी है, तो एक पीढ़ी के अंदर सभी बच्चों को समान और अच्छी शिक्षा देकर अपने देश से गरीबी दूर कर सकते हैं। अगर हम अपने सभी बच्चों को, चाहे वह अमीर घर में पैदा होने वाला हो या गरीब के घर में पैदा होने वाला बच्चा हो, अगर हम सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा दे दें, तो एक पीढ़ी के अंदर गरीबी दूर हो जाएगी। हमारे देश को आजाद हुए 70 साल हो गए और आज तक हम गरीबी से जूझ रहे हैं। अगर एक पीढ़ी में हमें अपने देश की गरीबी दूर करनी है, तो बच्चों को अच्छी शिक्षा देनी होगी।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह सारे बच्चे, जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है, यह सारे बच्चे, दूसरे बच्चों के लिए प्रेरणादायक हैं। जो बच्चे बारहवीं में आए हैं या दसवींग्यारहवीं में पढ़ रहे हैं, उन सब बच्चों को मैं कहना चाहता हूं कि अगर ये कर सकते हैं, तो आप भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। दूसरा, किसी भी बच्चे को पैसे की चिंता करने की जरूरत नहीं है। अगर आपके मांबाप के पास पैसा नहीं है, तो चिंता मत करना। हम लोगों ने आपकी अच्छी शिक्षा के लिए पैसे का इंतजाम किया है।

दिल्ली सरकार के खिलाफ एबीवीपी का उग्र प्रदर्शन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । दिल्ली सरकार द्वारा डीयू के वित्त पोषित 12 कॉलेजों में अनुदान नहीं मिलने के कारण इन शिक्षकों व कर्मचारियों को वेतन का संकट है। शिक्षकों व कर्मचारियों को स्टूडेंट्स सोसायटी फंड से वेतन देने के निर्देश का दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ ने विरोध किया है। इसके खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद तथा डूसू आईटीओ मेट्रो स्टेशन से दिल्ली सचिवालय तक मार्च किया और उग्र प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी 50 से अधिक विद्यार्थियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इससे पूर्व जब प्रदर्शन शुरू हुआ था तब रास्ते में पुलिस ने दो बार छात्रों को रोका और कई छात्र सचिवालय पंहुचने से पूर्व में ही हिरासत में ले लिया था लेकिन उसके बाद बचे हुए छात्रों ने दिल्ली सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। छात्र सरकार द्वारा 16 अक्टूबर को स्टूडेंट्स सोसाइटी फंड से वेतन दिए जाने संबंधी निर्णय को तुरंत वापस लिए जाने की मांग की है। डूसू अध्यक्ष अक्षित दहिया का कहना है कि स्टूडेंट्स सोसाइटी फंड छात्रों से फीस के रूप में लिया गया है तथा इस फंड का उपयोग छात्रों से जुड़ी हुई विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के संदर्भ में खर्च किया जाना चाहिए न कि वेतन दिए जाने के लिए। हमने राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित कॉलेजों के छात्र प्रतिनिधियों तथा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज सोसाइटी के प्रतिनिधियों से बात की है वे भी सरकार के इस छात्र विरोधी निर्णय के खिलाफ हैं। हम जल्द ही इस निर्णय के खिलाफ न्यायालय में याचिका दाखिल करेंगे।

संपत्ति विवाद में सगे भाई का गला घोंट शव नहर में फेंका

नई दिल्ली। समयपुर बादली इलाके में दो युवकों ने संपत्ति विवाद में सगे भाई के साथ मारपीट की और उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को लोहे के बक्से में भरकर मुनक नहर में फेंक दिया। इतना ही नहीं, इसके बाद गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करा दी। बहरहाल, पुलिस ने सोमवार को दोनों आरोपी भाइयों विवेक और सतीश को गिरफ्तार कर लिया है। साजिश में आरोपियों की पत्नियां भी शामिल थीं, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी है। जानकारी के अनुसार, हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पुलिस को शव पड़ा मिला था। जांच में मालूम हुआ कि किसी ने हत्या कर वारदात को छिपाने के लिए शव को नहर में फेंक दिया था। एसीपी मनीष जोरवाल की देखरेख में एसएचओ आशीष दुबे की टीम को जांच सौंपी गई। इस बीच दिलीप झा की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसकी सूरत मृतक से मिल रही थी।

प्रदूषण के चलते दशहरे पर पुतलों का दहन मुश्किल

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर कोरोना काल में रामलीला का मंचन करने वाली समितियों ने पुतला दहन न करने का लेकर आगे आई है। हालांकि कुछेक समितियों द्वारा पुतला दहन किया जाएगा। लेकिन प्रशासन से अनुमति को लेकर असमंजस बरकरार है।

शास्त्री पार्क स्थित डीडीए ग्राउंड में विष्णु अवतार रामलीला कमेटी के चेयरमैन हरीश चैधरी ने बताया कि पुतला दहन को लेकर प्रशासन की तरफ से अभी अनुमति नहीं मिली है। जिस कारण अभी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हमारे तीनों पुतले बनकर तैयार हैं। प्रशासन के दिशा निर्देशानुसार ही कोई कार्य किया जाएगा। कोरोना काल में तीन दिवसीय रामलीला का आयोजन करने वाली श्रीरामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ के प्रधान सुरेश बिंदल ने

बताया कि वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण के चलते पुतला दहन नहीं करने का निर्णय लिया है। साथ ही कोरोना का होना भी पुतला दहन न करने का एक कारण है। सादगी के साथ दशहरा मनाया जाएगा। आईपैक्स भवन के सभागार में 23 से लेकर 25 अक्टूबर के बीच तीन दिवसीय संपूर्ण रामलीला का मंचन करेंगे। गौतम पुरी स्थित रामलीला मैदान में नव सनातन धर्म रामलीला कमेटी के प्रधान संदीप जैन ने बताया कि दशहरे पर पुतला दहन का कार्यक्रम मुश्किल लग रहा है। प्रशासन से भी अनुमति नहीं मिली है। अगर पुतला दहन किया जाएगा तो भीड़ को संभालना बेहद मुश्किल होगा। विनोद नगर स्थित रास विहार में कामधेनु रामलीला समिति के चेयरमैन कुलदीप भंडारी ने बताया कि दसदस फीट वाले पुतले जलाएंगे। जिनको बनाने में कागज का इस्तेमाल बेहद कम किया जाएगा। पुतले में पटाखे नहीं लगाएंगे।

प्याज निकाल रहा आंसू, नवरात्र में भी नहीं मिली महंगाई से राहत

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (वेबवार्ता)। प्याज पिछले साल की तरह उपभोक्ताओं के आंसू निकाल रहा है। बरसात में फसल खराब होने की वजह से प्याज के दाम लगातार आसमान छू रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ता परेशान हैं।

नवरात्र में उत्तर भारत समेत देश के अधिकांश हिस्से में लोग लहसुन प्याज नहीं खाते हैं। जिससे खपत कम होती है, मगर इससे प्याज की महंगाई से राहत नहीं निली। कारोबारी बताते हैं कि, साउथ और महाराष्ट्र में बारिश हुई, यानी प्याज उत्पादक राज्यों में बारिश के कारण फसल खराब हो गई, जिसके कारण शॉर्टेज है। वहीं नई फसल आने में देर है, जहां कहीं भी नई फसल आ रही है, वो भी पर्याप्त नहीं है। साथ ही ऊंचे भाव पर ही किसान के पास से आ रहा है प्याज। आजादपुर मंडी में आलू और प्याज मर्चेंट एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी राजेन्द्र शर्मा ने आईएएनएस को बताया, बरसात के कारण पिछले साल जैसा हाल बन चुका है, हालात खराब हैं। आज हमारे यहां प्याज के 17 कट्टे आये हैं। दिल्ली में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान से प्याज आ रहा है। नवरात्रों में बिक्री भी कम होती है, जाहिर है कि आवक का इस समय भाव से कोई संबंध नहीं है, बल्कि सोर्स से ही भाव तेज हैं, जो दाम महाराष्ट्र में है, वो आज की तारिख में दिल्ली से तेज हैं । 10 15 रुपये प्रति किलो का अंतर है। वहीं प्याज की कमी है। अफगानिस्तान वाले प्याज की भी डिमांड है और 40 से 45 रुपये दर है।

चारधाम नियंत्रण मामले में सुब्रह्मण्यम स्वामी पहुंचे SC

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने चारधाम देवस्थान प्रबंधन बोर्ड के जरिये चारों धाम एवं 51 अन्य तीर्थस्थलों पर सरकारी नियंत्रण को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। स्वामी ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के 21 जुलाई 2020 के उस फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है, जिसके तहत उनकी याचिका निरस्त की गयी थी। स्वामी ने चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड का गठन करके चारों धामों और अन्य 51 तीर्थ स्थानों पर राज्य सरकार द्वारा नियंत्रण लिये जाने को उच्च न्यायालय में

चुनौती दी थी, जहां से उन्हें निराशा हाथ लगी थी, उसके बाद वह सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे हैं। भाजपा नेता ने कहा है कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में केवल मंदिर ही सरकार के नियंत्रण में है, जबकि मस्जिद और अन्य धार्मिक स्थल नहीं। उन्होंने चारों धाम मंदिर और अन्य 51 तीर्थस्थलों को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने की मांग की है। इस मामले में दो गैर सरकारी संगठनों 'पीपुल फॉर धर्म' और 'इंडिक कॉलेक्टिव ट्रस्ट' ने भी उच्च न्यायालय के खिलाफ याचिकाएं दायर की हैं। उच्च न्यायालय ने गत 21 जुलाई को दिये फैसले में चारधाम देवस्थानम् प्रबंधन एक्ट, 2019 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है।

जिंदल स्टील ने रेल पटरी की नई श्रेणी तैयार की, भारतीय रेलवे ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (वेबवार्ता)। भारतीय रेलवे ने जिंदल स्टील एंड पावर लि. (जेएसपीएल) द्वारा विकसित रेल पटरी की नई श्रेणी को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने द्रुत गति तथा उच्चएक्सल लोड ऐप्लिकेशंस के लिए रेल पटरी की नई ग्रेड का विकास किया है। जेएसपीएल ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि वह सफलतापूर्वक 60ई1 1175 हीट ट्रीटेड (एचटी) रेल पटरी का विकास करने वाली पहली और एकमात्र भारतीय विनिर्माता है। यह रेल पटरी तेज गति और उच्चएक्सल लोड ऐप्लिकेशंस के लिए अनुकूल है। रेलवे बोर्ड के तहत काम करने वाले अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन ने जेएसपीएल द्वारा विकसित रेल पटरी की नई श्रेणी को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि भारतीय रेलवे अपनी ट्रैक प्रणाली को 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर उच्च एक्सल लोड के अनुकूल बना रही है। रेलवे को सालाना 18 लाख टन 60ई 1175 रेल की जरूरत होगी। जेएसपीएल के प्रबंध निदेशक वी आर शर्मा ने कहा, ''पहले देश में विशेष प्रकार की सभी रेल पटरी का आयात किया जाता था। हम रेलवे और मेट्रो रेल निगम की विशेष रेल की जरूरत को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे देश स्थानीय स्तर पर विभिन्न ऐप्लिकेशंस की रेल में आत्मनिर्भर बन सकेगा।'' शर्मा ने कहा कि इस रेल पटरी का इस्तेमाल प्रतिबद्ध ढुलाई गलियारे, बुलेट ट्रेन सहित उच्च एक्सल लोड ऐप्लिकेशन में किया जा सकेगा।

रेलवे कर्मचारियों ने बोनस के भुगतान में देरी होने पर किया विरोध प्रदर्शन

कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन, रेल मंत्रालय को दी चेतावनी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर रेलवे बोर्ड की तरफ से सख्त कार्रवाई की चेतावनी को धता बताते हुये रेलवे कर्मचारियों ने उत्पादकता से जुड़े बोनस के भुगतान में हो रही अनावश्यक देरी के खिलाफ ने मंगलवार को देश भर में विरोध प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय रेलवेमेंस फेडरेशन ने इसकी जानकारी दी। फेडरेशन ने कहा कि अगर बोनस तत्काल जारी नहीं किया गया तो वह विरोध को और तेज करने के लिए मजबूर होंगे और सीधा कार्रवाई करेंगे। फेडरेशन के महासचिव शिव गोपाल मिश्र ने

बयान जारी कर कहा कि फेडरेशन से मान्यता प्राप्त सभी यूनियनों ने उत्पादकता से जुड़े बोनस के भुगतान में हो रही अनावश्यक देरी के खिलाफ पूरे देश में विरोध प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड से कल सख्त कार्रवाई की चेतावनी दिये जाने के बावजूद आठ लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों ने पूरे देश में इन विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। मिश्र ने कहा कि यह बोनस 201920 के लिये दिया जाना है जब कोरोना वायरस नहीं था और रेलवे ने लाभ कमाया था। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि रेल मंत्रालय ने सभी रेल कर्मचारियों को बोनस का भुगतान करने के लिये वित्त मंत्रालय को अपनी सिफारिश अक्टूबर के पहले हफ्ते में ही भेज दी थी। पिछले चार दशक से दुर्गा पजा के एक सप्ताह पहले इम कर्मचारियों को बोनस भुगतान होता आया है। मिश्र ने कहा कि इस साल देरी क्यों हो रही है? एक तरफ प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री रेल कर्मचारियों के काम की सराहना कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ बोनस भुगतान को लेकर उनका रवैया अलग है।

दिल्लीवालों को मिलेंगे दो नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) दिल्ली में दो नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स द्वारका और शास्त्री पार्क में बनाएगा। आने वाले दिनों में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का काम शुरू होने की उम्मीद है। दोनों कॉम्प्लेक्स को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत बनाए जाएंगे। द्वारका में बनाए जाने वाले कॉम्प्लेक्स के लिए डीडीए की ओर से टेंडर आमंत्रित किए गए हैं, जबकि शास्त्री पार्क वाले कॉम्प्लेक्स को बीते सप्ताह डीडीए बोर्ड से मंजूरी मिली है, जिसके लिए जल्द टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे। डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 53 एकड़ में फैला यह परिसर दिल्ली में डीडीए द्वारा विकसित सबसे बड़ी खेल सुविधा होगी। यह पहली बार है, जब डीडीए एक निजी खेल सुविधा संचालित करने के लिए काम पर रख रहा है। उन्होंने बताया कि यह पहला ऐसा खेल परिसर होगा, जिसे खिलाड़ियों द्वारा चलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार खेल की बुनियादी सुविधाओं के साथ एक अत्याधुनिक सुविधा होगी। यह पहली बार है, जब हमने पीपीपी आधार पर सुविधा विकसित करने की योजना बनाई है। हमने पीपीपी मोड के तहत टेंडर आमंत्रित किया है, जिसके बाद हम 250 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए निविदाएं जारी करेंगे। डीडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, काम पूरा होने के बाद निजी डेवलपर को प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए दो साल का समय दिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने इस कदम का स्वागत किया। डीडीए ने पहले द्वारका सेक्टर8, 17 और 22 में तीन खेल सुविधाओं की योजना बनाई थी, जिसे अब एकीकृत करने का फैसला किया है और इस एकीकृत परिसर का प्रस्ताव दिया है, जिसमें एक फुटबॉल स्टेडियम, शूटिंग रेंज, स्विमिंग पूल, टेनिस और बास्केटबॉल कोर्ट आदि होंगे। वर्तमान में डीडीए के पास 15 खेल परिसर हैं सिरी फोर्ट, यमुना, राष्ट्रमंडल खेल आदि।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी
वेबवार्ता ®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

यमुना एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण की इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड लाने की योजना

नोएडा । यमुना एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण (यीडा) इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड लाने की तैयारी कर रहा है। प्राधिकरण की रेटिंग तय करने के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है। दो माह में रेटिंग मिल जाएगी। बॉन्ड से प्राधिकरण कोष का प्रबंध कर सकेगा और उसे बैंक से कर्ज लेने की जरूरत नहीं होगी। यीडा इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड लाने वाला देश का पहला ऐसा प्राधिकरण होगा। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण वीर सिंह ने बताया कि यमुना प्राधिकरण कई बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

इनमें नोएडा एयरपोर्ट, परी चैक से जेवर तक मेट्रो, फिल्मसिटी, टॉय सिटी, अपैरल पार्क, एमएसएमई क्लस्टर, हैंडीक्राफ्ट पार्क आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''इन परियोजनाओं पर काफी निवेश करने की जरूरत होगी। प्राधिकरण पर पहले ही 2,000 करोड़ रुपये का कर्ज है। बैंकों से और ऋण लेने के बजाय बॉन्ड के जरिये कोष का इंतजाम करना बेहतर विकल्प है।''

सिंह ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड से जुटाई गई राशि से यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। रेटिंग तय करने वाली एजेंसी के रूप में ब्रिक वर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया है।

फेसबुक ने निकाला वॉच प्लेटफॉर्म में वीडियो ढूंढ़ने का नया तरीका

नई दिल्ली। फेसबुक ने अपने वीडियो वाले प्लेटफॉर्म में कुछ बेहद ही रोमांचक फीचर्स पेश किए हैं। इस मंच पर प्रति महीने की दर से 125 करोड़ तक यूजर्स आते हैं और तमाम तरह के वीडियो का आनंद उठाते हैं। फेसबुक वॉच की खासियत है कि इसमें टीवी शोज, स्पोर्ट्स, न्यूज, म्यूजिक वीडियो, लाइव इवेंट्स जैसे कई वीडियो यूजर्स के मनोरंजन के लिए उपलब्ध रहते हैं। फेसबुक ने सोमवार को अपने एक बयान में कहा, अब अपने पसंदीदा पेज या प्रोफाइल को फॉलो करने के साथ ही साथ अब आप अपने पसंदीदा टॉपिक को भी फॉलो कर सकते हैं। टॉपिक्स की मदद से आप अपने फीड पर दिखाए जाने वाले वीडियो का निजीकरण कर सकते हैं यानि कि अब फीड में वही कंटेंट आएंगे, जिनकी आपको जरूरत होगी।

अमेरिका से इस फीचर की शुरुआत की जाएगी, जिसमें आप अपने पसंद के हिसाब से पेजों को ढूंढ़ भी पाएंगे, ताकि उन्हें आप फॉलो कर सकें। अमेरिका सहित कुछ चुनिंदा बाजारों में यूजर्स वॉच में व्हाट्स हैपेनिंग और फीचर्ड जैसे सेक्शन देख पाएंगे। कंपनी ने अपने बयान में आगे कहा, इस श्रेणी में वीडियो का चुनाव फेसबुक द्वारा किए जाएंगे इसलिए आप हाल के या यथार्थपूर्ण विषय सामग्रियों का आनंद ले सकेंगे जैसे कि टेलीविजन अकादमी एनुअल एम्मी अवॉर्ड्स या एमएलबी वर्ल्ड सीरीज हाइलाइट्स इत्यादि।

मनीष सिसोदिया अचानक पहुंचे श्रम कार्यालय, हड़कंप, पकड़ी खामियां

दिये निर्देश, ऐसी व्यवस्था बनाएं, जिससे किसी गरीब मजदूर को न पैसा देना पड़े, न धक्के खाने पड़े

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने निर्माण श्रमिकों का पंजीयन युद्धस्तर पर कराने का अभियान तेज कर दिया है। सिसोदिया ने आज सुबह पुष्प विहार स्थित जिला श्रम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मिली विभिन्न खामियों पर नाराजगी जताते हुए सिसोदिया ने कहा कि पिछले दिनों दिए गए कई निर्देशों का अनुपालन नहीं होना बेहद गंभीर बात है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार हमारे श्रमिकों के कल्याण में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी। सिसोदिया ने अधिकारियों से कहा कि पंजीयन की ऐसी व्यवस्था बनाएं, जिससे किसी गरीब मजदूर को न पैसा देना पड़े, न धक्के खाने पड़े।

सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में दस लाख निर्माण मजदूर होने का अनुमान है और इनमें से हरेक का पंजीयन करके सबको कल्याणकारी योजना का लाभ दिलाना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए बोर्ड के अधिकारियों के अलावा श्रम विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारियों की भी मदद ली जाएगी। औचक निरीक्षण के दौरान सिसोदिया ने कार्यालय में अनुपस्थित डिप्टी सेकेट्री के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को 24 घंटे में सभी मुद्दों को हल करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि सिसोदिया ने गत सप्ताह श्रम विभाग का कार्यभार संभालने के साथ ही अधिकारियों के साथ बैठक करके निर्माण श्रमिकों का पंजीयन एवं सत्यापन तत्काल पूरा करने का निर्देश

दिया था। आज पुष्प विहार स्थित दक्षिण जिला निर्माण बोर्ड श्रम कार्यालय के सरप्राइज इंस्पेक्शन के दौरान सिसोदिया ने इसमें विलंब के कारणों तथा कतारों में मौजूद श्रमिकों की परेशानियों को समझने का प्रयास किया। उनके साथ विभागीय सचिव एलिस वाज और निर्माण बोर्ड के सचिव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। सिसोदिया ने आज सुबह 10.45 बजे पुष्प विहार केंद्र पहुंचकर कतारों में खड़े मजदूरों से बात की और इस पूरे काम की प्रक्रिया की जाँच की।

मजदूरों ने बताया कि वे सुबह चार बजे ही आकर कतारों में लगे हैं। इनमें पंजीयन के लिए आवेदन, नवीनीकरण और दस्तावेजों के सत्यापन जैसे कार्यों के लिए आए मजदूर शामिल थे। सिसोदिया को यह भी जानकारी मिली कि मजदूरों को पंजीयन की प्रक्रिया की समुचित जानकारी नहीं होने के कारण दलालों और बिचैलियों का शिकार होना पड़ रहा है। विभिन्न गरीब बस्तियों में दलाल सक्रिय हैं जो पंजीयन और सत्यापन के नाम पर पैसे वसूल रहे हैं। सिसोदिया ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि पंजीयन की प्रक्रिया को आसान करते हुए इसकी पूरी जानकारी होर्डिंग्स पर दी जाए। उन्होंने कहा कि जो भी दलाल पकड़ा जाए, उसके खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराई जाए। सिसोदिया ने कहा कि बिचैलियों की कोई भूमिका पाए जाने पर अधिकारियों की जिम्मेवारी तय की जाएगी।

इस दौरान कई खामियां पाई गई जिन्हें तत्काल दुरूस्त करने का आदेश श्री सिसोदिया ने अधिकारियों को दिया। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य प्रकट किया कि कार्यालय खुलने के एक घंटे बाद तक एक भी आवेदन पर कार्रवाई नहीं हो पाई थी। सिसोदिया ने कहा कि निर्माण श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसमें जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। श्री सिसोदिया ने पंजीयन, सत्यापन और नवीकरण प्रक्रिया को तत्काल कारगर बनाने का आदेश दिया। कतार में मौजूद लोगों से बातचीत के दौरान सिसोदिया ने पाया कि श्रमिकों को 67 घंटों तक लाइन में खड़ा रहना पड़ता है और कई दिनों से लगातार आने के बादजूद उनका काम नहीं हो पाया है। दो दिनों से कार्यालय में डिप्टी सेक्रेट्री के मौजूद नहीं होने की जानकारी मिलने पर सिसोदिया ने बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। अन्य लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ भी नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

इस दौरान सिसोदिया ने पाया कि प्रक्रिया के बारे में स्पष्ट जानकारी के अभाव में मजदूरों को दलालों के चक्कर में पड़कर आर्थिक शोषण का शिकार होना पड़ता है। डिप्टी सीएम ने कार्यालय में ऐसे होर्डिंग्स लगाने का निर्देश दिया है ताकि सभी जानकारी आसानी से मिल जाए ।

कालेश्वरम सिंचाई परियोजना को कानून का उल्लंघन कर पर्यावरण मंजूरी दी गयी: एनजीटी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने मंगलवार को कहा कि तेलंगाना में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को कानूनी आवश्यकताओं का उल्लंघन करते हुए 'पूर्वव्यापी' प्रभाव से पर्यावरण मंजूरी दी गयी। एनजीटी ने इससे हुए नुकसान का आकलन करने और स्थिति बहाल करने के लिए जरूरी कदमों का पता लगाने के लिहाज से एक समिति का गठन किया है। हरित अधिकरण ने पर्यावरण और वन मंत्रालय को सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन करने और अपनाये जाने वाले राहत और पुनर्वास उपाय सुझाने को कहा। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि परियोजना प्रस्तावक का यह कहना 'पूरी तरह अस्वीकार्य' है कि पर्यावरण मंजूरी दिये जाने से पहले क्रियान्वित परियोजना का सिंचाई से कोई लेनादेना नहीं है। पीठ ने कहा, ''हम परियोजना प्रस्तावक के इस रुख को स्वीकार नहीं कर सकते कि प्राथमिक रूप से परियोजना जल आपूर्ति और

जल प्रबंधन के लिए है और सिंचाई इस परियोजना का पूरक या आकस्मिक भाग है इसलिए 2008 से 2017 तक परियोजना के क्रियान्वयन से पहले पर्यावरण मंजूरी जरूरी नहीं थी।'' अधिकरण ने कहा, ''हम इस बात से भी सहमत नहीं हैं कि राज्य सरकार ने परियोजना में मंजूरी मिलने तक सिंचाई के पहलू को नहीं रखा था और केवल पेयजल आपूर्ति से संबंधित पक्षों को ही रखा था।'' अधिकरण ने कहा कि लिफ्ट सिंचाई परियोजना को कानूनी आवश्यकताओं का उल्लंघन करते हुए 'पूर्वव्यापी' प्रभाव से पर्यावरण मंजूरी दी गयी। तेलंगाना निवासी मोहम्मद हयातुद्दीन की याचिका पर एनजीटी का फैसला आया जिन्होंने आरोप लगाया था कि बिना पर्यावरण और अन्य वैधानिक मंजूरियों के योजना का निर्माण शुरू किया गया। वकीलों संजय उपाध्याय और सालिक शफीक के माध्यम से दाखिल याचिका में वन्य क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई, विस्फोट करने तथा सुरंगों की खुदाई जैसी वन्य संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करने वाली गतिविधियों पर प्रतिबंध की मांग की गयी थी।

यमुनापार को दिवाली से पहले दो फ्लाई ओवर मिलेगें गिफ्ट

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा आम जनमानस की सुविधा के लिए नव निर्मित शास्त्री पार्क पर 6 लेन एवं सीलमपुर पर 2 लेन के फ्लाईओवरों का लोकार्पण 24 अक्टूबर (शनिवार) मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल करेगें। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मुख्य अतिथि होंगे और कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक निर्माण विभाग मंत्री सत्येन्द्र जैन करेंगे। फ्लाईओवरों के लोकार्पण के लिए न्यू शास्त्री पार्क फ्लाईओवर, जी.टी. रोड को कार्यक्रम स्थल निर्धारित किया गया है। इन दोनों ही फ्लाईओवरों के नवनिर्माण के लिए सीलमपुर के पूर्व विधायक मौहम्मद इशराक खान ने अपने कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री से शास्त्री पार्क पर नया फ्लाईओवर बनवाने के साथ ही सीलमपुर के फ्लाईओवर को भी दूसरी तरफ से बनवाने का आग्रह किया था तो मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उन्हें आश्वासन दिया था कि दोनों ही फ्लाईओवरों को बनवाया जाएगा।

दिल्ली दंगा: ताहिर हुसैन के खिलाफ 3 मामलों में पुलिस दाखिल करेगी पूरक चार्जशीट

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली दंगों के आरोप में जेल में बंद ताहिर हुसैन की तीन जमानत अर्जियों पर सुनवाई टाल दी है। आज दिल्ली पुलिस की ओर से वकील मनोज चैधरी ने कहा कि पुलिस इन मामलों में पूरक चार्जशीट दाखिल करना चाहती है। इसके बाद एडिशनल सेशंस जज विनोद यादव ने कल यानी 21 अक्टूबर को सुनवाई करने का आदेश दिया। तीनों जमानत अर्जियों पर ताहिर हुसैन की ओर से वकील केके मनन और उदित बाली ने दलीलें पूरी कर ली हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से वकील मनोज चैधरी की दलीलें अभी पूरी नहीं हुई हैं। पहले की सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने बताया था कि वकील मनोज चैधरी चांदबाग पुलिया के पास हुई हिंसा के सभी मामलों की पैरवी करेंगे। ताहिर हुसैन पर दिल्ली दंगों को लेकर कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। कोर्ट ने जिन एफआईआर के मामलों पर जमानत याचिका पर

सुनवाई करनी हो वो तीनों मामले दयालपुर थाने के हैं। एक मामला दयालपुर थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 120 का है। इसमें एफआईआर में ताहिर हुसैन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 427, 436 और 120बी के तहत आरोप दर्ज किए गए हैं। दूसरी मामला दयालपुर थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 117 का है। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 427, 436 और 120बी के तहत आरोप दर्ज हैं। तीसरा मामला भी दयालपुर थाने का ही है। तीसरी एफआईआर का नंबर 80 का है, जिसके तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 427, 436 और 120बी के अलावा प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रोपर्टी एक्ट की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज है।

21 अगस्त को कड़कड़डूमा कोर्ट ने ताहिर हुसैन के खिलाफ एक एफआईआर में दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। चार्जशीट में ताहिर हुसैन समेत 15 लोगों को आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट में ताहिर हुसैन को मास्टरमाइंड बताया गया है।

जावडेकर ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस को लेकर अनंतपुर प्रशासन के पहल की प्रशंसा की

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (वेबवार्ता)। सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिला प्रशासन के पहल की प्रशंसा की जिसके अंतर्गत जिले के सभी सरकारी दफ्तरों में एक दिन के लिए एक बालिका को विभाग प्रमुख के तौर पर काम करने का मौका मिला। जावडेकर ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर अनंतपुर जिला प्रशासन ने बहुत अच्छी पहल की। उन्होंने कहा कि 'एक कृषि मजदूर की सोलह साल की बहादुर बेटी एम. वनी ने 11 अक्टूबर को एक दिन के लिए अनंतपुर जिला कलेक्टर का दायित्व संभाला। जिला प्रशासन ने एक बालिका को एक दिन के लिए हर सरकारी दफ्तर में विभाग प्रमुख का दायित्व देने का निर्णय लिया है। 'अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस' के मौके पर 'बालिका भविष्य है' नाम के कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन ने 11 अक्टूबर को वनी नाम की बालिका को एक दिन के लिए जिला

कलेक्टर की कुर्सी पर काम करने का मौका दिया था। इसके लिए वनी का चयन लॉटरी के जरिए हुआ था। कलेक्टर गंधम चंद्रुदू ने 10 अक्टूबर को घोषणा की थी कि जिले के हर सरकारी दफ्तर में एक दिन के लिए एक बालिका को विभाग प्रमुख बनाया जाएगा।

कोरोना के सह-संक्रमण पर नजर रखें अस्पताल: स्वास्थ्य विभाग

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों और जिला अधिकारयों को पत्र लिखकर कहा है कि वे मौसमी बीमारियों के साथ कोरोना वायरस के सहसंक्रमण को लेकर सतर्क रहें तथा इस बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रबंधन को लेकर कदम उठाएं। सर्दियों की शुरुआत के साथ डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया और मौसमी इन्फ्लुएंजा तथा अन्य रोगों के मामलों में वृद्धि होने की आशंका है। कुछ मामले ऐसे आए हैं जिनमें कोविड19 रोगी डेंगू से भी पीड़ित पाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत काम करनेवाले स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने महामारी का रूप ले सकने वाली मौसमी बीमारियों के साथ कोरोना वायरस के सहसंक्रमण के प्रबंधन के लिए हाल में दिशानिर्देश

जारी किए थे। दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों और जिला अधिकारियों को सोमवार को भेजे गए पत्र में लिखा है, ''दस्तावेज डेंगू, मलेरिया, मौसमी इन्फ्लुएंजा, लेप्टोस्पायरोसिस, चिकुनगुनिया, स्क्रब टाइफस जैसे रोगों और जीवाणु सहसंक्रमण इत्यादि के साथ कोविड19 के सहसंक्रमण की रोकथाम और उपचार के बारे में स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराता है।''

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 13 अक्टूबर को दिशानिर्देश जारी किए थे। मौसमी बीमारियां न सिर्फ रोग निदान में असमंजस की स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं, बल्कि ये कोविड19 के साथ भी मौजूद रह सकती हैं। मंत्रालय ने कहा था कि यह स्थिति कोविड19 निदान संबंधी चुनौतियां उत्पन्न करती है और इससे चिकित्सकीय प्रबंधन तथा रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति संबंधी बाधा उत्पन्न होती है। कई अस्पतालों के डॉक्टरों ने भी कहा कि सहसंक्रमण या दोहरा संक्रमण रोगियों को भ्रमित कर सकता है।

ईडी ने इकबाल मिर्ची के परिवार की 22.42 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (वेबवार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि धनशोधन के मामले में माफिया इकबाल मिर्ची के परिवार के एक सिनेमा हॉल और एक होटल समेत 22 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गयी है ।

मिर्ची की मौत हो चुकी है । धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत संपत्ति जब्त करने का एक अंतरिम आदेश जारी किया गया है। ईडी ने एक बयान में कहा, ''जब्त की गयी संपत्ति में मुंबई में एक होटल, एक सिनेमा हॉल, एक निर्माणाधीन होटल, एक फार्म हाउस, दो बंगले और पंचगनी में 3.5 एकड़ जमीन शामिल है। '' बयान में कहा गया कि जब्त की गयी संपत्ति का कुल मूल्य 22.42 करोड़ रुपये है और इसमें सात बैंक खातों में जमा रकम भी शामिल हैं । धनशोधन के इस मामले में माफिया और उसके परिवार के खिलाफ कुल 798 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गयी है । एजेंसी ने पूर्व में जब्ती आदेश जारी किया था। इसमें विदेश में स्थित 203 करोड़ रुपये की संपत्ति भी शामिल है। मिर्ची की 2013 में लंदन में मौत हो गयी थी। माफिया सरगना दाऊद इब्राहिम के सहयोगी मिर्ची पर मादक पदार्थ की तस्करी और उगाही से रकम हासिल करने के आरोप लगाए गए थे । ईडी ने पूर्व में कहा था, ''वह (मिर्ची) मादक पदार्थ का अंतरराष्ट्रीय तस्कर था, जिसने दुनियाभर में अपार चल अचल संपत्ति अर्जित की ।'' एजेंसी ने आरोप लगाया था कि मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में मिर्ची ने अप्रत्यक्ष तरीके से कई संपत्तियां अर्जित की थीं।

देश को 'आत्म निर्भर' बनाने के लिए बढ़ाना होगा विनिर्माण: मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (वेबवार्ता)। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख और देश के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने सोमवार को कहा कि देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने के लिए विनिर्माण पर जोर देना होगा। उदारवाद से पहले के दौर का जिक्र करते हुए अंबानी ने कहा, ''एक समय ऐसा भी था जब देश की सरकार ने रिलायंस पर उसकी लाइसेंस क्षमता से ज्यादा उत्पादन करने के लिए जुर्माना लगाया था। लेकिन 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद से भारत विनिर्माण बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दे रहा है।÷उन्होंने कहा, ''आज हम जो कुछ भी करते हैं वह सब अधिक से अधिक उत्पादन करने से जुडा है। यह दिखाता है कि हमारी सोच में कितना अंतर आया है।÷ अंबानी ने कहा, ''जिस तरह से हमारे पास प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्टार्टअप हैं। मेरा मानना है कि अब भारत लघु और मध्यम उद्योगों को समर्थन देने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब हमें इस क्षेत्र में असली स्टार्टअप की जरूरत है।

''अभी तक हमने जितना ज्यादा 'क्लिक' (प्रौद्योगिकी या ऑनलाइन स्टार्टअप) के बारे में सोचा है अब उतना ही हमें 'ब्रिक' (विनिर्माण कारखाना स्टार्टअप) के बारे में दिमाग लगाने की जरूरत है।÷ वह एन. के. सिंह की किताब 'पोट्रेट्स ऑफ पावर' के विमोचन पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता धीरूभाई अंबानी ने बहुत पहले एक सवाल पूछा था कि क्या कभी भारतीय एकदूसरे से पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर बात कर पाएंगे? जियो उनके इसी प्रश्न का उत्तर है। अंबानी ने कहा, ''मेरे पिता एक विद्यालय के मास्टर के बेटे थे जो 1960 में 1,000 रुपये के साथ 'भारतीय स्वप्न' लेकर मुंबई आए। साथ लाए एक भरोसा कि यदि आप भविष्य के किसी कारोबार और प्रतिभा में निवेश करते हैं तो हम खुद का 'भारतीय स्वप्न' बना सकते हैं। इसी भरोसे के साथ हमने दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में एक को बनाया है।÷ रिलायंस इंडस्ट्रीज ऊर्जा, कपड़ा, दूरसंचार और खुदरा उद्योग में काम करती है। धीरूभाई की स्थापित रिलायंस इंडस्ट्रीज कंपनी आज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी है। मुकेश अंबानी ने कहा, '' 90 के दशक के सुधार होने तक हमें हर 10,000 20,000 या 30,000 टन पॉलिएस्टर उत्पादन क्षमता के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

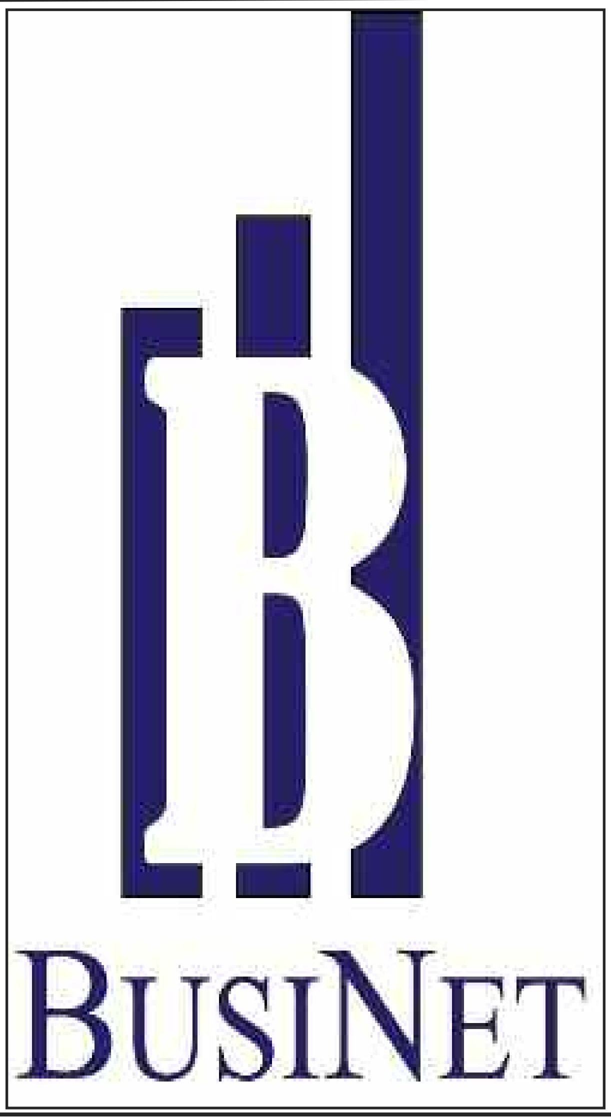

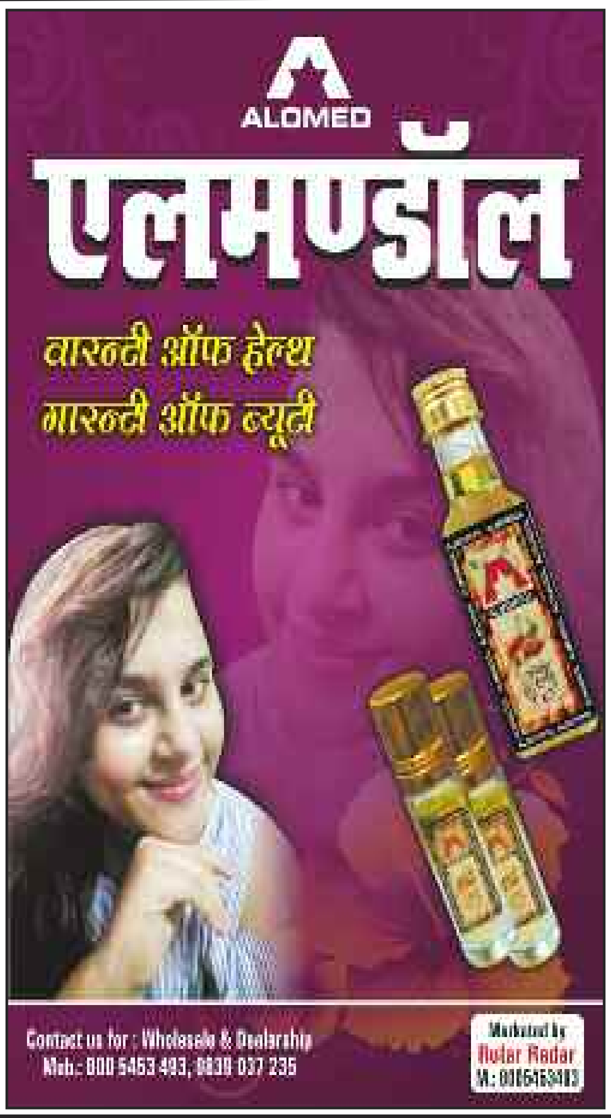

संपादकीय

कोरोना संक्रमण की मार-वैक्सीन में देर है पर अंधेर नहीं

देश में कोरोना का कहर जारी है। भारत में कोरोना वाययस से 75 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं वहीं, 1 लाख 15 हजार से ज्यादा लोगों की अब तक जान जा चुकी है। दुनिया भर में कोरोना वायरस की प्रमाणिक वैक्सीन के लिए अभी भी शोध जारी है। हालांकिवैज्ञानिकों की नेशनल सुपर मॉडल समिति ने दावा किया है कि देश में कोरोना का पीक सितम्बर में ही आ चुका था और फरवरी 2021 में कोरोना का वायरस फ्लैट हो जाएगा। इस समिति में आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी कानपुर समेत कई नामी इंस्टीट्यूट्स के विशेषज्ञ शामिल हैं।इस समय रोजाना सामने आ रहे केसों की संख्या में भी कमी देखी जा रही है। भारत में हर सौ में से 88 मरीज ठीक हो रहे हैं यानी रिकवरी रेट 88.82 फीसदी तक जा पहुंचा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने यह भी स्वीकार किया है कि देश के कुछ राज्यों में कोरोना वायरस कम्युनिटी ट्रांसमीशन के फेज में पहुंच चुका है।एक समाचार के अनुसार डॉ. हर्षवर्धन ने यह भी कहा है कि देश के वैज्ञानिक कोरोना की वैक्सीन बनाने में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं और उम्मीद है कि दो माह में ट्रायल पूरा हो जाएगा। वैक्सीन इसी साल लोगों को मिल जाएगी। क्लीनिकल ट्रायल अंतिम चरण में है और तीन व्यक्ति क्लीनिकल टेस्ट के तीसरे चरण में भी पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना वैक्सीन बनाने के लिए करीब 150 से ज्यादा लोगों पर अलगअलग फेज में ट्रायल चल रहा है। 26 लोगों पर क्लीनिकल ट्रायल शुरू हो चुका है। इसमें से भी तीन लोग क्लीनिकल ट्रायल के थर्ड फेस में पहुंच गए हैं। भारत इन ट्रायल में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है और उम्मीद है कि अगले दो माह में ट्रायल पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी साल भारत वैक्सीन देश के लोगों को उपलब्ध करा देगा।

दूसरी ओर कुछ वैज्ञानिको ने चेतावनी दी है कि ठंड के कारण कोरोना की दूसरी लहर आ सकती है। इसलिए अब बहुत ज्यादा सावधानी की जरूरत है। तमाम दावों और चेतावनियों के बीच यह बहुत अच्छी बात है कि भारत ने कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता के बाद लोगों तक इसे जल्द से जल्द पहुंचाने की व्यवस्था तैयार कर ली है। इसके लिए युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है।पूरा विश्व कोरोना के लिए वैक्सीन की प्रतीक्षा कर रहा है। इस समय सबसे पहली जरूरत वैक्सीन की सुलभता है। भारत जैसे विशाल देश में किसी भी वस्तु की सुलभता आसान नहीं है लेकिन यह भारत की विशेषता है कि हर संकट की घड़ी में वह तैयार हो जाता है।युद्ध हो या प्राकृतिक आपदा, भारत के लोग हमेशा सेवा और समर्थन की भावना के साथ एकजुट रहे। कोई भी सरकारी व्यवस्था जन सहयोग के बिना साकार रूप नहीं ले सकती। अब जबकि कोरोना वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल चल रहे हैं। भारत ने भी रूसी वैक्सीन स्पूतनिकफाइव के तीसरे चरण के ट्रायल की मंजूरी दे दी है।उम्मीद है कि कम से कम एक टीका तो नवम्बर या दिसम्बर की शुरुआत में आ सकता है। वैक्सीन को पहले कोरोना वारियर्स तक पहुंचाया जाएगा, फिर चरणबद्ध ढंग से इसकी सप्लाई शुरू की जाएगी। दरअसल भारत की आबादी 130 करोड़ से भी ज्यादा है। भौगोलिक परिस्थितियों और विविधताओं की जटिलताओं को देखते हुए वैक्सीन पहुंचाने के लिए बड़े लाजिस्टिक सिस्टम की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में अधिकारियों के साथ वैक्सीन की डिलीवरी को सुनिश्चित बनाने के लिएं वचारविमर्श किया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि वैक्सीन वितरण प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिसमें सरकारी और नागरिक समूहों की प्रत्येक स्तर की भागीदारी हो। उन्होंने तो यह भी कहा कि हमें वैक्सीन को सिर्फ पड़ोसी देशों तक सीमित नहीं रखना है बल्कि पूरी दुनिया में पहुंचाना है।दवाइयां और टीका वितरण के वास्ते आई.टी. प्लेटफार्मों का विस्तार करना होगा।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख्मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

कश्मीर में खुराफात करने वालों बाज आओ

जम्मूकश्मीर के नज़रबंद नेताओं ने रिहा होते ही फिर से अपनी पुरानी खुराफात चालू कर दी है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूख अब्दुल्ला, महबूबा मुफ़्ती, उमर अब्दुल्ला और जम्मूकश्मीर पीपुल्स कॉन्फ़्रेंस, माकपा तथा जम्मूकश्मीर अवामी नेशनल कॉन्फ़्रेंस के नेताओं ने हाल ही में यह मांग कर दी कि भारत सरकार राज्य के लोगों को वो सारे अधिकार फिर से वापस लौटाए जो पाँच अगस्त 2019 से पहले उनको हासिल थे। मतलब यह कि वे यह चाहते हैं कि संविधान के अनुच्छेद 370 की पुनः बहाली हो जो संसद के दोनों सदनों ने रद्द कर दिया है, ताकि ये मौज कर सकें। ये तो भारत के कट्टर शत्रु चीन और पाकिस्तान की ही भाषा तो बोल रहे हैं। ये दोनों देश भी तो यही चाहते हैं कि भारत जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे की पुनः बहाली करे। इन नेताओं की बैठक में एक प्रस्ताव भी पारित किया गया जिसे गुपकार घोषणापत्र नाम दिया गया था। हालांकि इन नेताओं की मांग अब ख्वाबों में भी पूरी तो नहीं होती दिख रही । जम्मूकश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के हक में संसद और सरकार के साथ सारा देश ही खड़ा था। आखिर पता तो चले कि अनुच्छेद 370 में क्या बात है जिसकी मांग कश्मीरी नेता कर रहे हैं? क्या यह सच नहीं है कि अनुच्छेद 370 कश्मीर और भारत को एक दूसरे से पूरी तरह नहीं जोड़ती था? गृह मंत्री अमित शाह ने सही कहा था कि अनुच्छेद 370 ने भारत और दुनिया के मन में यह गलत और भ्रामक शंका पैदा कर दी थी कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है या नहीं? अब यह सारा देश जानता है कि बिना अपनी कैबिनेट को विश्वास में लिए आकाशवाणी के माध्यम से कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने की विवादास्पद घोषणा पंडित जवाहर लाल नेहरू ने की थी।

किधर हैं हुर्रियत कांफ्रेंस के नेता

जरा देखिए तो सही कि पाकिस्तान से चंदा मांगने वाले अब यह मांग कर रहे कि कश्मीर में पुरानी व्यवस्था फिर से बहाल हो। अब किधर हैं हुर्रियत कांफ्रेंस के नेता ? वे तो दिनरात पाकिस्तान का ही गुणगान किया करते थे। सारा देश अब यह भलीभांति जानता है कि अनुच्छेद 370 के कारण ही कश्मीर में अलगाववाद बढ़ा था। क्या कभी अब्दुल्ला या महबूबा मुफ्ती ने राज्य के अल्पसंख्यकों के हक भी आजतक में बोला? क्या वहां हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख नहीं रहते?

अनुच्छेद 370 से राज्य के अल्पसंख्यकों के साथ घोर अन्याय हो रहा था। राज्य में 1989 से लेकर 2019 तक हजारों लोग बिना वजह मारे गए। क्या अब जब वहां पर हालात सामान्य हो चुके हैं तो फिर देश उसी पुराने रास्ते पर चले जिस पर वह पिछले 70 सालों से गलत ढंग से चल रहा था? क्यों कश्मीर के नेता या उनके लिए आंखें नम करने वाले उनके हिमायती यह नहीं बताते कि अनुच्छेद 370 किस तरह कश्मीर का कल्याण कर रहा था? बेशक यह विकास, महिला और गरीब विरोधी और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला था और वहां के मुठ्ठी भर परिवारों को भ्रष्टाचार की खुली छूट दे रखी थी जो पूरी तरह बंद हो जाने से वहां के इन भ्रष्ट नेताओं में बेचैनी फैली हुई है ।

जिस अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग हो रही है, उसकी वजह से राज्य में बाल विवाह कानून लागू नहीं कर सकते थे ? क्या कश्मीरी नेता फिर से यही चाहते है? इसी के चलते वहां पर कभी अल्पसंख्यक आयोग भी नहीं बना। वहां हिन्दू, जैन, सिख और बौद्ध अल्पसंख्यकों के रूप रहते हैं। हालांकि शिक्षा का अधिकार देश की संसद ने सबको दिया पर जम्मू कश्मीर के बच्चों को यह अधिकार नहीं था, क्योंकि वहां अनुच्छेद 370 लागू था। कश्मीर में अब खारिज कर दिए गए ये नेता यह क्यों नहीं बताते कि राज्य में आरटीआई एक्ट लागू क्यों नहीं हो पाया? इसी धारा 370 के कारण न ? ऐसे अनेकों उदहारण हैं जिससे कश्मीर में घोर असमानता, अन्याय, अत्याचार और खुले भ्रष्टाचार को छूट मिली हुई थी

शांति की बहाली हो गई

बहरहाल, कश्मीरी नेताओं की बैठक में कांग्रेस का कोई नुमाइंदा नहीं था। यह अच्छी बात कही जा सकती है। तो क्या माना जाए कि कांग्रेस ने भी अब महसूस करना चालू कर दिया है कि उसका अबतक राज्य में धारा 370 को समर्थन करना गलत था? हालांकि कांग्रेस के नेता तो यह भविष्यवाणी कर रहे थे कि इसके निरस्त करने के बाद खून खराबे की स्थिति बन जाएगी। जबकि इसके हटने के बाद वहां अभूतपूर्व शांति की बहाली हो गई। कोरोना काल से पहले वहां पर स्कूल भी खुल गए थे। उनमें परीक्षाएं हो रही थीं। श्रीनगर में अस्पताल भी खुल गए थे। दरअसल अब कश्मीरी नेताओं को जमीनी हकीकत समझने और व्यवहारिक होने की जरूरत है। उन्हें जमीनी हकीकत तो अब समझ आ ही जानी चाहिए। अब उनकी बकवास कोई सुनने वाला नहीं है। वे चाहें तो कर के देख लें आंदोलन। उन्हें समझ आ जाएगा कि वे राज्य की जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुके हैं। उनसे अब सारा देश सवाल पूछ रहा है कि वे चीन और पाकिस्तान की भाषा क्यों बोल रहे हैं? चीन कह रहा है कि जम्मू कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा खत्म करना अवैध और अमान्य है। वह भारत के आंतरिक मामले में दखल देकर अपनी औकात के बाहर चला गया चीन ने पिछले साल भारत सरकार की तरफ से धारा 370 को हटाने के कदम को अस्वीकार्य करार दिया था। उधर, कश्मीर पर भारत सरकार के कदमों से पाकिस्तान की नींद तो उड़ी ही हुई है। भारत द्वारा लिए गए फैसले के बाद पाकिस्तान में जबर्दस्त खलबली मच गई। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने संसद का संयुक्त सत्र बुलाया।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद ।
www.womenexpress.in

बदजुबानी में कांग्रेस के मुकाबले में भाजपा नेता हैं महागुरू

मध्यप्रदेश में 28 सीटों पर होने वाले विधानसभा के उपचुनाव में नाम वापसी के बाद कुल 355 उम्मीदवार चुनावी मैदान में भाग्य अजमा रहे है। मतदात 03 नवम्बर को होना है, इस बात को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक दलों ने अपना चुनाव प्रचार अभियान तेज कर दिया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उपचुनाव प्रथम दृष्टि में जबरन में भाजपा द्वारा कांग्रेस नेताओं के साथ षडयंत्र करके गिराई गई कांग्रेस सरकार के बाद हो रहे है। इस चुनाव के जनक पूर्व सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया है जिन्होंने उनके समर्थक कहे जाने वाले 22 कांग्रेसी विधायकों को त्यागपत्र दिलाकर भाजपा की सदस्यता दिलाई जबकि 3 विधायकों को भाजपा ने अपने हुनरबाजी से तोड़ा।

इस उपचुनाव में प्रारंभ से ही देखा गया है कि अलगअलग तर्क देकर भले ही विधायकों ने कांग्रेस छोड दिया हो परन्तु इन पूर्व विधायकों को इनके विधानसभा क्षेत्र में वह रिस्पांस नहीं मिल रहा है जिसकी अपेक्षा ये करते है। इसी तरह के अनेक ऐसे कारण है जिसके चलते यह पूरा चुनाव को बदजुबानी में उलझाकर भाजपा अपने जीत का मार्ग तलाश रही है। यह सही है कि कांग्रेस की तरफ से भी कुछ नेताओं द्वारा दिशा से हटकर ऐसी बयानबाजी की गई जिसे हम बदजुबानी की श्रेणी में रख सकते है किंतु भाजपा में बदजुबानी और अपने सामने वाले पार्टी के नेताओं के खिलाफ जितनी गंदी और घटिया भाषा का प्रयोग किया जाता है उतनी कांग्रेस की तरफ नहीं की जाती। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जो हमेशा शिवराज सिंह चैहान से अपनी मित्रता की बात करते रहे आज वही शिवराज खुलकर मित्रता को शूली पर चढ़ाकर सार्वजनिक मंच से कह रहे है कि कमलनाथ मैं तो यही का रहने वाला हूं, मेरा नारा यही गढ़ा है तुम बताओं तुम्हारा नरा कहां गढ़ा है। शिवराज का यह बयान उस समय आया जब कांग्रेस नेता दिनेश गुर्जर ने एक विषय के संबंध में कहा कि कमलनाथ प्रारंभ से ही आर्थिक सम्पन्न नहीं है वह भूखे नंगे परिवार से नहीं है। इसके बाद तो बदजुबानी की एक तरह से झड़ी लग गई है। डबरा की एक आमसभा में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा सभा के अंतिम क्षण में जनता द्वारा उस क्षेत्र के पूर्व विधायक को लेकर जब नारेबाजी की जा रही थी और कुछ बोला जा रहा था तब उनकी जबान से यह शब्द निकले कि वो ऐसी है, आपने मुझे पहले नहीं बताया कि यह इसतरह का आइटम है। इस पूरे भाषण

में कमलनाथ ने व्यक्तिगत रूप से इमरती देवी का कहीं नाम नहीं लिया परन्तु भाषण खत्म करने के एक अंतिम क्षण में आइटम शब्द उनकी जबान से निकलन जुल्म हो गया । भाजपा जो अक्सर इसी प्रकार के हल्के शब्दों पर शोर मचाकर जनता को गुमराह करने में मास्टरी रखती है उसने तुरंत दूसरे दिन प्रदेश स्तर पर कमलनाथ की बात का विरोध करते हुए मौन धरना प्रदर्शन कर दिया ओर उनके लग्गू भग्गू मीडिया भी पानी पीकर कमलनाथ को कोसने लगे। जबकि वास्तविकता यह है कि बदजुबानी में जितने आगे भाजपा के नेता है उतने कांग्रेस के नहीं। इसका यह मतलब नहीं है कि कांग्रेस के नेता दूध के धुले है, सज्जन सिंह वर्मा, जीतू पटवारी, अरूण यादव ऐसे कुछ नेता है जो जमकर अपने विपक्षी पर दिशा से भटकर आरोपों की बौछार करते है। आइटम शब्द पर कमलनाथ के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने वाले भाजपा नेताओं के प्रदर्शन पर अभी 10 घंटे भी नहीं हो पाये थे कि अनूपपुर से भाजपा के उम्मीदवार बिसाहुलाल साहू ने कांग्रेस उम्मीदवार विश्वनाथ सिंह की पत्नी को उनकी रखैल शब्द की संज्ञा देते हुए कहा कि वह आगे और भी अपना रंग दिखायेगें। भाजपा नेता के इस बयान पर कांग्रेस जब हमलावार हुई तो माहौल बिगडता देख बिसाउलाल की जगह गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा से माफी मांगी। इस पूरे अभियान से एक बात साफ है कि भाजपा का आत्मविश्वास इस चुनाव को लेकर कहीं न कहीं लड़खड़ाया हुआ हैं। हालांकि आइटम शब्द का उपयोग पर कमलनाथ ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उनके दृष्टि में महिला वर्ग का प्रारंभ से ही सम्मान रहा है और किसी को अनावश्यक रूप से शब्दों के माध्यम से क्षति पहुंचाने की उनकी कोई मंशा नहीं है। किंतु भाजपा को लगता है कि आइटम शब्द के माध्यम से वह उपचुनाव में अपनी जीत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है इसलिये वह दुनिया भर की नेतिकता की बात कर रही है जबकि वास्तविकता यह है कि अगर भाजपा महिलाओं के प्रति इतना ही आदर भाव रखती तो वह हाथरस मामला जहां पर एक दलित युवती का रेप के बाद पुलिस ने आधीरात में उसके शव का जला दिया। कैलास सेंगर द्वारा बलात्कार पीड़ित युवती के परिवार पर जान लेवा हमला पूर्व भाजपा सांसद चिन्मयानंद द्वारा युवती के साथ किया गया रेप का मामला ऐसे घटनाक्रम है जिस पर भाजपा नेताओं की बोलती बंद हो जाती है। ये सारे मामले न्यायालय में है महिला आयोग जो कमलनाथ के शब्द पर उन्हें नैतिकता का पाठ पढ़ा रही है उसकी जबान भी हाथरस मामले में बंद हो गई थी। कहने का आशय यही है कि आइटम शब्द जिस परिपेक्ष्य में कमलनाथ की जबान से निकल गया वह अगर गलत है तो भाजपा है तो भाजपा नेताओं द्वारा महिलाओं को लेकर की जाने वाली टिप्पणी कहां सही हो सकती है। खंडवा से सांसद एवं पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार पटेल का वीडियो जग जाहिर है जिसमें वह कहते पाये जा रहे है कि यूपी में ऐसी महिलायें है जो हर सप्ताह बच्चे देती है और साल भर में 52 बच्चे देती है।

रहीम खान
भरवेली (बालाघाट)।
www.womenexpress.in

सृजन, पालन और संहार करने वाली परमशक्ति हैं स्कंदमाता

स्कंदमाता हमें बताती हैं कि मानव जीवन अच्छाईबुराई के बीच एक संग्राम है और हम स्वयं अपने सेनापति हैं। इस संग्राम में हमें सैन्य सञ्चालन की शक्ति मिलती रहे इसलिये माँ की पूजा करनी चाहिये।

शारदीय नवरात्रि चल रही है जिसमें हर दिन मां दुर्गा के अलग स्वरूप की पूरे विधिविधान से पूजा अर्चना की जाती है। मां के हर स्वरूप का अपना अलग ही महत्व होता है। इसी के अंतर्गत नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा की जाती है। भागवत के अनुसार देवी ही ब्रह्मा ,विष्णु एवं महेश के रूप में सृष्टि का सृजन ,पालन और संहार करती हैं। अर्थात यही सृजन, पालन और संहार करने वाली आद्या परमशक्ति हैं। ये ही पराशक्ति नवदुर्गा, दस महाविद्या हैं। नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा की जाती है। स्कंदमाता को वात्सल्य की मूर्ति कहा जाता है। मां

स्कंदमाता अत्यंत दयालु है। माता के इस रूप में उन्होंने अपने पुत्र को अपनी गोद में बैठा रखा है। इस दिन मां स्कन्दमाता को जौ बाजरे का भोग लगाया जाता है। अगर किसी व्यक्ति को शारीरिक कष्टों का निवारण चाहिए तो इस दिन माता को केले का भोग लगाएं। पौराणिक मान्यता है कि इनकी पूजा करने से संतान योग की प्राप्ति होती है। स्कंदमाता को सृष्टि की पहली प्रसूता स्त्री माना जाता है। भगवान स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता होने के कारण इन्हें स्कंदमाता के नाम से जाना जाता है। उसके अलावा ये शक्ति की भी दाता हैं। स्कंदमाता शेर पर सवार रहती हैं। उनकी चार भुजाएं हैं। ये दाई तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है।

हिन्दू मान्यताओं में स्कंदमाता सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी हैं। बताते हैं कि जो भक्त सच्चे मन और पूरे विधिविधान से स्कंदमाता की पूजा करता है उसे ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में स्कंदमाता की पूजा का काफी महत्व बताया गया है। माना जाता है कि इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। मन को एकाग्र और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
मालवीय नगर, जयपुर ।
www.womenexpress.in

दलित सियासत में हर दांव आजमाती योगी सरकार

उत्तर प्रदेश की सियासत में इस समय दलितों को लेकर जबर्रदस्त गोलबंदी चल रही है। सभी दलों के नेता, दलितों को अपने पाले में खींचने के लिए एड़ीचोटी का जोड़ लगाए हुए हैं। खासकर कांग्रेस और यूपी में पैर पसारने की कोशिश में लगी 'आम आदमी पार्टी' दलितों को लेकर कुछ ज्यादा ही एक्टिव हैं। विपक्ष ऐसे सभी मुद्दों को हवा देने में लगा रहता है जिससे दलित वोटरों को प्रभावित किया जा सकता हो।

विपक्ष चाहता है कि पिछले तीन चुनावों से भाजपा के साथ खड़े दलित वोटरों को 'सामदामदंडभेद' किसी भी तरह से भाजपा के आभामंडल से बाहर निकाल कर लाया जाए। विपक्षी सियासत से सतर्क योगी सरकार एक पोर्टल बनाने जा रही है, जिससे दलित उत्पीड़न के शिकार लोगों को समय पर मुआवजा आदि दिया जा सकेगा। भाजपा नहीं चाहती है कि पिछले दो लोकसभा और एक विधान सभा चुनाव में भाजपा के साथ खड़े रहे दलित वोटर किसी और के पाले में जाए। भारतीय जनता पार्टी ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव में दलित वोटों को प्रभावित किया, लेकिन पिछले कुछ समय से उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लिए उस आकर्षण को बचाए रखना टेड़ी खीर साबित हो रहा है,जिसके बल पर नरेन्द्र मोदी ने देश की सियासत बदल दी थी। हॉ, पूरे घटनाक्रम में दलितों को लेकर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमों मायावती की चुप्पी जरूर किसी के समझ नहीं आ रही है, जिनको आज की तारीख में भी दलितों का सबसे बड़ा नेता माना जाता है। करीब तीन दशकों से दलित बसपा का कोर वोटर है। प्रदेश में कांग्रेस के सिकुड़ते जनाधार के बीच करीब तीन दशक पूर्व दलित बसपा के साथ चले गए थे।

एक अनुमान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में करीब 22 फीसदी आबादी दलितों की है और प्रदेश की राजनीति में दलित जातियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य की सियासत में 1950 से 1990 तक दलित राजनीति कई दौर से गुजरी है। दलितों को सरकारी नौकरियों, शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण मिला और राजनीतिक संस्थाओं में संरक्षण। दलित नेतृत्व भी उभर कर आया। भूमि सुधारों और कल्याणकारी कार्यक्रमों से दलित जातियां आर्थिक रूप से लाभान्वित हुईं। आर्थिक उत्थान ने उन्हें(दलितों को) राजनीतिक रूप से सशक्त बनाया। इससे पूर्व तक उत्तर प्रदेश की दलित जातियों में पारंपरिक रूप से राजनीति में भागीदारी और राजनीतिक जागरूकता काफी कम रही। बसपा के दलित चिंतक मान्यवर कांशीराम का तो राजनीति में दलितों की भागेदारी को लेकर बिल्कुल साफ दष्टिकोण था। वह कहा करते थे,'जितनी जिसकी भागीदारी,उसकी उसकी हिस्सेदारी।' इससे पूर्व उपनिवेशवादी काल में उत्तर प्रदेश में दक्षिण और पश्चिम भारत की तरह ब्राह्मण विरोधी आंदोलन नहीं हुआ। आजादी के तुरंत बाद दलितों के एक अभिजात्य वर्ग ने बाबा साहेब अम्बेडकर के विचारों से प्रभावित होकर रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व में थोड़े समय के लिए दलितों को प्रेरित किया। समुदाय के अभिजात्य वर्ग को छोड़कर आर्थिक सुधारों का लाभ आजादी के बाद दलितों तक नहीं पहुंचा। अस्सी के दशक के मध्य से जाति आधारित ध्रुवीकरण बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व में आरंभ हुआ, जिसकी स्थापना और कल्पना दलित चिंतक और नेता कांशीराम ने की थी। उत्तर प्रदेश में 1993 में पहली बार बसपा ने साझा सरकार बनाई फिर 1995 और 1997 में बसपा ने अपनी सरकार बनाई। 1995 में बसपा नेत्री सुश्री मायावती ने मुख्यमंत्री पद संभाला था। इस समय तक उत्तर प्रदेश की राजनीति में मायावती एक मजबूत स्तम्भ के रूप में स्थापित हो चुकी थी।

1997 में वह फिर मुख्यमंत्री बनी, लेकिन उनकी सरकार 6 माह तक ही चली। मई 2002 में वह फिर मुख्यमंत्री बनीं लेकिन सरकार अगस्त 2003 तक चली। फिर 13 मई 2007 को मायावती स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आई और सरकार 2012 तक चली। इस दौरान उत्तर प्रदेश की राजनीति में न केवल चैंकाने वाले घटनाक्रम सामने आये बल्कि राजनीति में व्यापक बदलाव भी आया। उत्तर प्रदेश की दलित जातियों में राजनीतिक चेतना जुड़ाव और पृथकता के दौर से गुजरी है। जुड़ाव का अर्थ कांग्रेस प्रभुत्व वाले दल से जुड़ना अथवा समर्थन देना स्वीकार करना और समझौता करना जैसे तत्व भी मौजूद रहे। दलित चेतना बढ़ती गई तो दलितों ने ब्राह्मणवादी या अभिजात्य पार्टियों के विरुद्ध अपना वोट बैंक बना लिया। दलितों के बूते 2007 में बसपा सुप्रीमों मायावती ने और 2017 में बीजेपी ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। साल 2012 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली एसपी ने भी बीएसपी के इस वोट बैंक में सेंध लगाई थी।

साल 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 84 सीटों में से भाजपा को 69 सीटें मिलीं। साल 2007 में बसपा ने 62 और 2012 में समाजवादी पार्टी ने 58 सीटें जीती थीं। यूपी की 22 फीसदी आबादी हमेशा से सियासतदारों को लुभाती रही है। इसी लिए तमाम नेताओं की सियासी धुरी दलितों के इर्दगिर्द घूमती रहती है। हाथरस कांड को लेकर होने वाला होहल्ला इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। उत्तर प्रदेश में इस समय हाथरस के अलावा बलरामपुर जिले में दलित युवती के साथ गैंगरेप और हत्या का मामला राजनीतिक दलों के लिए मुद्दा बना हुआ है।

अजय कुमार
लखनऊ ।
www.womenexpress.in

समय के साथ बदल रही है मां

कॉलेज से घर आते ,वक्त मन में बहुत सवाल थे?..घर का माहौल कुछ ऐसा था, मां को कपड़ों को सलीके से पहनना पसंद था वह नहीं चाहती थी कि ,उनकी बेटियां सलवार सूट और दुपट्टे के बिना कोई और कपड़े भी पहने ।कॉलेज का वार्षिकोत्सव था उसके लिए वेस्टर्न डांस में हिस्सा लिया और डांस वेस्टर्न था तो ड्रेस भी वेस्टर्न ही पहनी थी.... घर पर तो थी नहीं ,लेकिन मेरी दोस्त ने मुझे अपनी ड्रेस पहनने के लिए दी।

अब उसे सही सलीके से प्रेस इत्यादि करके घर से पहन कर जाना था ,तो छुपाकर बैग में रख दी .....अब यही डर सता रहा था कहीं मां ना देख ले और कई बार डर हमारे ऊपर इतना हावी हो जाता है कि चेहरे पर आ जाता है, और मां तो वैसे भी बच्चों की चोरियां पकड़ने में माहिर होती हैं ,मैं कॉलेज से आने के बाद हाथ में धोने के लिए मैं चली गई पीछे से मां टिफिन धोने के लिए निकाल रही थी कि तभी ड्रेस बैग से नीचे गिर पड़ी ।मां उठाया और गौर से देखाज.. फिर मुझे देखा ...पूछा यह कपड़े किसके हैं....जगहजगह से कटे और छोटे भी लग रहे हैं ...किसकी है यह ड्रेस? इन तीन सवालों ने मेरे चेहरे को रंग ही उड़ा दिया अब क्या जवाब दूं ...

दिल की धड़कन तेजी से धड़क धड़क करने लगे मैंने जल्दीजल्दी मां को बताना शुरू किया कि मेरा कल वार्षिकोत्सव है । उसमें मैंने वेस्टर्न डांस में भाग लिया है ..मां ने मेरी ओर देखा और कहां बाबूजी देखेंगे तो गुस्सा करेंगे इसे घर से प्रेस करके वही पहन लेना ...और घर से सूट ही पहन के जाना और फोटो भी खिंचवा लेना मुझे देखना है कैसी लगती हो तुम ....लेकिन वहां से वापस ही बदल कर बैग में रख कर ले आना धो कर वापस दे देना। मां से इस जवाब की उम्मीद ना थी लगा.. मां बदल रही है समय के साथ

श्रेया कुमार
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

प्रेम प्रतिक्षा दिल को तोड़े

प्रेम प्रतिक्षा दिल को तोड़े ।
नैनों ने हैं अश्रु जोड़े ।
फिर एक रात गुजर गई,
उसकी यादों के घोड़े दौड़े ।
दरस तेरे पाने को मैंने,
कितने दिन राह देखी मैंने।

कोई ठिकाना नहीं तेरा,
फिर भी आस न छोड़ी मैंने।

अब तो पलपल याद सताए,
विरह की अग्नि मुझे जलाए।
सावन की इस रिमझिम में ,
कौन आकर अब अगन बुझाए ।

आओगे जब भी तुम साजन,
जी भर कर लूँगीं आलिंगन।
जाने कहीं न दूगीं तुमको,
बाँध तुम्हें रख लूँगी कंगन ।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

पूछे वो कलम से

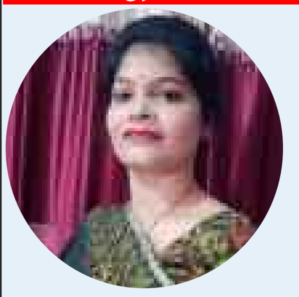

कलम कलमकार की
कहती है उससे
लिखो कुछ कृति जो मन
में है उसके
रचनाकार बोझिलता से कहे
कलम से
किस पर क्या लिखूँ ,पूछे वो
कलम से
धर्म,जाति में बँटा देश होने
लगे हैं दगें
भाँति भाँति के हर कोने में
पड़े हैं पंगे
शांति बदली अशांति में बोले
कलम से
किस पर क्या लिखूँ, पूछे वो
कलम से
अपने अपने हाथों में अपने
अपने झंडे
अपनी डफली अपने राग,
पकड़े हैं डंडे
तिरंगे के रंग बदल दिए कहे
कलम से
किस पर क्या लिखूँ, पूछे वो
कलम से
भ्रष्टाचारी,बेरोजगारी समस्या
न सुलझी
लाचारी,तानाशाही में सरकारें
हैं उलझी
मूलभूत अधिकार फंसे कहे
कलम से
किस पर क्या लिखूँ, पूछे वो
कलम से

सारिका जागृति
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

सादर वंदन नव दुर्गा मैया

नवरात्री में नवदुर्गा नव नव
रूप धरे मैया वंदन बारंबार ।
हर रूप की अपनी महिमा कुछ
शब्द न कह पाएं सार ।।

शैलपुत्री तुम प्रथम कहलाती
हिमराज की सुता कहिये ।
द्वित्य ब्रह्म चारिणी हो तुम
दुखियों की दुखहारिणी मैया ।।
आप चंद्र घटना तृतीय रूप है
तेरा दुष्ट प्रकम्पित सारा ।

कुश्मांड़ा तेरा रूप चतुर्थकम
उल्लास का देती अपारा ।।

पंचम स्कन्द माता कहलाती
कार्तिकेय के संग पूजता ।
षष्टम मां कात्यायनी हो तुम
कात्यान ऋषि की हो सुता ।।

कालरात्रि तेरा सप्तम रूप है
दुष्टो राक्षसों की मारामारी ।
अष्टम में तुम महा गौरी कुंदन
सुमन सी हो कोमल नारी ।।

नवम रूप में मैया सिद्धि दात्री
कह करें सब गुणगान ।
गर्ग! सुख समृद्धि और मोक्ष
की माता रखना ध्यान ।।

सूबेदार रावत गर्ग उण्डू
बाड़मेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

जय माता दी

जितना दिया है उसी से
काम चला लेता हूँ
भाव से माता के लिए एक
दीया जला देता हूँ
धूप अगरबत्ती से आस है
माँ को मनाने की
एक जल का लोटा माँ को
अर्पण कर देता हूँ

जितना दिया है उसी से
काम चला लेता हूँ

किराए का कमरा उसी में
चौकी लगा लेता हूँ
मैं मां को मन से हर साल
नवरात्र में धाता हूँ
हो जाए कुछ शायद किये
पाप माफ मेरे
मैं चरणों में सर झुका कर
बैठ जाता हूँ
जितना दिया है उसी से काम
चला लेता हूँ

महेश राठौर सोनू
www.womenexpress.in

तू शक्ति सद्भावों की

तू शक्ति सद्भावों की
रश्मि नव आशाओं की
तुमसे प्रस्फुटित नव जीवन है
संरक्षण व नव सृजन है ।

तू शक्ति विनित रागों की
दीपशिखा कर्म पथ की
तुमसे समृद्ध कर्तव्य क्षण है
विश्वास व सदचिंतन है ।
तू शक्ति शुभ संकल्पों की
दीप्ति नव उमंगों की
तुमसे प्रदीप्त अन्तर्मन है
परिवर्तन व परिवर्धन है ।

तू शक्ति नव उड़ानों की
मरीचि नव जहानों की
तुमसे संकल्पित तन मन है
परिमार्जन व परिशोधन है ।

तू शक्ति है नव प्रेरणाओं की
ज्योत्सना अभिलाषाओं की
तुमसे स्पंदित उर गुंजन है
अनुरक्षण व दर्शन है ।

तू शक्ति विपुल सदकर्मों की
अर्चि मधुर अनुरागों की
तुमसे पोषित ईश वंदन है
अभिप्रेरण व समर्पण है ।

दिलीप कुमार गुप्ता
अररिया, बिहार ।
www.womenexpress.in

माता ब्रह्मचारिणी

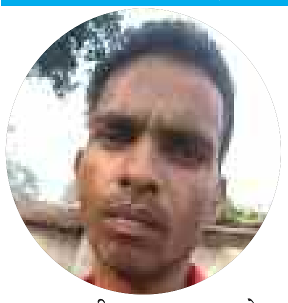

आरती सजा कर हम चले,
नारियल, अगरबत्ती और रोली चंदन ।
सजा दरवार लाल चुनरियों से,
माता के चरणों में मेरा चरण वंदन।।
दाहिने हाथ में जप के माला,
कमण्डल धारण बायें हाथ।
जिनकी साथ हो सरस्वती, गणेश,
माँ दुर्गा की चरणों में झुकाऊँ माथ।।
हम सुबह, शाम करते गुणगान,
हाथ जोड़ कर माँ जगदम्बा की।
सब मनो कामना पूरा कर देती,
बार बार प्रणाम शेरावाली की।।
माँ की ज्योती जले जिस घर में,
बाधाओं को हरण कर देती।
अंधकार को दूर भगा कर,
प्रकाश मय जीवन भर देती।।
नौ दिन में नवरुप बदल कर,
अत्याचारों की संहार करती।
सुन पुकार भक्त जनो की,
मन मुरादा झोली भर देती।।

देबीदीन चन्द्रवँशी
अनूपपुर, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

गीत-मां दुर्गा

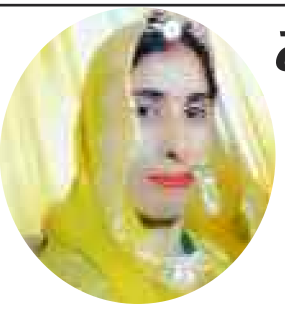

जग से न्यारी तू शक्ति है तू ही भक्ति,
जिसने भी तेरा यश गाया फल पाया,
जय अम्बे मां दुर्गा बोले दुनिया सारी।

शीश पर मुकुट करती मां सिंह सवारी,
मां दर्शन दे हृदय की प्यास बुझा सारी,
जय अम्बे मां दुर्गा बोले दुनिया सारी।

जो भी दर आया खाली रही न झोली,
मुराद करती पूर्ण मां भक्तों की प्यारी,
जय अम्बे मां दुर्गा बोले दुनिया सारी।

सुख से तुम झोली भर देती हो सारी,
भक्तों की वेदना तुम हर लेती सारी,
जय अम्बे मां दुर्गा बोले दुनिया सारी।

वो फल पाता जो तेरा ध्यान लगाता,
अम्बें भक्ति से ही मानव जीवन पाता,
जय अम्बे मां दुर्गा बोले दुनिया सारी।

पाप जलाती पापी को राह दिखाती,
दुष्टों का विनाश करने धरा पर आती,
जय अम्बे मां दुर्गा बोले दुनिया सारी।

राजा रंक है सब मैया के पुजारी,
सबको अपनाती तेरी महिमा न्यारी,
जय अम्बे मां दुर्गा दुनिया बोले सारी।

सुमन राठौड़
झाझड (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

आया शरण मैया ...

आया शरण में तेरी मैया
गीत भजन मैं गाऊं मैया ,
तू सुर की देवी है मैया
मैं अदनासा गवैया ।
आया शरण ....
मन में भाव जगाओ मैया
झांझर शंख बजाएं हम मैया ,
पलपल ध्यान धरें तेरा मैया
स्नेह के दीप जलाएं मैया ।
आया शरण ....
दुख हर ले तू सबके मैया
सुख के घट तू भर दे मैया ,
भक्ति में गोते लगालें मैया,
हिचकोले ना लें फिर मैया ।
आया शरण ....
धीर धरें सिखलादो मैया,
कर्म करें पावन सब मैया,
चाहत ना लेने की मैया
सिखलादो देना कुछ मैया ।
आया शरण ....

कार्तिकेय त्रिपाठी
गांधीनगर, इन्दौर ।
www.womenexpress.in

मां के चरणों में नमन हमारा

मैया तेरा ये रूप निराला सबके
मन को भाता
दर्शन तेरा हो जाए तो जीवन
सफल हो जाता
सिंह सवारी करती मैया हाथ में
त्रिशूल सुहाता
शक्ति उसको मिल जाती जो
भक्ति में रम जाता
अष्टभुजी मैया है मेरी देखो
त्रिशूल हाथ में धारा
संसार की तारणहार है मैया
तुमको नमन हमारा
पापी महिषासुर पर मैया ने
किया त्रिशूल प्रहार
एक बार में ही उस पापी का
मैया ने किया संहार
अंत करके मैया ने धरती से
पाप का बोझ उतारा
हम भक्तों को है तेरा सहारा
तुमको नमन हमारा
शुंभ निशुंभ दानव को मारा
और चंड मुंड संहारा
पाप का नाश किया मैया ने
महाकाली रुप धारा
ध्यानु का कटा सिर जोड़ा मैया
ज्वाला रूप लिया
श्रीधर का भंडारा मैया ने वैष्णो
रूप में पूर्ण किया
सिंह पर सवार आई मैया जब
भी भक्तों ने पुकारा
तारा रुक्मण पार उतारा मैया
तुमको नमन हमारा
मेरे दुख को भी हर लो मैया
अब तेरा ही है सहारा
भाग्य जगाने वाली मैया तेरे
चरणों में नमन हमरा

मिली साहा
कोलकाता ।
www.womenexpress.in

धन की माया

धन की माया महाठगिनी
इसकी है अपनी कहानी।
धन की माया,मोह जगाए,
पास होकर खुशियां लाए।

जिसके पास धन दौलत,
उसको मिलती सब शौहरत।

धन से होती आदमी की पहचान,
अदब से रहना,रौब जमाना
उसकी शान।
धन है हाथों का मैल, जो हो
जाए पल में दूर
कभी रहता सदा संग,कभी हो
जाता सदैव दूर।
धन का लोभी रहता मद में चूर,
धन करता सबको अपनों से दूर।

आज तक ना समझ पाए धन
की माया
धन पाने की लालसा , दुर्बल
करती काया।
है नही धन स्थायी , फिर भी
मोह ना छूटे,
धन के लोभ से रिश्ते, नाते
सब है टूटे।

धन दौलत है नहीं
सबकुछ,समझे नहीं इंसान
करता है वो दिन रात पूजा पाने
कार मकान।

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

आज बाबा के घुटनों में दर्द था

आज बाबा के घुटनों में दर्द था,
क्योंकि मौसम थोड़ा सर्द था!
उन्होंने पड़ोस वाले काका को बुलाया,
बस वही तो उनका हमदर्द था!
दादी की तबियत भी कुछ खराब थी,
उनको आशा थी एक जवाब की!
अपनी शर्तों पे जीती थी वो,
उनको न आदत थी किसी दबाव की!
आँखें नम और मन दोनों का
उदास था,
किसको बताएँ, कोई भी न
उनके पास था!
वृद्ध शरीर और अकेलापन था बस,
न कोई आम था और न कोई
ख़ास था!
गर्मी की छुट्टियों का इंतज़ार था उन्हें,
साल भर के अंतराल के बाद
मिले जिन्हें!
एकटक दरवाजे पर नज़र
टिकी रहती,
और हमारे आने की ख़बर के,
वे दिन गिने!

रूना लखनवी

चौथी नवरात्रि देवी कुष्मांडा

सुरासंपूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च ।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्माण्डा
शुभदास्तु मे ।।

चौथी नवरात्रि शक्ति स्वरूप
देवी कूष्माण्डा ।
सृष्टि अस्तित्व ब्रह्मांड रचना
यही देवी कुष्मांडा ।।

सृष्टि आदि स्वरूपा आदिशक्ति
सूर्यमंडल निवास ।
कांति शांति प्रभा सूर्य समान
बिखरते सदैव सुवास ।।

सिंह वाहिनी उज्जवल प्रकाश
दसों दिशाएं प्रकाशित ।
अष्टम भुजा वाली देवी समस्त
रोग शोक दुख निवारित ।।

कमंडल, धनुष, बाण, कमल पुष्प ,
अमृतपुर्ण कलश, चक्र, गदा ।
आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और
निधियों देने वाली सदा ।।

इनकी भक्ति से वृद्धि होती
आयु यश बल आरोग्य ।
उपासना आराधना से जीवन
मार्ग सुगम सुयोग्य ।।

सीता में, राधा में, दुर्गा में,
पांचाली में अगर ना आते ।
राम, कृष्णा, कंस,काल, पांच
पांडव कहां से कहलाते ।।

मनोज शाह
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

नवरात्रि माँ दुर्गा स्कन्दमाता अवतार....!

नवरात्रि की पांचवेरात्रि,
माता दुर्गा की कृपा आपार।
दिप जालाओ आरती सजाओ,
स्कंदमाता ने लिया अवतार।
स्कंदमाता सूर्यमंडल,
अधिकाष्ठीक देवी कहलाती।
उपासना साधना करे जो,
अलौकिक शक्ति मिल जाती।

पर्वतराज की पुत्री पार्वती जो,
महेश की अर्धांगनी महेश्वरी।
स्कंदमाता की पूजा निशमन,
शक्ति अलौकिक मिलती ईश्वरी।
गौर वर्ण थी नाम गौरी की,
गौरी पुत्र प्रेम है भाता,
स्कन्द कुमार कार्तिकेय से,
नाम पड़ा जो स्कंदमाता।
माता पाँचवाँ रूप धरि,
श्वेत दोउ कर कमल धारणी।
एक हाथ पुत्र गोद लिये,
दोउ कर आशीष दुःख हरणी।
होम यज्ञ नही करने देते,
बढ़ता दानव की अत्याचार।
साधुवाद से त्राहिमाम की,
देवगणों से किये पुकार।
असुर दमन करने को धरा पर,
स्कंदमाता ने लिया अवतार।

मिटा बोझ धरती का तब,
दानव का जब किया संहार।
साधुवाद की विगुल बजी,
माता पुत्रो पर किया उपकार।
स्कंदमाता रौद्र रूप धरि,
सिंह पर सवार किया संहार।
माता की डंका बजा चहुँ,
गूंजा ब्रम्हाण्ड जय जयकार।
श्वेतकमल अलसी प्रसाद से,
माता बरसाती श्रद्धा उपकार।
एकाग्र भाव मन पवित्र हो,
माँ की करलो स्तुति ध्यान।
दुःख कष्टों से मुक्ति पाये,
मोक्ष मिले करे दूर अज्ञान।

दिब्यानन्द पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

बदलता बचपन

बदलाव प्रकृति नियम ।
सो आज बच्चों का ।
बचपन भी बदला ।
जहां पूर्व काल ।
बचपन मित्र संग ।
मिट्टी में पग बिन ।
चप्पल निर्बाध खेला, करते थे ।
वही आज यांत्रिक युग ।
आगमन से बच्चों का ।
बचपन मोबाइल तक ।
सीमित हो व्यतीत हो रहा ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल,
मध्यप्रदेश ।

इश्क़ की कोई उम्र नहीं होती

वो कहते है कि इश्क़ की कोई
उम्र नही होती,
ताउम्र लग जाती है जिसे बस
समझने में देखो।

मिलती कहा सभी को वो
चाहत की बस्ती,
रुख़सत कभी अश्को के,सागर
से लेकर देखो।
कई दफ़ा जब टूटे दिल,दर्द भी
अपना सा तब लगता है
और वो कहते है ...
दर्द को भूलाना हमे नही आता देखो।
जिंदगी गर है नाम जिंदादिली का ,
क्यो जीने की प्यास फिर
बुझती देखो।
शक क्यो हमे हर एक पर होता,
कायम दुनिया जब भरोसे पर देखो।
ये नीला नीला अम्बर भाता
बस उनको,
प्यार में डूबा जिनका मंजर देखो।

किस्मत से चाहत को मिलाने वाली,
वो लखिरे खिंची आखों के
नीचे देखो।
और वो कहते है कि इश्क़ की
कोई उम्र नही होती,
ताउम्र लग जाती है जिसे बस
पाने में देखो।

श्वेता निम्बार्क
(दुबई) ।
www.womenexpress.in

बढ़ती बेरोजगारी

बढ़ रही महामारी मे बेरोजगारी
इसपे रोक हमें ही मिल लगाना है
भूखा न सो पाऐ कोई,मौत को भी
गले लगाऐ ना कोई ये ध्यान
रख जाना है।।

साथी हाथ बढ़ाना है।।

देश कोरोना विपदा संग लड़ा है,,
सीना ताने हर कोई खड़ा है।।
एकता की मिसाल रख मिल
कोरोना विपदा पे फतह पाना है।।
साथी हाथ बढ़ाना।।
दान,पुन्य,सेवा,भाव संग
भूखों की मदद कर जाना है।।
न भेदभाव कर जातपात का
इंसानियत हमें दिखाना है।।
साथी हाथ बढ़ाना।।

इस देश की मुश्किल घड़ी में जीवों
के लिये भी करूणा रस बरसाना है।।
लावारिस पंछियों,,जानवरों को भी
मिलके भोज हमें कराना है।।

साथी हाथ बढ़ाना।।
कोरोना विपदा की इस घड़ी पे
विजय ही अपना लक्ष्य बनाना है।।
एक दिन हार जाएंगी ये कोरोना
विपदा,, विजय पताका लहराना है।।
साथी हाथ बढ़ाना।।

वीना आडवानी
नागपुर, महाराष्ट ।
www.womenexpress.in

तुम कहो सीख लूँ

तुम कहो सीख लूँ ख़ामोश रहना।
आज, कल या फिर हर रोज रहना।।
फिर ये जुबाँ कभी ना पलटेगी,
गर पलटेंगे तो सिर्फ़ पन्ने,
कभी बातों के, कभी यादों के।।

तुम कहो तो सीख लूँ मुस्कुराना
कभी होठों से, कभी आँखों से।
फिर ये लब कभी ना हिलेंगें
गर हिलेगे तो महज़ पँख
कभी रातों के, कभी ख्वाबों के।।

तुम कहो तो सीख लूँ जज्बातों
को दबाना
लम्हालम्हा, कतराकतरा तुमसे छुपाना
फिर दिल के राज कभी ना खुलेंगे
गर खुलेंगे तो सिर्फ दरवाजे,
कभी आहों के, कभी राहों के।।

तुम कहो तो सीख लूँ, दूर
तुमसे रहना
फिर ना शिकवा रहे ना
शिकायत कोई
गर रहेगी कोई शिकायत तो
सिर्फ इतनी
की उठती है कसक हर पल
दिल में
टूटी कसमों की, अधूरे वादों की।।

तुम कहो तो सीख लूँ.......
तुम कहो तो सीख लूँ.......

सुनील पंवार
स्वतंत्र युवा लेखक
(राजस्थान)।
www.womenexpress.in

यादों की कशिश

ना गिला करेंगे, ना शिकवा करेंगे
तेरे बिना कैसे जियेंगे.....
बस इतना कहेंगे....
तेरे गमो को तो हमने किस्मत
समझ कर सह लिया...

अब इन दूरियों को कैसे सहगें....
बस इतना कहेंगे....
उन शरद अंधेरी रातों में...
तेरी बाहों में सिमटकर सोते थे...

तेरी जुल्फों को हमने अपना
साया समझा था...
अब उन रातों की यादों में खोए
रहते है...
अब इन तन्हा रातों को कैसे सहेंगे...
पिछले सावन में तूने फूलों से
हमको सजाया था....

अपनी बाहों के झूले पे हमको
खूब झुलाया था...
इस सावन में गीत अधूरे रह गए...
अब इन अश्को की बारिश को
कैसे सहेंगे...

वादे किए थे मिलने के...
मिलकर न फिर बिछड़ने के...
एक दूजे को अपना हमराही
बनाया था....

वो कसमे तेरी झूठी थी...
वो वादे अधूरे लगते है....
अब उन यादों का ....
हम क्या करेंगे....

डॉली शर्मा
ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

(जीवन की सच्चाई)

क्यों चलता है अनजान राहों
पर ए प्राणी,
कभी तो तुझे किनारा मिलेगा।
मत कर उम्मीद किसी से जग में,
बस ऊपरबाले का ही सहारा मिलेगा
यूँ न हो उदास जिन्दगी मे,
आशा की किरण भी आयेगी।
बस चलता जा अपनी सच्ची राह पे,
दुनिया तुझे सर झुकयेगी।
मद, मोह, लोभ, से बच कर रहना,
जीवन बडा प्यारा है।
चलते जाना इंसानियत के पथ पर,
सत्य का सुख बडा ही निराला है।
बस कर्म की पूजा करते जाना,
रब की सौगात तुझे मिलती रहेगी।
मत दुखाना दिल माबाप का कभी,
जीवन मे खुशियां आती रहेंगी।
मत कर इंसान से तू बैर इंसान,
जीवन दो पल का मेला है,
दिखावे को हैं ये सारे रिस्ते नाते,
बाकी जग मे तू अकेला है।
पाप की गठरी और बेईमानी का
बोझ क्यों ले जाता है,
इनका वजन बहुत भारी है।
ले जाना है तो सच्चाई और
अच्छाई ले जा,
जो भगवान को भी प्यारी है।
माटी की देह पे गुरूर मत
करना ए प्राणी,
ये एक दिन माटी मे ही मिल जायेगी।
करना है तो उस परमात्मा का ध्यान कर,
जीवन की नैया पार लग जायेगी।

संजय सिंह मीना फकिरपुरा
करौली, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

राजस्थान जीता, पहली बार प्लेऑफ की दौड़ में पिछड़ा चेन्नई

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

अबुधाबी, 20 अक्टूबर । अनुशासित गेंदबाजी और जोस बटलर के अर्धशतक से राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स पर 15 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से जीत दर्ज करके इंडियन प्रीमियर लीग में जहां अपनी उम्मीदें बरकरार रखी वहीं महेंद्र सिंह धोनी की टीम पर पहली बार प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाने का खतरा गहरा दिया। चेन्नई पहले बल्लेबाजी का फैसला करके पांच विकेट पर 125 रन ही बना पाया। उसकी तरफ से रविंद्र जडेजा (30 गेंदों पर नाबाद 35) और धोनी (28 गेंदों पर 28) ही कुछ योगदान दे पाये। बटलर की 48 गेंदों पर सात चैकों और दो छक्कों की मदद से खेली गयी नाबाद 70 रन की पारी से रॉयल्स ने 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 126 रन बनाकर जीत दर्ज की। बटलर ने कप्तान स्टीव स्मिथ (34 गेंदों पर नाबाद 26) के साथ चैथे विकेट के लिये 13 ओवर में 98 रन की अटूट साझेदारी की। धोनी का आईपीएल में 200वां मैच यादगार नहीं बन पाया। चेन्नई अभी तक आईपीएल में जब भी खेला है

तब प्लेऑफ तक जरूर पहुंचा है। वह तीन बार का विजेता और छह बार का उप विजेता है लेकिन इस बार उसके दस मैचों में केवल छह अंक हैं और अगले चार मैचों में जीत पर भी उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना अगर मगर पर टिकी रहेगी। रॉयल्स दस मैचों में चैथी जीत से आठ अंक के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। वैसे धोनी के धुरंधर आसानी से हार मानने वाले नहीं थे। दीपक चाहर (18 रन देकर दो) और जोश हेजलवुड ने पहले नौ ओवरों में ही अपना कोटा पूरा कर दिया लेकिन इस बीच उन्होंने अधिकतर समय रॉयल्स के बल्लेबाजों को खामोश रखा। रॉयल्स का बेट स्टोक्स (19) और रोबिन उथप्पा (चार) से पारी की शुरुआत करवाना फिर से गलत साबित हुआ। ये दोनों चैथे ओवर तक पवेलियन में विराजमान थे। संजू सैमसन इस बार खाता भी नहीं खोल पाये। धोनी की तारीफ करनी होगी जिन्होंने बायीं तरफ डाइव लगाकर एक हाथ से उनका कैच लिया। दो रन के अंदर तीन विकेट गंवाने से रॉयल्स दबाव में आ गया। स्मिथ और बटलर ने सहजता से पारी आगे बढ़ाने की रणनीति अपनायी। इस बीच जब स्मिथ ने खाता भी नहीं खोला था तब धोनी ने उनके खिलाफ पगबाधा के लिये डीआरएस लिया था।

रन बनाने का जिम्मा वैसे भी बटलर ने उठा रखा था। शार्दुल ठाकुर पर लगाया गया उनका छक्का दर्शनीय था। स्मिथ ने 24वीं गेंद का सामना करके पहला चैका लगाया। बटलर ने 37 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। रॉयल्स की इस जीत की नींव उसके गेंदबाजों ने रखी। जोफ्रा आर्चर ने 20 रन देकर एक विकेट लिया जबकि उसके दोनों स्पिनरों श्रेयस गोपाल और राहुल तेवतिया ने मिलाकर आठ ओवर में 32 रन देकर दो विकेट लिये और चेन्नई के बल्लेबाजों को दबाव में रखा।

यूपी निवासियों को मिला मिर्जापुर का राजा चुनने का अनोखा अवसर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 20 अक्टूबर । मिर्जापुर के आगामी दूसरे सीजन के प्रति उत्साह अपने चरम पर है। वही, रिलीज से ठीक पहले, अमेजॅन प्राइम वीडियो ने मिर्जापुर के कलाकारों को यूपी निवासी के करीब लाने का एक शानदार तरीका ढूंढ निकाला है। यदि आप बनारस, आगरा, गाजियाबाद, बरेली, प्रयागराज, मेरठ, लखनऊ और कानपुर सहित शहरों के आस पास हैं, तो आप अपने प्रिय मिर्जापुर किरदार कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू पंडित (अली फजल), और मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बहुत बड़े कटआउट इन शहरों की सड़कों पर देख सकते है।

इन कटआउट पर क्यूआर कोड शामिल किए गए हैं। कोड को स्कैन करने पर, प्रशंसक उस दावेदार को अपना वोट कर सकते हैं जो उन्हें

लगता है कि मिर्जापुर के सिंहासन पर बैठना चाहिए। आपको बस इतना करना है कि अपने फोन से इस कोड को स्कैन करना है और अपने पसंदीदा मिर्जापुर किरदार के लिए वोट करना है। यह कटआउट 15 दिनों तक रहेंगे, इसलिए कालीन भैया, गुड्डू और मुन्ना के साथ एक सेल्फी क्लिक करने का मौका अपने हाथ से जाने मत दीजिएगा।

मिर्जापुर 2 में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, श्वेता त्रिपाठी, हर्षिता गौर, रसिका दुगल, अमित सियाल, विजय वर्मा, शीभा चड्ढा, राजेश तैलंग और कुलभूषण खरबंदा नजर आएंगे। यह शो एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है, जिसे पुनीत कृष्णा द्वारा निर्मित और गुरमीत सिंह व मिहिर देसाई द्वारा निर्देशित किया गया है।

लगभग दो साल के लंबे इंतजार के बाद, अमेजन ओरिजिनल सीरीज 'मिर्जापुर' 23 अक्टूबर, 2020 में अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। बहुप्रतीक्षित अमेजॅन ओरिजिनल सीरीज एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा रचित और निर्मित है और यह दुनिया भर के 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में अमेजन प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से लॉन्च होगा।

माता-पिता की सहमति से लंदन में हूं, परिवार में कोई मतभेद या कोच से समस्या नहीं: सिंधू

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । विश्व चैंपियन पीवी सिंधू ने मंगलवार को कहा कि वह अपने परिवार और कोचों की सहमति से लंदन में हैं और इस तरह उन्होंने इनमें से किसी के भी साथ मतभेद की खबरों को खारिज किया। सिंधू के पिता ने हालांकि हैदराबाद में राष्ट्रीय शिविर से उनके खुश नहीं होने के बारे में कहा। ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधू पिछले 10 दिन से लंदन में हैं और सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर गेटोरेड खेल विज्ञान संस्थान (जीएसएसआई) की खेल पोषण विशेषज्ञ रेबेका रेंडेल के साथ तस्वीर पोस्ट की। सिंधू जीएसएसआई में ही ट्रेनिंग कर रही हैं। एक खबर में दावा किया गया है कि सिंधू ने 'परिवार में तनाव'

के कारण देश छोड़ा है लेकिन इस स्टार खिलाड़ी ने इन अटकलों को खारिज किया। सिंधू ने मंगलवार को ट्विटर पर डाले बयान में कहा, ''मैं कुछ दिन पहले लंदन आई जिससे कि अपने जीएसएसआई के साथ अपने पोषण और उबरने से जुड़ी चीजों पर काम कर सकूं। मैं अपने मातापिता की सहमति से यहां आई हूं और इस संदर्भ में परिवार में कोई मतभेद नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे अपने मातापिता से कोई समस्या क्यों होगी जिन्होंने मेरे लिए अपने जीवन में बलिदान दिए। मेरा परिवार एक दूसरे के काफी करीब है और वे हमेशा मेरा समर्थन करते हैं। मैं अपने परिवार के सदस्यों के रोजाना संपर्क में हूं।'' इससे पहले सिंधू के पिता पीवी रमन्ना ने कहा था कि उनकी बेटी बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के कैलेंडर के अगले साल होने वाले एशियाई चरण की तैयारी के लिए लंदन में है क्योंकि हैदराबाद में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में वह उचित अभ्यास नहीं कर पा रही थी।

जीवन राजा

सदा गुलामी करता उसकी,
मुझको नाच नचाता है,
जैसा कहता, करता हूं मैं,
देख मुझे मुस्काता है!
करता रहता है फरमाइश,
नई नई डिश खाने की,
खा लेता भरपेट, और फिर,
करता बात जमाने की!
यूं मस्ती में रहता है कि,
बजता रहता है बाजा,
देख मुझे गंभीर भाव में,
वह मेरा जीवन राजा।
मुझे जगाता रहता है वो,
अक्सर मैं सो जाता हूं,
जब अतीत में नज़र डालता,
सपनों में खो जाता हूं।
मेहनत करने को कहता है,
सब्ज बाग़ दिखलाता है,
आलस छोड़, मुझे भी उस पर,
प्यार बहुत ही आता है।
पेड़ लगाओ, बाग़ सजाओ,
जल संरक्षण किया करो,
करो सुरक्षित, निज भविष्य को,
समय मुझे भी दिया करो।
जीवन के राजत्व काल में,
सोच रहा, कुछ कर जाऊं ,
गीत लिखूं, मन मीत लिखूं,
फिर जाने कब, मैं मर जाऊं!

पद्म मुख पंडा,
रायगढ़,
छत्तीसगढ़ ।

सच्ची मित्रता

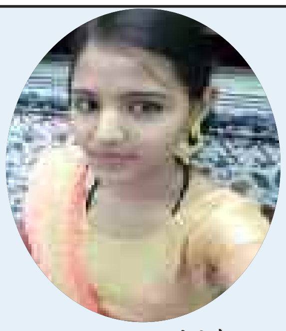

साथ निभाये, वो है मित्र
जो विश्वास और भरोसे पर
कायम रहे, वो है मित्र
जब अकेले मन न लगे और
मिलने कदम चल पड़े, वो है मित्र
जिनसे अपने जीवन की हर
राज बयां कर दे, वो है मित्र
जो बचपन से बुढ़ापे तक साथ
दे, वो है मित्र
सच्ची मित्रता वो है जो मुश्किल
समय में भी तुम्हारे साथ खड़े रहे,
हर पल तुम्हारा साथ दे, यही है
एक सच्चे मित्रता कि पहचान
मित्रता क्या होती है?
जो हर गम को भुला दे, वो है मित्र
जो रोते हुए को हंसा दे, वो है मित्र
जो मुश्किल घड़ी में भी साथ
दे, वो है मित्र
जो हर गम और तकलीफ में
भी हंसा दे, वो है मित्र
जब मन न लगे और दो पल
बात कर मन बहला दे, वो है मित्र
जो दुख हो या सुख हर पल

काजल कुमारी सिंह
बर्दमान, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

मुझे पढ़ना अच्छा लगता हैं

कई पन्ने सफेद है तो कई रंगीन है,
इन में छिपे अर्थों को समझना
अच्छा लगता है।
हां मुझे पढ़ना....
कुछ आसमान के तो कुछ
जमीन के पैमाने हैं,
इन पैमानों में ईंसा को मापना
अच्छा लगता है।
हां मुझे पढ़ना....
कहीं सरल है, तो कहीं कठिन
है जिंदगी की तरह,
ऐसी भाषा के शब्दार्थो के अर्थ
ढूंढना अच्छा लगता है ।
कुछ मुझ से है वाक्य, तो कुछ
मेरी तकदीर से,
इन किताबों में खुद की परछाई
को खोजना अच्छा लगता है।
हां मुझे पढ़ना...
कुछ सवालों मैं तो कुछ जवाबों में,
अपने अंदर छिपे जज्बातों को
जताना अच्छा लगता है।
इन किताबों के पन्नों में, अक्स
सा छिपा है मेरा,
इन्हें पढ़कर जीना अच्छा लगता है।
हां मुझे पढ़ना....
हां मुझे पढ़ना अच्छा लगता है,
किताबों के संग जीना अच्छा
लगता है।
नए किस्से हैं, हे नई कहानियां,
इन किस्सों और कहानियों में
खोना अच्छा लगता है।
हां मुझे पढ़ना...
कुछ सफलता और कुछ और
असफलताओं के फसाने हैं,
सफलता और असफलताओं
के बीच जुझना अच्छा लगता है।
शब्दों में वास्तविकता और
कल्पनाओं के भंवर है,
इन भंवरों में खुद को टटोलना
अच्छा लगता है।
हां मुझे पढ़ना...
कहीं सच्ची तो कहीं झूठी तस्वीरें हैं,
इनमें असली तस्वीरों को
पहचानना अच्छा लगता है।

योगेश्वरी कुंवर सिसोदिया
डूंगरपुर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

बचपन की रामलीला

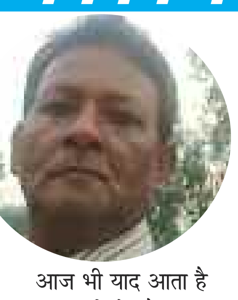

छूकर देखना
बीच बीच में झपकी की आना,
कभी कभी वहीं सो जाना
दशहरे के दिन रावन दहन
और मेले का उल्लास
आज भी स्मृति शेष है।
अब न वो समय है
न ही वो उल्लास।
अब सब कुछ बनावटी सा लगता है
पहले की तरह अब रामलीला भी
गांव गांव कहाँ होती है?
हम भी अब एडवांस हो गये हैं।
दरी पर बैठकर रामलीला
देखने का रिवाज भी कहाँ रहा?
लोगों में भी कहाँ
वो सद्भाव रहा।
अब तो बस बचपन की रामलीला
बहुत याद आती है,
हमारे बच्चों को
किताबी रामलीला ही रास आती है।
आज भी याद आता है
दशहरे के दौरान
नाना के घर जाना,
बहाना तो होता था
बस रामलीला देखना।
बड़ा मजा आता था
मामा नाना के साथ
गाँव की रामलीला में,
तब आज की तरह
सब हाइटेक नहीं था
पेट्रोमैक्स की रौशनी में
चौधरी नाना के दरवाजे पर
अधिकांश कलाकार गाँव के
हल्की ठंड के बीच
कभी कभी कलाकारों को

सुधीर श्रीवास्तव
गोण्डा, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

आओ सखी करें हम सोलह श्रृंगार

नया है दिन आज नई है रात।
मन की कर ले हम आज मुराद।
मुद्दतों के बाद आई है ऐसी बरसात।
भीगे हम पिया संग खुलकर आज।

आओ सखी करें हम सोलह श्रृंगार।
मेहंदी से रचाए हम गोरे हाथ।
बिंदिया चूड़ी काजल लाली।
पहनकर कर पायलिया घुघर वाली।

आओ सखी करें हम सोलह श्रृंगार ।
मेहंदी से रचाए हम गोरे हाथ ।
पिया को रिझाना है करके मुलाकात ।
होले से बतानी है आज दिल की बात ।

बनकर उडी हूं पुरवइया के साथ।
रोको ना तुम मुझे आज
करके फरियाद।

चांदनी मुस्काए जैसे चंदा के साथ।
तारों के चली है वह हसी बारात।
आओ सखी करें हम सोलह श्रृंगार।
मेहंदी से रचाए हम गोरे हाथ।
दिल में जगे है आज नए अरमान।

आओ सखी करें हम सोलह श्रृंगार।
मेहंदी से रचाए हम गोरे हाथ।

रेखा वर्मा
जयपुर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

मन की अभिलाषा है जिज्ञासा

खुशी से फुला न समायी
तब पता चला है अगर मन मैं
किसी को पाने की जिज्ञासा
लगन, मेहनत सब सफल हो जाते
ऊंची से ऊंची उडान भी तय
हो जाती
सारे सपने सच हो जाते
जिज्ञासा ने ही तो
चाँद तक का सफर तय किया
नित नये आविष्कारों की
जननी है जिज्ञासा
हर इंसान की सफलता का
राज है जिज्ञासा
सच्ची ,लगन और मेहनत की
प्रेरणा है जिज्ञासा
मन की अभिलाषा है जिज्ञासा
जब छोटे थे तो थी इक जिज्ञासा
मैं अच्छे नम्बर लाऊँगी तो
पापा मेरे लिए टीवी लगायेंगे
मन मेरा उत्सुक हो उठता
लग गया मन पढने में
फिर वो दिन आया जब
सबसे ज्यादा नम्बर आये
पापा ने वादा निभाया
घर में टीवी पाकर मैं

उर्मिला कुमारी पाटीदार
अरनोदा, चित्तौड़गढ़,
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

पाताल भैरवी बन जाओ

हर दिन एक नई घटना फिर भी
क्यों हमें अकल नहीं आती।
कैसे हम हिन्दू लड़कियां इन
लव जेहादियों की बातों में
फँस जाती।।
किसी को अंग अंग से काटा
तो किसी को जिंदा जला दिया गया।
कई तो ऐसी हैं जिन्हें दर्द से
तड़पता बीच सड़क फेंक
दिया गया।।
फिर भी नहीं सुधरेगी हम
आंखो पर प्रेम नाम की पट्टी जो
बंधी हैं।
अरे! हमारी इन्हीं नादानियों से
इन कुत्तों की इतनी हिम्मत बनी हैं।।
मां बाप की इज्ज़त का तो हमे
ज़रा भी ख़्याल नहीं हैं।
आज की इन मॉर्डन लड़कियों
में धर्म के नाम पर रक्त में उबाल ही
नहीं हैं।।
तीज त्यौहार तो इन्हे पाखंड
लगते हैं।
और यह लव जिहादी इन्हे
सच्चे रहमान लगते हैं।।
फिर जब फेंक दी जाती कचरें
की तरह तो इंसाफ इंसाफ
चिल्लाती हो।
दिल में पछतावा और आंखो से
मोटे मोटे आंसू टपकाती हो।।
पर अब रोने से क्या होगा जो
होना था वो तो हो चुका हैं।
तुम्हारे मां बाप की इज्ज़त
और तुम पर बदनामी का दाग लग
चुका हैं।।
क्यों नहीं समझती पहले की
यह लव जिहाद एक सोची समझी
साज़िश हैं।
हिंदू बेटियों को राह भटकाने
की एक गंदी सी कोशिश हैं।।
हम दुर्गा , काली, भैरवी भी
बन सकती हैं।
इन लव जेहादियों को अपना
भदरकाल्यै वाला रूप भी बता
सकती हैं।।
देखें कोई तुम्हारी ओर तो
उसकी आंखे निकालने की
हिम्मत रखो।
बन चामुण्डा इनकी वहशियत
पर कड़ा प्रहार करो।।
लव जिहाद तो क्या हमारे
सामने कोई इसकी बात भी
ना कर पाए।
जागों हिंदू बेटियों अब इन
हैवानों को उनकी औकात दिखाए।।
गलती से भी हमें अब इन लव
जेहादियों की बातों में नहीं आना हैं।
लक्ष्मी ना सही पर अब धर्म
की रक्षा में हमें पाताल भैरवी
अवश्य बनना हैं।।

दीपिका राज बंजारा
पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

अनेक रूप

बेटी हर रूप में सुशील होती
स्नेह ममता की मूरत होती
बेटी बहन माँ भाभी
हर रूप में सहनशील होती।
कितने दर्द सहती है
घर परिवार की खातिर
हर लम्हा घूट घूट जहर
पी रही होती है।
हर काम छोटी उम्र में सीख लेती
सुघड़ हाथो से मकानों को
अपनी तपस्या व प्रेम से
उसको घर बना लेती ।
कभी चंडी रूप धरती है
जब बात इज्जत की आन
पड़े तो सर काट लेती है
ममता से सरोबार रहती है।

अंजू जांगीड़
सोजत रोड़,
राजस्थान ।

सावन बन आओगे क्या ?

उन अहसासों को पढ पाओगे क्या ?
आखिर कब तक रूखे अंदाज से,
मेरी मखमली रूह छीलते रहोगे।
इसके नासूर बनने से पहले,
अपनेपन का मल्हम लगाओगे क्या?

नयनों में पले तेरे हसीन ख्वाब,
नीर बनकर बहे जा रहे है।
सूखापन आने से पहले,
उम्मीद का बाँध बनाओगे क्या ?

मोहब्बत में लिखी नज्मों को,
तुम साथ मेरे गुनगुनाओगे क्या ?
मेरी ख्वाबिदा रंगोली में,
चाहत का रंग नया सजाओगे क्या ?

हालात ए बयां मसि बनकर,
मेरी कलम की तहरीर बन गई है।
जिन्हे शब्द समझकर पढ़ा है,

बेअसर होती अहसासों की नमी,
सीमा कहीं बन ना जाये बंजर जमी।
खुशियों की फसल लहलहाने को,
तुम सावन बन आओगे क्या ?

सीमा लोहिया
झुंझुनू (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

एक बुज़ुर्ग की चाह

चमकती फर्श पर साफ दिखता
चारों ओर वह उदास चेहरा
स्वयं से ही चार बात करता
चाभी खोई खुशियों की ढूंढता

चार पैसे अब भी वह बचाता
चाह कर भी उसे ना खर्चता
चार दिन की बची जिंदगी को
अपनी ही दम पर जीना चाहता

चाहता तो वहां चला जाता
जो साथ रहने उन्हें बुलाते हैं
चारों ओर किसे तलाशता वहां
चाहत की रूह भी ना थी जहां

चार चार पैसे बचा कर
चौखट से लेकर आंगन तक
चमचमाता पत्थर लगाया
चाहत का सुंदर घर बनाया

चहकते बच्चों की गूंज नहीं
चुलबुली नोकझोंक भी नहीं
चहचहाती चिड़ियों का बस शोर
घर मैं नहीं रहता कोई और

शिप्रा सैनी(मौर्या)
जमशेदपुर, झारखंड ।
www.womenexpress.in

नवदुर्गा- पंचमं स्कन्दमातेति

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता
यशस्विनी

नवरात्रि का पाँचवाँ दिन स्कंदमाता की उपासना का दिन होता है। मोक्ष के द्वार खोलने वाली माता परम सुखदायी हैं। माँ अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती हैं ।

स्कंदमाता की चार भुजाएं हैं। ये दाईं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बाईं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में भी कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है।

सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज एवं कांति से संपन्न हो जाता है। एक अलौकिक प्रभामंडल अदृश्य भाव से सदैव उसके चारों तरफ व्याप्त रहता है। यह प्रभामंडल प्रतिक्षण उसके योगक्षेम का निर्वहन करता रहता है।

स्कंदमाता की पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों में चेतना

का निर्माण करने वालीं। कहते हैं कालिदास द्वारा रचित रघुवंशम महाकाव्य और मेघदूत रचनाएं स्कंदमाता की कृपा से ही संभव हुईं...,

आराधना योग्य यह श्लोक सरल और स्पष्ट है। नवरात्रि में पाँचवें दिन इसका जाप करना चाहिए सभी के लिए.....

या देवी सर्वभूतेषु माँ स्कंदमाता रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम ।।

अर्थ = हे माँ! सर्वत्र विराजमान और स्कंदमाता के रूप में प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बारबार प्रणाम है। या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता/करती हूँ। हे माँ, मुझे सब पापों से मुक्ति प्रदान करें।

जय माता दी

मधुलिका राय
गाजीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

प्रकृति रूप जय-जय अम्बे

परमवत्सला कल्याणी
शुभ्र स्वरूपा, मंगल रूपा
परम तेजसी बलशाली।।

शुंगनिशुंभ विमर्दिनि माता
महिषमर्दिनी शूल करे
रक्तबीज संहारिणी अंबे
लोकसमस्तक पाप हरे।।

सिंह वाहिनी, अष्टभुजी मां
चंद्र दिवाकर नेत्र धरे
व्याधिविनाशिनी,शोकहारिणी
मोक्षदायिनी सिद्धि वरे।।

हे जगजननी, संकटहरणी
विपति निवारिणि जगदंबे
शत्रु नाशिनी, शक्ति दायिनी
प्रकृति रूप जयजय अम्बे।।

परमब्रह्म की परम ज्योति तुम

रश्मि मिश्रा
भोपाल (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

जाति-भेद

गोद में
मानव समाज टूट रहा है ।

कोई पंडित,तो कोई पाखण्डी हुआ
धर्म के नाम पर बस धोखा हुआ
ऊँच निच का बटवारा हुआ
बट चुकी है मानवता;
जो अपने अपने खुन का
प्यासा हुआ ।

रोक दो इस अन्धी सोच को
समेट लो मानवता को
वरना एक आँधि आयेगी
बिखर जाएगा पुरा संसार ।

सृष्टि कर्ता अपने नमूने में भेट दिया
नर संग नारी को ,
मनुष्य जीवन हितकारी को
बीज बोया समाज का
जो परिपूर्ण पुरक हुई जाति का ।

पर धर्म के दरिन्दों ने
जाति बांटने के लिए ,
बो दिये बीज भेद भाव का
सूर्य की प्रकाश में, धरती की

रीना भगत
असम ।
www.womenexpress.in

एक नजर

प्रवेश परीक्षा के नतीजों के बिना काउंसलिंग के पंजीकरण शुरू

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा कराई गई। लेकिन, इनके नतीजे जारी किए बिना ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने काउंसलिंग के लिए पंजीकरण भी शुरू कर दिए हैं। इसको लेकर अभ्यर्थियों ने मंगलवार को आपत्ति दर्ज कराई। अभ्यर्थियों ने सोशल मीडिया पर इसको लेकर सवाल उठाए हैं। बता दें, लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रक्रिया चल रही है। 10 से 17 अक्तूबर के बीच कराई गई। मंगलवार दोपहर बाद तक इनके नतीजे जारी नहीं किए गए। लेकिन, उसके एक दिन यानी सोमवार को ही विश्वविद्यालय ने पीजी काउंसलिंग के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसको लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

राम का काम भी किया और जनता से किए वायदे भी पूरे किए: योगी

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/पटना, 20 अक्टूबर । भाजपा के स्टार प्रचारक व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार में चुनावी प्रचार का आगाज करते हुए कहा है कि हमने जनता का काम भी किया, कश्मीर से आतंकवाद का खात्मा भी किया और राम का काम भी किया। जनता से किए पूरे वायदे पूरे किए।

अब बिहार में एनडीए की सरकार बनाएंगे तो हम भगवान राम के दर्शन भी करवाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बिहार के तीन विधानसभा क्षेत्रों रामगढ़, अरवल और काराकाट में रैलियां कर कांग्रेस और राजद पर जमकर निशाना साधा। उन्हें सुनने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हमेशा कहते थे, रामलला हम आएंगे , मंदिर वहीं बनाएंगे, राम मंदिर की राह में बाधा यही कांग्रेस, राजद, और भाकपा माले थे लेकिन हमने वादा किया था कि भगवान राम का भव्य मंदिर भी बनवाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से

इसका भी मार्ग प्रशस्त हो गया। हमने कहा था कि कश्मीर से आतंकवाद को खत्म करेंगे। पाकिस्तान में पनाह पाने वाले आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारेंगे, अब पाकिस्तान के आतंकी जुर्रत नहीं कर सकते, क्योंकि भारत का जवान उन्हें घुसकर मारेगा । भारत तेरे टुकड़े होंगे अब कोई नहीं कह सकता क्योंकि भारत अब एक श्रेष्ठ भारत है। हमारे लिये जनता ही परिवार है। कांग्रेस और राजद आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे मुख्यमन्त्री ने कांग्रेस व राजद के भ्रष्टाचार पर हमला बोलते हुए कहा कि दोनों आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हैं। कांग्रेस गरीबों का राशन डकारती रही तो राजद ने बेजुबान जानवरों का चारा भी नहीं छोड़ा। दोनों राजनैतिक दल नहीं, परिवार हैं। इनके एजेंडे में परिवार ही सर्वोपरि है, बाकी सब गौड़। कांग्रेस के लिए तो एक ही परिवार सब कुछ है। रही राजद की बात तो इनके पोस्टरों में चार लोगों को छोड़ कभी किसी पांचवें को जगह नहीं मिली। ऐसे लोगों को नकारें। विकास के सिलसिले को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नितीश कुमार के हाथों को मजबूत करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोनाकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितीश कुमार की सरकार ने गरीबों के हित में कई काम किए। गरीब कल्याण रोजगार योजना की शुरुआत बिहार से हुई।

प्रधानमंत्री ने सत्ता में आने पर सबसे पहले जनधन खाता खुलवाने का काम किया, गरीबों को पीएम आवास, रसोई गैस के कनेक्शन और शौचालय दिए। इस साथ ही किसान सम्मान निधि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, निराश्रित पेंशन योजना और दिव्यांग पेंशन योजना के तहत सभी के खाते में अग्रिम राशि भी उपलब्ध कराई। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ विकास की योजनाओं का कार्य करने वाली सरकारें हैं तो दूसरी तरफ जाति, क्षेत्र और भाषा को लेकर व्यापक नरसंहार करवाने वाले दल हैं । भाजपा ने सबका साथ सबके विकास के लिए काम किया, लेकिन कांग्रेस और राजद ने देश के संसाधनों पर एक वर्ग विशेष को अधिकार दे दिया।

हमारे लिए जनता ही परिवार है लेकिन उनके लिए परिवार ही पार्टी और पार्टी ही बिहार है।मोदी के नृतत्व में भारत कोरोना से मजबूती से लड़ा हैमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्पना पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछ्ले 6 वर्षों में बिना भेदभाव के पूरी पारदर्शिता से काम किया। अपने परिवार और अपने लोगों के हित के लिए काम करने वाली कांग्रेस और उसके सहयोगी राजद के एजेंडे में कभी गरीब था ही नहीं...।

अब महिलाएं चलाएंगी कूड़ा गाड़ी

लखनऊ, 20 अक्टूबर (वेबवार्ता)। गुलाबी रंग की साड़ी पहनकर गुलाबी रंग की गाड़ी पर सवार कोई महिला आपके घर पहुंचे तो चैकिएगा नहीं। यह नगर निगम की पिंक कूड़ा गाड़ी है जो आपके घर कूड़ा लेने के लिए पहुंची है। इन गाड़ियों की कमान महिलाओं की हाथ में होगी। इसकी शुरुआत मंगलवार को महापौर संयुक्ता भाटिया ने किया है। नारी सम्मान, स्वावलम्बन व सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत इसकी शुरूआत हुई है। 1090 चैराहे से महापौर ने बीस गाड़ियों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। महापौर ने सभी महिला चालकों को गुलाबी रंग की साड़ी देकर सम्मानित भी किया गया। महापौर ने कहा कि वाहन संचालन के कार्य में पुरुष वर्ग का वर्चस्व है। व्यावसायिक महिला चालकों की संख्या में पुरुषों की तुलना में नगण्य है। पिछ्ले कई वर्षों से वाहन संचालन के क्षेत्र में महिला चालकों की उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसी के तहत महिला चालकों के माध्यम से घरघर कूड़ा कलेक्शन के कार्य में उनको आत्मनिर्भर बनाने का नए सिरे से प्रयास है। कूड़ा कलेक्शन की गाड़ियों के संचालन में महिलाएं बहुत पहले से भागीदारी निभा रही हैं। लेकिन उनके लिए पिंक वाहन उपलब्ध कराना एक नई पहल है। नगर आयुक्त ने बताया कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा एवं सहयोग के लिए सभी जोनल कार्यालयों और मुख्यालय पर महिला हेल्प डेस्क की भी स्थापना की जा रही है। इस दौरान नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी, अर्चना द्विवेदी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुनील कुमार रावत, मुख्य अभियंता विद्युत एवं यांत्रिकी राम नगीना त्रिपाठी, पार्षद कौशलेंद्र द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

नक्सल प्रभावित इलाकों का इस्तेमाल भांग की अवैध खेती करने में हो रहा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । आंध्रप्रदेश, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के नक्सलवाद प्रभावित इलाकों और कुछ पहाड़ी राज्यों के दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों में भांग की अवैध खेती हो रही है और वहां से उत्पादित मादक पदार्थों की आपूर्ति पूरे देश में की जाती है। यह जानकारी मंगलवार को अधिकारियों ने दी। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने पिछले दो महीने में देश के विभिन्न हिस्सों से भारी मात्रा में मादक पदार्थ भी जब्त किया है।

एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारत में भांग की अवैध खेती मुख्यतः आंध्रप्रदेश, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के नक्सल प्रभावित इलाकों और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मूकश्मीर, मणिपुर, अरूणाचल प्रदेश तथा त्रिपुरा के पहाड़ी क्षेत्रों में होती है। इन क्षेत्रों के 'गांजे' की आपूर्ति दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और केरल सहित पूरे देश में की जाती है और इसकी तस्करी श्रीलंका तक भी होती है। अधिकारी ने बताया कि कठिन भौगोलिक क्षेत्र और दुर्गम इलाके होने के कारण प्रवर्तन एजेंसियों के लिए भांग की अवैध खेती को समाप्त करना मुश्किल हो जाता है। पूरे भारत में एनसीबी की तरफ से किए गए गहन प्रवर्तन प्रयासों के कारण विभिन्न राज्यों में संचालित हो रहे नशा तस्करी नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई हुई है। खुफिया सूचनाओं को जुटाने और एनसीबी की कार्रवाई के समन्वित प्रयास के कारण भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया गया है। एनसीबी ने अगस्त और अक्टूबर के पहले हफ्ते के बीच देश के विभिन्न हिस्सों में 10,700.5 किलोग्राम 'गांजा' जब्त किया। एनसीबी ने पिछ्ले दो महीने में 1.18 किलोग्राम मेथालीन डाइऑक्सी मेथाम्फेटामाइन जब्त किया है। देश में एमडीएमए की लोकप्रियता में काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। यह पार्टी मादक पदार्थ है और इससे ऊर्जा और आनंद दोनों में इजाफा महसूस होता है। यह मुंबई और बेंगलुरू जैसे बड़े शहरों में लोकप्रिय है।

बच्चों के अनुभवों को कक्षा में स्थान मिले: मो. उमर शेख

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बांदा। शिक्षा एक संवेदनशील एवं वैज्ञानिक चेतना संपन्न बेहतर इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जीवन की समस्याओं के समाधान शिक्षा में ही मिलते हैं। बच्चों के अनुभवों को कक्षा में स्थान देकर ही शिक्षक बच्चों के अधिगम में सहायक हो सकते हैं।गणित शिक्षण से बच्चों में तर्क, तुलना, अनुमान, कल्पना, अवलोकन एवं आनुपातिक समझ विकसित होती है। बच्चों की उनके परिवेश से बनी तमाम गणितीय अवधारणाओं की समझ को विद्यालय में गणित शिक्षण में जोड़ने की जरूरत है। उक्त विचार शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. द्वारा रविवार की शाम को आयोजित साप्ताहिक ऑनलाइन संवाद में मुख्य वार्ताकार मोहम्मद उमर शेख मंसूरी ने जुड़े हुए शिक्षकों के सम्मुख व्यक्त किए। आगे बोलते हुए उमर शेख ने कहा कि गणित शिक्षण में भी भाषाबोली का ध्यान रखना परम आवश्यक है। प्रश्न पत्र बनाने में उसी भाषाबोली के शब्दों का प्रयोग हो जिसमें बच्चों के साथ कक्षा शिक्षण में व्यवहार किया गया हो। साथ ही विषयों के बीच बनी दीवारों को तोड़कर सहसंबंध स्थापित करके बेहतर शिक्षण किया जा सकता है। शिक्षक कक्षाओं में लिखने पर ज्यादा जोर ना देकर संवाद करते हुए बच्चों को मौखिक अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करें ताकि बच्चों में व्याप्त डर, भय एवं झिझक दूर हो सके। गणित शिक्षक अपने व्यवहार में कठोरता की बजाय कोमलता, मधुरता एवं खुशमिजाजी लाएं। गणित उनके दैनंदिन जीवन में किस प्रकार घुला मिला है। इसके पूर्व संगोष्ठी के आरंभ में शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक शिक्षक साहित्यकार प्रमोद दीक्षित मलय ने बताया की मंच की स्थापना 18 नवंबर 2012 में हुई थी। मंच शैक्षिक मुद्दों पर विमर्श करते हुए शिक्षकों के बीच समझ बनाने के लिए प्रयत्नशील है।

बिहार के लिए पैकेज 'झूठ का पुलिंदा' साबित हुआ: सुरजेवाला

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

पटना, 20 अक्टूबर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला ने मंगलवार को केंद्र और बिहार सरकार को पैकेज के नाम पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि 1.25 लाख करोड़ के पैकेज में सिर्फ 1,559 करोड़ रुपये ही खर्च हुए हैं। सुरजेवाला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि इस 1.25 लाख करोड़ के पैकेज से बिहार में विकास हुआ है। लेकिन बिहार के लिए घोषित सवा लाख करोड़ का पैकेज जीरो और झूठ का पुलिंदा साबित हुआ। पांच साल में सवा लाख करोड़ के पैकेज में मात्र 1,559 करोड़ रुपये का ही काम हुआ। उन्होंने आगे कहा कि, 'इस पैकेज में सबसे अधिक काम सड़क परियोजनाओं के लिए होना था। 54,713 करोड़ रुपये राष्ट्रीय राजमार्ग, गंगासोन और कोसी नदी पर पुल निर्माण तथा 12 रेलवे ओवरब्रिज

के निर्माण पर खर्च किया जाना था।' उन्होंने कहा कि, 'सड़क परिवहन मंत्रालय के मुताबिक इसमें 44 राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण होना था, पर पांच साल में 27 काम तो पूरे ही नहीं हुए और 17 परियोजनाओं का तो अभी तक डीपीआर भी नहीं बना। सुरजेवाला ने भाजपा पर भय, डर, नफरत और बंटवारा पर चुनाव लड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि, 'भाजपा बिहार चुनाव में भी अलग अलग ठगबंधनों के साथ मैदान में है। एक गठबंधन जदयू के साथ है, जो सभी को दिखाई दे रहा है। जबकि दूसरा लोजपा और तीसरा ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की पार्टी से है।

एआरपी ने वितरित किया सैट -2 का परिणाम

बहराइच । पयागपुर विकास क्षेत्र पयागपुर के एआरपी व कोषाध्यक्ष शिक्षक संघ राजेश कुमार मिश्र ने प्राथमिक विद्यालय कलुई तथा खुरथुवा में गत सत्र में सम्पन्न सैट 2 का परीक्षा परिणाम बच्चों के अभिभावकों को सैनिटाइजर, मास्क के प्रयोग एवं सोसल डिस्सिंतेग के साथ, रिपोर्ट कार्ड वितरित किया। अभिभावकों को संबोधित करते हुए एआरपी राजेश कुमार मिश्र ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के शैक्षिक विकास में भरपूर सहयोग करें, असुविधा होने पर तत्काल शिक्षक से सम्पर्क करें। इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका अनीता मिश्रा, प्रियंका, मोहित तोमर, भूपेन्द्र सिंह शिक्षा मित्र पूर्णिमा देवी ,पूरन मल अभिभावक रितेश तिवारी, ननकू पांडेय आदि अभिभावक, रसोइया मौजूद रहे।

आंखों में जलन और सांस लेने में हो रही है कठिनाई, म्योराबाद के निवासियों को

(अवधेश निषाद/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज । कैंट थाना अंतर्गत घनी आबादी में स्थित म्योराबाद कब्रिस्तान के निकट रहने वाले लोगों के द्वारा आई शिकायतों से यह ज्ञात हुआ कि, यहां के निवासियों को विगत कई दिनों से सांस लेने में कठिनाई व आंखों में जलन होने की बात कही जा रही है । स्थानीय संवाददाता ने अपने स्तर पर जांच में यह पाया कि म्योराबाद कब्रिस्तान के अंदर घना जंगल है जिसमें घासफूस सहित बड़े पेड़ पौधे भी हैं! विषय संबंधित सम्मानित दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि म्योराबाद चर्च के पादरी व म्योराबाद कब्रिस्तान के व्यवस्थापक प्रवीण मैसी ने यह स्वीकार किया कि एक सप्ताह पूर्व कब्रिस्तान की घास के ऊपर तरल रासायनिक पदार्थ का छिड़काव किया गया था, जिससे घासफूस आदि नष्ट होकर सूख जाते हैं, तत्पश्चात उन्हें आग के हवाले कर दिया जाता है, ऐसा पहले भी कई वर्षों से किया जा रहा है। इस क्रम में जब लोगों ने कब्रिस्तान परिसर में आग लगा तथा घना काला घना धुआं उठता देखा तो सारा माजरा समझते देर नहीं लगी, तो लोगों ने घटना से संबंधित अधिकारियों को अवगत करा दिया किन्तु कोई समुचित कार्यवाही नहीं हुई। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने पूरे

देश में पराली व वायु प्रदूषण संबंधित क्रियाकलापों पर रोक लगा रखी है और शासन व प्रशासन को सख्त निर्देश दिया है कि यदि देश में कहीं भी कोई प्रर्यावरण को हानि अथवा वायु प्रदूषण करता है तो उसके विरुद्ध वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई करें, आवश्यकता हो तो अपराध कारित व्यक्ति या व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी कर सकते हैं।

विज्ञापन लाइसेंस व पार्किंग ठेका भी अब मिलेगा ऑनलाइन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ, 20 अक्टूबर । राज्य सरकार शहरी लोगों को बेहतर ऑनलाइन सुविधाएं देने जा रही है। हाउस टैक्स, वाटर टैक्स ऑनलाइन जमा करने की सुविधा देने के बाद अब विज्ञापन लाइसेंस और पार्किंग का ठेका देने की व्यवस्था भी ऑनलाइन होने जा रहा है। नगर विकास विभाग ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इतना ही नहीं पिछले 20 सालों में संपत्तियों से जुड़े सभी मामले भी ऑनलाइन किए जाएंगे।दुकानों को लाइसेंस मिलेंगेशहरी क्षेत्रों में दुकान और प्रतिष्ठान खोलने के लिए पंजीकरण कराना हो या फिर लाइसेंस लेना, सभी व्यवस्था ऑनलाइन होगी। लोग घर बैठे इन सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। पंजीकरण ट्रेड लाइसेंस एक ही फॉर्म के जरिए दिया जाएगा। सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से विज्ञापन के लिए साइनेज लाइसेंस पंजीकरण और नवीनीकरण की सुविधा भी होगी। सूचना शुल्क, प्रक्रिया और सभी दस्तावेजों की एक विस्तृत सूची ऑनलाइन वेबसाइट पर

उपलब्ध कराई जाएगी। ऑवेदन ऑनलाइननिकाय से जुड़ी सभी सुविधाएं ऑनलाइन होंगी। लाइसेंस शुल्क ऑनलाइन जमा करने की व्यवस्था होगी। आवेदन जमा करने का फार्म, आवेदन शुल्क का भुगतान, आवेदन की स्थिति, प्रमाणपत्र की अंतिम कापी डाउनलोड करने की सुविधा, तीसरे पक्ष का सत्यापन रिपोर्ट भी ऑनलाइन देखी जा सकेगी। खाली जमीनों का सर्वे कराते हुए उसे यूनिक आईडी नंबर दिया जाएगा और उसे ऑनलाइन किया जाएगा। संपत्तियों की पहचान और उसे वेबसाइट पर फीड किया जाएगा। इसकी पहचान के लिए सर्वे भी कराया जाएगा। संत्तियों के म्यूटेशन के लिए इंटीग्रेटेड ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था होगी। म्यूटेशन के बाद इसकी सूचना भी ऑनलाइन देनी होगी।संपत्तियों के रिकार्ड मिलेंगेसंपत्तियों का सभी रिकार्ड ऑनलाइन किया जाएगा। स्वामित्व और सभी भूमि संपत्ति संबंधी रिकॉर्ड ऑनलाइन होगा। इसके लिए सब रजिस्ट्रार कार्यालयों में पिछ्ले 20 वर्षों के भूमि लेनदेन का ब्यौरा एकत्र किया जाएगा।

नौकरशाही के जंजाल में बीकानेर की 3 दशक पुरानी रेल बाईपास योजना अभी भी उलझी

बीकानेर। राजस्थान में संभाग मुख्यालय बीकानेर की तीन दशक (30 वर्ष) वर्षों पुरानी रेल बाईपास का निर्णय राज्य में शासन द्वारा बार बार किए जाने के बावजूद प्रशासन की नौकरशाही के जंजाल में अभी भी उलझा हुआ है। बीकानेर में रेल बाईपास बनाने को लेकर एडवोकेट पूर्व विधायक आर.के.दास गुप्ता व बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल के संरक्षक कन्हैयालाल बोथरा कलेक्टर नमित मेहता से मिले। गुप्ता ने बताया कि रेल बाईपास का निर्माण एक वर्ष की समय अवधि में होना संभव है और जब तक रेल बाईपास का निर्माण नहीं हो तब तक कुछ नए सुझाव भी कलेक्टर को दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण समस्या को लेकर सर्वदलीय जन आंदोलन आज से 29 वर्षों पूर्व हुआ था। उस समय तत्कालीन सीएम भैरोंसिंह शेखावत ने तत्कालीन रेल मंत्री जाफर शरीफ को बीकानेर में मौका दिखाकर रेलवे के शीर्ष अधिकारियों के बीच मीटिंग कराकर रेलमंत्री ने मंत्रालय के इस निर्णय की घोषणा की थी। इस दौरान शेखावत ने रेल बाईपास के लिए वांछित जमीन रेलवे को मुफ्त में दिए जाने की घोषणा भी की थी। उसके बाद प्रस्ताव रखा गया, सर्वे हुआ और फिर मामला नौकरशाही के जंजाल में फंसता गया।

भोजपुरी फ़िल्म तू ही रब तू ही दुआ की शूटिंग शुरू हुई

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । बिशेश्वरगंज भोजपुरी फ़िल्म तू ही रब तू ही दुआ की शूटिंग सोमवार को मुहर्त कार्य के बाद जय होटल बलरामपुर में देर रात तक होती रही । शूटिंग के दौरान पहले दिन फाइट एक्शन का सीन पूरा हुआ । जनपद बहराइच के विकासखंड बिशेश्वरगंज अंतर्गत धनुही निवासी और फ़िल्म के सह कलाकार की भूमिका अदा करने वाले दिवाकर मिश्र ने बताया कि ओसियन फिल्म्स के बैनर तले बन रही भोजपुरी फिल्म तू ही रब तू ही दुआ जिसका फस्ट लुक को होटल बलरामपुर में संपन्न हुआ था उसकी शूटिंग को नवरात्री के शुभ अवसर पर शुरू हो गयी है ।

फिल्म में भोजपुरी की मशहूर एक्ट्रेस ÷मनी भट्याचार्य और तन्नूश्री चटर्जी÷ के साथ अंतरा शर्मा का जबरदस्त किरदार है । ये फिल्म सिचवेशन बेश कॉमेडी फिल्म है जो दर्शको को खूब हँसाने का दावा कर रही है । फ़िल्म के प्रोडूसर धनराज एक्का व एकलव्य साहनी है जो कलाकार की भूमिका भी निभायेंगे ।फ़िल्म का डायरेक्शन कन्हैया विश्वकर्मा कर रहे है , फ़िल्म के लीड रोल में जयपुर के धनराज एक्का है । उन्होंने बताया कि पूर्व में बलरामपुर में बनी फिल्म डीजे की सफलता के अब बलरामपुर में 4 फिल्मे बनाने का निर्णय लिया जिसमे तू ही रब तू ही दुआ ,रमता जोगी, राजा की देव्हडी व ससुराल गेंदा फूल है ।।जिसमे स्थानीय प्रतिभावान कलाकारो को बढ़ चढ़ कर काम करने का मौका मिलेगा ,साथ ही साथ फिल्म से जुड़े टेक्निशियान को रोजगार भी मिलेगा।

योगी ने मान लिया, उनकी सरकार के दिन बस गिने-चुने: अखिलेश

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

लखनऊ, 20 अक्टूबर । समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मान चुके हैं कि राज्य में उनकी सरकार के दिन गिनेचुने रह गये हैं, इसीलिये वह बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार कार्य में जुट गये हैं। अखिलेश ने यहां एक बयान में कहा ''मुख्यमंत्री ने मान लिया है कि प्रदेश में उनकी सरकार के दिन गिनेचुने रह गए हैं। हर मोर्चे पर विफलता के नाते वह आगामी आम चुनाव में टिक नहीं पाएंगे। इसलिए इन दिनों वह बिहार में चुनाव प्रचार में लग गए हैं। न यहां रहेंगे, न जनता की चीख पुकार सुनाई देगी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में जनता बुरी तरह त्रस्त है। कमजोरों पर भाजपा सरकार की दहशतगर्दी इतनी बढ़ी हुई है कि लोग विधान भवन के सामने ही आत्मदाह करने को मजबूर हो रहे हैं। प्रदेश के सर्वाधिक सुरक्षित क्षेत्र में आत्मदाह की घटनाएं सरकार के संवेदनहीन एवं अमानवीय होने का प्रमाण है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कमजोरों पर सरकार का

अत्याचार बढ़ता जा रहा है। दलितों पर अत्याचार सभी हदें पार कर गया है। बाराबंकी में दुकान पर कब्जे और लखनऊ में मकान मालिक के उत्पीड़न से क्षुब्ध लोगों ने कल आत्मदाह का रास्ता अपनाया। महाराजगंज से आई एक महिला ने भी खुद को आग लगा ली थी, जिससे उसकी मौत हो गयी। अखिलेश ने कहा कि शायद भाजपा के पास कोई योजना नहीं होने से इसका नेतृत्व हताशा में डूब गया है। मुख्यमंत्री ने यह फार्मूला अपना रखा है 'जनता के नाम जो समाजवादी पार्टी का काम, बस उसे कर लेना है अपने नाम।' उन्होंने कहा ''भाजपा नेतृत्व यह नहीं भूले कि जनता भी सच जानती और पहचानती है। जैसे ही विधानसभा चुनाव 2022 की घड़ी आएगी, वह अपने मतों से दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी।''

कालीनों की गुणवत्ता ही अतंर्राष्ट्रीय बाजार में बनायेगी पैठ

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। कोरोनाकाल में भारतीय हो या विदेशी हर कोई डरा सहमा है। किसी भी उत्पाद के उपयोग से पहले वह सुनिश्चित हो जाना चाहता है कि वह जीवाणुरहित है या नहीं। खासकर हस्तशिल्प कालीनों को लेकर वह बेहद चैकन्ना है। ऐसे में निर्यातकों को अंतर्राष्टीय बाजार को टैप करने के लिए गुणवत्ता और मानकों के लिए वैश्विक मानदंडों का हरहाल में पालन करना होगा। क्योंकि कोरोनाकाल में कालीनों की गुणवत्ता बगैर अंतर्राष्टीय बाजार में जगह बनाना अंसभव है। इन्हीं उद्देश्यों के साथ गुणवत्ता को लेकर सीईपीसी ने एक बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के तत्वावधान में कालीन क्षेत्र के लिए विभिन्न परीक्षण के बारे में सदस्य निर्यातकों को शिक्षित करने के लिए कालीनों की गुणवत्ता, परीक्षण (टेस्टिंग) विषयक एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीईपीसी चेयरमैन सिद्धनाथ सिंह ने कहा कि विभिन्न निर्यातक देशों की आवश्यकताओं के अनुसार जरुरी है कि कालीन निर्यातक कालीनों की गुणवत्ता को लेकर सजग हो जाएं। क्योंकि अब कालीनों की गुणवत्ता बनाएं रखने वाला निर्यातक ही अंतर्राष्टीय बाजार में अपनी पकड़ बनाएं रख सकता है।

सिंह ने कहा कि वेबिनार कराने का मकसद भी यही है कि निर्यातक कालीनों के विभिन्न परीक्षण लिए तैयार रहे। कालीनों के परीक्षण में टीयूव सूड लेबोरेटरी काफी कारगर हो सकती है। निर्यातकों के लिए यह लेबोरेटरी प्रभावी मददगार सबित हो सकती है। हालांकि सीईपीसी पहले से ही 'कालीन लेबल' देती रही है। इस लेबल से ग्राहकों को विश्वास हो जाता था कि उक्त कारपेट के गुणवत्ता में कोई कमी नहीं है। लेकिन बढ़ते महामारी को देखते हुए वह अब जीवाणुहित सहित अन्य तरह की भी गुणवत्ता है।

ऐसे में निर्यातकों को गुणवत्ता और मानकों के लिए अंतर्राष्टीय मानदंडों का सख्ती से पालन करने की जरुरत है। सिह ने निर्यातकों को यह भी चेतावनी दी है कि अनिवार्य दायित्वों को पूरा करने में नाकाम रहने से, वे अन्य देशों में अपने निर्यात हिस्से को खो सकते हैं।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय

नैनी स्टेशन के सामने

प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

महोबा में लापरवाह 135 शिक्षकों के खिलाफ कार्यवाही

महोबा । उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में प्राथमिक शिक्षा में व्याप्त खामियों को दुरुस्त कर उसे सशक्त बनाने के लिए शुरू किये गए विशेष अभियान में कामचोर तथा दायित्वों के प्रति लापरवाह 135 शिक्षकों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही अमल में लाई गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सूर्यभान ने आज यहां कहा कि अध्यापकों की स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यशैली के चलते यहां के प्राथमिक शिक्षा की स्थिति बेहद खराब होने की लगातार मिल रही शिकायतों पर जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने दो दिन पहले दो सौ प्राथमिक व जूनियर विद्यालयों में रेंडम चेकिंग कराई थी। जिसमे बड़ी संख्या में विद्यालयों के बंद मिलने, शिक्षकों के ड्यूटी से गायब होने की खामी पाई गई थी। इस जांच में ग्रामीणों के भी बयान लिए गए थे। जिनमे स्कूल व उनमें शिक्षण कार्य के प्रति शिक्षकों के गैर जिम्मेवाराना रवैय्ये पर अभिभावकों ने नाराजगी प्रदर्शित की थी । निरीक्षण में बंद पाए गए सभी 8 विद्यालयों के प्रधानाचार्यो को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और अग्रिम आदेश तक उनके वेतन में रोक लगा दी गई है। वहीं अपनी ड्यूटी में अनुपस्थित मिले 127 शिक्षक.शिक्षिकाओं का एक दिन का वेतन काटा गया है। इन सभी अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस भी दिया गया है।

जौनपुर में ग्राम न्यायालय के गठन से मिलेगी सहूलियत

जौनपुर । उत्तर प्रदेश में जौनपुर के शाहगंज में ग्राम न्यायालय की शुरुआत होने से क्षेत्र के चार थानों के मुकदमो की सुनवाई अब तहसील परिसर स्थित ग्राम न्यायालय में हो सकेगी। ग्राम न्यायालय की नव नियुक्त न्यायाधीश पीयूषिका तिवारी ने आज कहा कि ग्राम न्यायालय में परिवारिक विवाद, बीस हजार तक चोरी के मुकदमे,दो हजार मालियत तक के मुकदमे एवं जिसमे दो साल तक के सजा के प्रावधान है ऐसे मुकदमे की सुनवाई की जाएगी। उन्होंने कहा की भारतीय दंड विधान की धारा 323,504,506 एवं सिविल और क्रिमनल के मुकदमो की भी सुनवाई होगी। गौरतलब है कि कई वर्षो से शाहगंज में ग्राम न्यायालय की मांग की जा रही थी।

ग्राम न्यायालय के गठन से अब तहसील क्षेत्र के निवासी जिनको अपने मुकदमो के पैरवी के लिए चालीस किलो मीटर दूर जिला मुख्यालय जाना पड़ता था अब उनके मुकदमे की सुनवाई यही हो जाएगी। जिससे वादकारियों को समय के साथ पैसों की भी बचत होगी। उधर ग्राम न्यायालयों के गठन का सिविल कोर्ट जौनपुर के अधिवक्ताओं ने विरोध किया है ।

कांस्टेबल की फुल ट्रेनिंग के लिए आरटीसी की मिली मंजूरी

कुशीनगर । जिले के पुलिस महकमा को बड़ी उपलब्धि मिली है। शासन से यहां रिजर्व ट्रेनिंग सेंटर (आरटीसी) की मंजूरी मिल गई है। अब यहां भी छह माह तक का कांस्टेबल का प्रशिक्षण हो सकेगा। यहां प्रशिक्षण लेने वाले रिक्रूट कांस्टेबल को छह माह में उनके दायित्वों से जुड़े हर पहलू की विस्तार से जानकारी दी जाएगी तथा उन्हें दक्ष बनाया जाएगा। इनके लिए जनपद मुख्यालय स्थित पुलिस लाइंस में बैरक, शार्ट फायरिंग रेंज और गेम्स ट्रैक आदि का निर्माण कराया जाएगा। इस आरटीसी की क्षमता 200 कांस्टेबल को प्रशिक्षण देने की है।

अभी तक कुशीनगर की पुलिस लाइंस में सिर्फ ज्वाइनिंग ट्रेनिंग कोर्स (जेटीसी) की सुविधा है। यहां कांस्टेबल के पद पर नियुक्ति के बाद एक माह तक इनका ज्वाइनिंग ट्रेनिंग कोर्स होता है तथा आरटीसी के लिए तैयार किया जाता है। इस एक माह के प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से मूल पीटी, परेड, ड्रिल, प्लाटून और स्क्वॉड का गठन, बेसिक ड्रिल, सावधानविश्राम, दौड़, रैंक और अभिवादन, बुनियादी अनुशासन आदि सिखाया जाता है। इसके बाद रिजर्व ट्रेनिंग कोर्स के लिए सक्षम पुलिस जिला मुख्यालय पर भेज दिया जाता है, लेकिन पुलिस प्रशासन के प्रयास से कुशीनगर जिले में भी रिजर्व ट्रेनिंग कोर्स कराए जाने की स्वीकृति मिल गई है। पहले कांस्टेबल के प्रशिक्षण की औसत अवधि 12 महीने थी।

प्रधानमंत्री मोदी यूपी के ठेले-रेहड़ी वालों से करेंगे संवाद, स्वनिधी योजना के तहत बांटेंगे लोन

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 20 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अक्तूबर को यूपी के ठेलेरेहड़ी और खोमचे वालों से संवाद करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी नगर निगम, नगर निकायों और नगर पंचायतों के ठेलेरेहड़ी और खोमचे वालों को स्वनिधी योजना के तहत लोन भी वितरित करेंगे। मंगलवार को कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि संवाद में करीब पांच लाख ठेलेरेहड़ी वाले शामिल होंगे। 665 नगर निगमों, नगर निकायों और नगर पंचायतों के तीन लाख लोगों को लोन देंगे। पीएम मोदी से कुछ लोगों की सीधी बातचीत भी होगी। प्रधानमंत्री न सिर्फ ठेलेखोमचे वाले से हालचाल लेंगे बल्कि रेहड़ी वालों की बातें भी पीएम तक पहुंचेंगी।

स्वनिधि योजना के तहत शहरी क्षेत्रों के रेहड़ीपटरी वालों को एक साल के लिए 10,000 रुपये का ऋण बिना किसी गारंटी के दिया जाता है। यह योजना 20.97 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज का हिस्सा है। वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण ने मई में इस पैकेज की घोषणा की थी।

कोरोना संकट की मार से जूझ रहे रेहड़ी, पटरी लगाने वाले छोटे कारोबारियों को मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर निधि योजना के तहत 10,000 रुपये तक के लोन का तोहफा दिया था। ऐसे लोग यह लोन देशभर में फैले 3.8 लाख साझा सेवा केन्द्रों (सीएससी) के जरिये ले सकते हैं।

कोरोना संकट की मार से जूझ रहे रेहड़ी, पटरी लगाने वाले छोटे कारोबारियों को मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर निधि योजना के तहत 10,000 रुपये तक के लोन का तोहफा दिया था। ऐसे लोग यह लोन देशभर में फैले 3.8 लाख साझा सेवा केन्द्रों (सीएससी) के जरिये ले सकते हैं। इसके बावजूद अगर आपको लोन मिलने में कोई दिक्कत हो रही है तो आपका मोबाइल फोन मिनटों में आपकी इस दिक्कत को दूर कर सकता है। पीएम स्वनिधि मोबाइल ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। पीएम स्वनिधि मोबाइल ऐप को शुरू करने का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स के लिए लोन अप्लाई करने के प्रोसेस को आसान बनाना है।

इस ऐप के जरिये लोन देने वाली संस्थाओं के फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों जैसे बैंकिंग प्रतिनिधि (बीसी) और गैरबैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) या माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) के एजेंटों के जरिये स्ट्रीट वेंडर्स तक आसानी से लोन सुविधा को पहुंचाया जा सकेगा। पीएम स्वनिधि मोबाइल ऐप के जरिये स्ट्रीट वेंडर्स को बिना किसी कागजी कार्रवाई के माइक्रोक्रेडिट सुविधाओं के जरिये आसानी से लोन दिया जा सकेगा। मंत्रालय की ओर इस स्कीम के तहत वेब पोर्टल की शुरुआत 29 जून, 2020 को की गई।

बिहार में फिर से नीतीशे कुमार? महागठबंधन पर भारी पड़ेगा NDA

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महज कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में सर्वे एजेंसियों के साथ मिलकर विभिन्न न्यूज चैनल्स ओपिनियन पोल लेकर आ रहे हैं। सीएसडीएसलोकनीति के साथ मिलकर आजतक न्यूज चैनल ने सर्वे किया है। इस ओपिनियन पोल में एक बार फिर से बिहार में नीतीश कुमार का जलवा बरकरार दिखाई दे रहा है। वहीं, पसंदीदा मुख्यमंत्री के रूप में भी महागठबंधन के उम्मीदवार तेजस्वी यादव से एनडीए उम्मीदवार नीतीश कुमार आगे हैं। सीएसडीएसलोकनीति के ओपिनियन पोल के अनुसार, विधानसभा चुनाव में एनडीए को 133 से लेकर 143 सीटें मिलने का अनुमान है। आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन को 88 98 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, बीजेपी के साथ सरकार बनाने का दावा करने वाली चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) महज 26 सीटों पर विजयी हो सकती है। अन्य दलों की बात करें तो ओपिनियन पोल

में 610 सीटें दी गई हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हुए इस ओपिनियन पोल के दौरान 37 विधानसभा सीटों के 148 बूथों पर लोगों की राय पूछी गई है। इस दौरान, 3731 लोगों को सर्वे में शामिल किया गया है। यह ओपिनियन पोल 10 से 17 अक्टूबर के बीच में कराया गया है। सर्वे एजेंसी का दावा है कि सभी आयुवर्ग के लोगों से उनकी राय पूछी गई है। सर्वे के दौरान जब लोगों से मुख्यमंत्री पद की पहली पसंद पूछी गई तो इसमें नीतीश कुमार सबसे आगे रहे। 31 फीसदी लोग नीतीश कुमार को फिर से राज्य का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। जबकि, महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव को 27 फीसदी लोग सीएम देखना चाहते हैं। वहीं, चिराग पासवान पांच, डिप्टी सीएम सुशील मोदी चार और लालू यादव को तीन फीसदी लोग मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। ओपिनियन पोल के अनुसार, 38 फीसदी लोगों ने एनडीए के पक्ष में राय रखी है, जबकि महागठबंधन के पक्ष में 32 फीसदी लोग हैं। इसके अलावा, छह फीसदी लोगों की चाहत है कि राज्य में अगली सरकार एलजेपी की बने।

कश्मीर में हिली आतंक की नींव, घुसपैठ की तैयारी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर । चीन से दोस्ती निभाने के लिए पाकिस्तानी सेना ने जम्मूकश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों पर हमले तेज करने की योजना बनाई है। इसके लिए तालिबान के साथ मिलकर पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने आतंकी संगठनों को कमान सौंपी है। इन दिनों कश्मीर घाटी में चल रहा सेना का आत्म समर्पण अभियान लगातार सफल होने से आतंक की नींव कमजोर पड़ने लगी है, इसलिए पाकिस्तानी सेना और आईएसआई बौखलाई है। पीओके में चीन ने अपने सैनिकों को भेजा है, जो पाकिस्तानी सेना के वर्दी वाले आतंकियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। इस समय पाकिस्तान के लॉन्च पैड पर 250300 आतंकवादी भारत में

घुसपैठ करने के इरादे से तैयार बैठे हैं। खुफिया सूत्रों का कहना है कि जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियों का समन्वय करने वाले जैशएमोहम्मद के कमांडर मुफ्ती मोहम्मद असगर खान तहत सभी को अलगअलग जिम्मेदारियां सौंपकर अपनेअपने हिस्से के काम को अंजाम देने के निर्देश दिए गए हैं। कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को तेज करने और आतंकी संगठनों में एकजुटता बनाने के लिए इन बैठकों में पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने भी हिस्सा लिया है। ओवर ग्राउंड वर्कर की मदद करने पर भी सहमति बनी है। इन गुटों में यह भी तय हुआ है कि अब कश्मीर में हमले चाहे कोई संगठन करें लेकिन सभी हमलों की

कश्मीरी के नेतृत्व में तालिबान के वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच आतंकी संगठन लश्कर, जैश और हिज्बुल की एक बैठक हुई है, जिसमें इस योजना को अंतिम रूप दिया गया है। पाकिस्तानी सेना ने नई योजना के जिम्मेदारी हिज्बुल ही लेगा। भारत की लद्दाख में रणनीतिक पकड़ मजबूत होने के बाद से बौखलाई चीनी सेना कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं के दौरान भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है।

जौनपुर में घरेलू विवाद के चलते दम्पति ने खुद को लगाई आग, पत्नी की मृत्यु

जौनपुर । उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के शाहगंज में क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते एक दम्पत्ति ने खुद को आग लगा ली,जिसमें महिला की मृत्यु हो गयी जबकि उसके पति की हालत गंभीर है। पुलिस सूत्रों ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के शाहगंज कोतवाली क्षेत्र में भरौली गांव निवासी 50 वर्षीय अशोक कुमार और उसकी 48 वर्षीय पत्नी सुमन के बीच सोमवार रात घरेलू विवाद को लेकर कहा सुनी हो गयी थी। बात इतनी बढ़ गयी की दोनों दम्पत्ति ने खुद पर मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगा ली,जिससे दोनों गंभीर रुप से झुलस गये। चीख पुकार के बाद पड़ोसियों ने दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल भिजवाया । उन्होंने बताया कि इलाज के दौरान सुमन की मृत्यु हो गई जबकि अशोक की हालत गम्भीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

अब लालू का 'लालटेन राज' नहीं मोदी का 'एलईडी राज' चलेगाः नड्डा

(विशेष संवाददाता)

बक्सर, 20 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यहां मंगलवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों का जिक्र किया, वहीं विपक्षियों पर जमकर निशाना साधा।

नड्डा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पोस्टर से लालू प्रसाद की तस्वीर गायब होने पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'राजद के पोस्टर में केवल तेजस्वी दिखाई दे रहे हैं, लालूजी उसमें नहीं दिख रहे। अब पोस्टर में से ही उनके बेटे ने उन्हें गायब कर दिया। इसलिए गायब किया, क्योंकि बिहार की जनता जागरूक है और अब लूटराज या लालटेन राज नहीं चलेगा। अब मोदी का एलईडी राज चलेगा।' उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 'कांग्रेस की नीति प्रारंभ से ही

लटकाना, अटकाना, भटकाना और काम नहीं करने की रही है। कांग्रेस के नेता और वकील कपिल सिब्बल ने भी सर्वोच्च न्यायालय में राम मंदिर निर्माण कार्य को लटकाने की कोशिश की थी, लेकिन न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया।' उन्होंने जम्मूकश्मीर से धारा 370 हटाए जाने की भी चर्चा की और कहा कि पहले पाकिस्तान के लिए श्रीनगर आरामगाह बना था, लेकिन अब आतंकवादी भी समझते हैं कि अगर घुसेगा तो सजाएमौत मिलेगी। भाजपा प्रमुख ने लोगों को सचेत करते हुए कहा, 'कभी भी किसी पार्टी और नेता को इस आधार पर मत चुनिए कि वो क्या करेगा। किसी को भी चुनना है तो इस आधार पर चुनिए कि उस पार्टी ने और उस नेता ने पहले क्या किया है, अगर उसने पहले अच्छा काम किया है तो वो आगे भी करेगा, इस आधार पर आप चुनिए।' नड्डा ने कहा, 'बिहार में अब गुंडाराज नहीं चलेगा, कानून का राज चलेगा।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के 25,000 करोड़ के ठेके में L&T सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । बुनियादी ढांचे क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। सूत्रों के अनुसार 24,985 करोड़ रुपये के ठेके में एलएण्डटी सबसे बड़े सिविल ठेके को पाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एलएण्डटी अहमदाबाद से मुंबई तक की 508 किलोमीटर की बुलेट ट्रेन परियोजना में पड़ने वाले 237 किलोमीटर लंबे मार्ग सेतु के डिजाइन और निर्माण की निविदा में सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी रही है। मुंबईअहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) कर रही है। यह 508 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना है जिसे जापान के सहयोग से विकसित किया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल ने सोमवार को आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''परियोजना के 237 किलोमीटर लंबे खंडों पर बनने वाले रेल मार्गसेतु के डिजाइन और निर्माण के लिए मंगायी गयी निविदाएं आज खोली गयीं। एलएंडटी इसमें सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी बनकर सामने

आयी।'' एनएचएसआरसीएल ने कहा कि इस निविदा के तहत कुल सात प्रमुख कंपनियों ने मिलकर तीन बोलियां जमा की थीं। बोली लगाने वाली कंपनियों में एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रचर लिमिटेड, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, और जेएमसी प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड का एक समूह एवं एनसीसी लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और जे. कुमार इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का दूसरा समूह शामिल था।

यूपी उपचुनाव में सहानुभूति कार्ड का होगा लिटमस टेस्ट

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 20 अक्टूबर । उत्तर प्रदेश में विधानसभा की सात सीटों के लिए उपचुनाव हो रहे हैं। इसमें चार सीटों पर किसी ना किसी विधायक के निधन के कारण चुनाव हो रहा है। चुनावी बयार में सहानुभूति काफी महत्व रखती है।उपचुनावों में सहानुभूति का मुद्दा कितना प्रमुख है, इसका लिटमस टेस्ट होगा।

भारतीय क्रिकेट टीम में बल्लेबाज रह चुके चेतन चैहान अमरोहा जिले की नौगांवा विधानसभा सीट से 2017 में विधायक चुने गए थे। क्रिकेट से संन्यास लेकर वह राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

चैहान योगी सरकार में सैनिक कल्याण, होम गार्ड, पीआरडी, नागरिक सुरक्षा विभाग के मंत्री थे। उनका बीते दिनों कोरोना संक्रमण से निधन हो गया था। इस सीट पर उनकी पत्नी संगीता चैहान को भाजपा ने चुनावी मैदान में उतारा है। चैहान जनता के बीच में खासे लोकप्रिय रहे हैं। वह सांसद भी रह चुके थे। इस कारण उनका जनता से काफी जुड़ाव रहा है। उनकी पत्नी के साथ चेतन की सहानुभूति और पार्टी की ताकत है।

बुलंदशहर से विधायक रहे

वीरेन्द्र सिरोही का प्रदेश की राजनीति में अच्छा रसूख था। सिरोही सामान्य से शिखर पर पहुंचे थे।

भाजपा और बसपा के गठबंधन से बनी सरकार में मायावती के मुख्यमंत्री कार्यकाल में वीरेंद्र सिंह सिरोही राजस्व मंत्री बने। उनके निधन से खाली हुई सीट पर उनकी पत्नी ऊषा सिरोही को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

चेतन और सिरोही के प्रति जनता के लगाव का उपचुनाव में इम्तिहान होना है। हालांकि भाजपा ने इसके ठीक उलट घाटमपुर सीट पर कैबिनेट मंत्री रहीं कमलरानी वरूण की जगह परिवार से बाहर के व्यक्ति को टिकट दिया है। ऐसे ही भाजपा ने देवरिया की सदर सीट पर दिवंगत जन्मेजय सिंह के बेटे अजय सिंह को टिकट नहीं दिया। वह बागी होकर निर्दलीय अपने पिता की सहानुभूति के बदौलत मैदान में कूदे हैं।

केंद्र की प्रवृत्ति एजेंसियों को राजनीतिक हथियार की तरह प्रयोग करने कीः राहुल

वायनाड, 20 अक्टूबर (वेबवार्ता)। केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज कहा कि केंद्र की प्रवृत्ति राष्ट्रीय एजेंसियों को राजनीतिक हथियार के रूप में प्रयोग करने की है। मार्च में कोरोना महामारी के फैलने के बाद राहुल पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र गए थे। राहुल कल वायनाड पहुंचे। वह वहां जिला अधिकारियों की ओर से आयोजित बैठक में भाग ले रहे हैं और कल वापस आ जाएंगे। राहुल ने कहा, यह केवल फारूक अब्दुल्ला नहीं है, मुझे मिलाकर कई ऐसे नेता हैं, जिसके खिलाफ एजेंसियों ने मामला दर्ज किया है। सीबीआई और ईडी का प्रयोग दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है और ऐसे कार्यो से ये एजेंसियां केवल बर्बाद होंगी। वहीं उन्होंने कृषि बिलों पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा, ये बिल, प्रधानमंत्री के करीबी एक या दो औद्योगिकी घरानों को फायदा पहुंचाएंगे। यह आम किसानों के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। केंद्र ने सोचा कि कोरोनाकाल होने की वजह से किसान शांत रहेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं, वे सड़कों पर उतर आएं। खाद्य सुरक्षा की संरचना खरीद, न्यूनतम समर्थन मूल्य और मंडी पर आधारित है और ये बिल हमें 50 साल पीछे ले जाएंगे।

वहीं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के इमरती देवी को अपमानजनक शब्द कहने के मामले में राहुल ने नाखुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। राहुल ने कहा, कमलनाथ जी मेरे पार्टी से हैं, लेकिन निजी तौर पर, मैं इस तरह की भाषा को पसंद नहीं करता हूं, जिसका प्रयोग उन्होंने किया। मैं इसकी सराहना नहीं करता हूं, चाहे वह कोई भी हो। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

औरंगाबाद में सभा के दौरान तेजस्वी यादव पर फेंकी चप्पल

(विशेष संवाददाता)

पटना । बिहार विधानसभा के रण को जीतने के लिए चुनावी सभाएं जोर पर हैं। देश के दिग्गज नेता बिहार में रैलियों को संबोधित कर अपनीअपनी पार्टियों को वोट देने की अपील कर रहे हैं। औरंगाबाद में मंगलवार को चुनावी सभा को संबोधित करने आरजेडी के वरिष्ठ नेता और लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव पहुंचे। इसी बीच भीड़ में एक दिव्यांग युवक ने उनपर चप्पल फेंक दी। चप्पल सीधे उनके हाथ को छूते हुए गोद में जा गिरी। घटना के बाद मंच पर हंगामा मच गया। बताया जाता है कि कुटुंबा के बभंडीह में मंगलवार को तेजस्वी यादव चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर मंच के नीचे भीड़ से एक दिव्यांग युवक ने दो चप्पल फेंकी। एक चप्पल उनके पीछे जा गिरी, जबकि दूसरी चप्पल उनके हाथ को छूती हुई गोद में जा गिरी। चप्पल

फेंकने के बाद मंच पर कुछ देर के लिए अफरा तफरी मच गई। चप्पल फेंकने वाला दिव्यांग सभा में अपनी ट्राइसाइकिल पर बैठा था। चप्पल फेंकने के बाद वह विरोध में नारेबाजी भी कर रहा था। तेजस्वी ने दिव्यांग को देखकर पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह का दुर्व्यवहार नहीं करने की अपील की। घटना के बाद तेजस्वी यादव ने दिव्यांग से बात भी की। हालांकि दिव्यांग को पुलिसकर्मियों ने सभा से बाहर निकाल दिया। इधर, तेजस्वी यादव पर चप्पल फेंके जाने की घटना को राजद व कांग्रेस नेताओं ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया। महागठबंधन नेताओं ने कहा कि तेजस्वी यादव पर यह मामला एनडीए नेताओं के इशारे पर हुआ है। कहा कि एनडीए नेताओं की चुनावी सभा की सुरक्षा पुख्ता की जा रही है पर महागठबंधन नेताओं की सभा की सुरक्षा में लापरवाही बरती जा रही है। पूर्व मंत्री सह जिलाध्यक्ष सुरेश मेहता ने इस घटना के पीछे विरोधियों का हाथ होने की बात कही है।

मालाबार सैन्य अभ्यास में भारत, अमेरिका और जापान संग हिस्सा लेगा ऑस्ट्रेलिया

(विशेष संवाददाता)

बीजिंग । चीन ने मंगलवार को कहा कि उसने भारत की इस घोषणा का संज्ञान लिया है कि अमेरिका और जापान के साथ ऑस्ट्रेलिया भी वार्षिक मालाबार नौसेना अभ्यास में हिस्सा लेगा। उसने कहा कि सैन्य सहयोग, क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अनुकूल होना चाहिए।

भारत ने सोमवार को ऐलान किया था कि ऑस्ट्रेलिया आगामी मालाबार अभ्यास में हिस्सा लेगा जिसका तात्पर्य है कि चतुष्पक्षीय गठबंधन के सभी चारों सदस्य देश इस महाभ्यास में भाग लेंगे। अमेरिका और जापान अन्य दो देश हैं जो इस वार्षिक अभ्यास में हिस्सा लेते हैं। अगले महीने बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में इस अभ्यास के होने की संभावना है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन ने इस घटनाक्रम का संज्ञान ले लिया है। उन्होंने संक्षिप्त प्रतिक्रिया में

कहा, हमारा सदैव मानना रहा है कि देशों के बीच सैन्य सहयोग क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अनुकूल होना चाहिए। इस विशाल सैन्य अभ्यास का हिस्सा बनने के ऑस्ट्रेलिया के अनुरोध पर ध्यान देने का भारत का निर्णय ऐसे वक्त आया है जब पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद के बीच चीन के साथ रिश्ता तनावपूर्ण हो गया है। चीन के मन में इस मालाबार अभ्यास के उद्देश्य को लेकर आशंका उत्पन्न हो गई है क्योंकि वह महसूस कर रहा है कि यह वार्षिक युद्धाभ्यास हिंदप्रशांत क्षेत्र में उसके दबदबे पर अंकुश लगाने का एक प्रयास है। मालाबार अभ्यास 1992 में भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना के बीच हिंद महासागर में द्विपक्षीय अभ्यास के रूप में शुरू हुआ था। जापान 2015 में इस अभ्यास का स्थायी हिस्सेदार बना। वर्ष 2018 में यह अभ्यास फिलीपन सागर में गुआम तट के पास और 2019 में यह जापान तट के पास हुआ था। पिछले कुछ सालों से ऑस्ट्रेलिया इस अभ्यास से जुड़ने में बड़ी दिलचस्पी दिखा रहा है।

चीन के बढ़ते सैन्य दबदबे के आलोक में हिंदप्रशांत क्षेत्र में उभरती स्थिति वैश्विक शक्तियों के बीच चर्चा का एक बड़ा विषय है। अमेरिका रणनीतिक रूप से अहम हिंदप्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे पर अंकुश लगाने के लिए चतुष्पक्षीय गठबंधन को सुरक्षा ढांचा का रूप देने की वकालत कर रहा है।